हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • बुधवार • 27.05.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 299 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण : नेताओं ने दी बधाई, विकास और सुशासन की ऐतिहासिक उपलब्धियां

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के ऐतिहासिक 12 वर्ष पूरे होने पर आज देशभर के प्रमुख राजनेताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। नेताओं ने इन 12 वर्षों को राष्ट्रसेवा, सुशासन, आत्मनिर्भरता, गरीब कल्याण और वैश्विक पटल पर भारत की साख को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने वाला एक स्वर्णिम कालखंड बताया। सभी ने प्रधानमंत्री के सुदृढ़ नेतृत्व में देश के निरंतर प्रगति पथ पर आगे बढ़ने की मंगलकामना की। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में आज ही के दिन (26 मई) नरेंद्र मोदी ने पहली बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

सुशासन और जनविश्वास का स्वर्णिम काल

दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मोदी सरकार के इन 12 वर्षों को नए भारत के निर्माण का स्वर्णिम काल बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने 'संकल्प से सिद्धि' की नीति पर चलते हुए समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाने का काम किया है।

वैश्विक मंच पर भारत का बढ़ा मान, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा विकास

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रधानमंत्री मोदी को 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं का प्रतीक बताते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने सुरक्षा, सांस्कृतिक गौरव और आर्थिक मोर्चे पर नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज वैश्विक मंच पर एक निर्णायक और मजबूत नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरा है।

भारत ने डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे में हासिल किए अभूतपूर्व मुकाम

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि 26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर देश में जनकल्याण के एक नए युग की शुरूआत की थी। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने चौतरफा विकास, अंकीय क्रांति (डिजिटल इंडिया), आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर), आत्मनिर्भरता और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलताएं हासिल की हैं। वहीं, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार के गौरवशाली कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, जन-धन योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री स्वनिधि जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं ने देश के करोड़ों वंचितों के जीवन में सीधा और सकारात्मक बदलाव लाया है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ सेवा और जनविश्वास की एक नई कार्यसंस्कृति को अपनाया है। स्वच्छ भारत अभियान, हर घर जल और महिला सशक्तीकरण की योजनाओं ने देश को एक आत्मनिर्भर दिशा दी है।

सांसद कमलजीत सहरावत ने भी 26 मई 2014 को भारतीय राजनीति का एक ऐतिहासिक मोड़ बताते हुए कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास और वैश्विक कूटनीति में देश को इस दौरान अद्वितीय सफलता प्राप्त हुई है।

एक नजर

सेप्टिक टैंक में दम घुटने से छह लोगों की दर्दनाक मौत

भुवनेश्वर : ओडिशा के कलाहांडी जिले के मदनपुर रामपुर क्षेत्र अंतर्गत गौड़ कालाखुंटा गांव में मंगलवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहाँ एक निमार्णाधीन सेप्टिक टैंक के अंदर दम घुटने से छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हृदयविदारक घटना के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। मदनपुर रामपुर पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शवों को कब्जे में लिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

कुआं धंसने से पांच मजदूरों की दबकर मौत

पन्ना : मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में कुएं की खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से पांच मजदूर के मलबे में दबने से मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस, प्रशासन और एसडीईआरएफ की टीम द्वारा राहत एवं बचाव कार्य जारी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार अजयगढ़ जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत बीहरपुरवा के नयापुरवा में आज सुबह खेत पर कुएं की खुदाई का कार्य चल रहा था। बताया जा रहा है कि पिछले लगभग दस दिनों से सात मजदूर कुएं की खुदाई कर रहे थे। बताया गया कि सुबह करीब 11 बजे दो मजदूर पानी पीने के लिए कुएं से ऊपर आए थे। इसी दौरान अचानक कुएं की मिट्टी भरभराकर धंस गई और अंदर काम कर रहे पांच मजदूर मलबे में दब गए। जिससे उनकी मौत हो गई।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

झारखंड में खुलेंगे 5 हजार 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस'

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य में संचालित शैक्षणिक योजनाओं, विद्यालयों की आधारभूत संरचनाओं, इंटरनेट व आईसीटी लैब की स्थिति तथा विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं की गहन समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि राज्य के बच्चों को बेहतर एवं क्वालिटी एजुकेशन (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्कूल प्रबंधन में पूर्ण पारदर्शिता लाने और सभी कल्याणकारी योजनाओं को छात्र-छात्राओं तक ससमय पहुंचाने की बात कही।

शहीद पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिए बनेगा 'दिशोम गुरु शिबू सोरेन विद्यालय'

बैठक का एक मुख्य आकर्षण रांची के जगुआर कैंपस में प्रस्तावित दिशोम गुरु शिबू सोरेन विद्यालय की स्थापना रहा। अधिकारियों ने इस विद्यालय के लिए चिन्हित 6 एकड़ भूमि का प्रजेंटेशन मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि यह विद्यालय विशेष रूप से शहीद पुलिस कर्मियों के बच्चों को पूरी तरह नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ ही, राज्य के 26 नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों में पढ़ रहे 4 हजार अभिवंचित वर्ग के बच्चों को उच्च स्तरीय आवासीय और शैक्षणिक सुविधाएं देने पर भी चर्चा हुई।

ड्रॉप आउट मामलों में राष्ट्रीय औसत से बेहतर हुआ झारखंड

समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा में स्कूल छोड़ने वाले (ड्रॉप आउट) बच्चों की संख्या में भारी कमी आई है। इस मामले में झारखंड का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से काफी बेहतर है। शिक्षा विभाग द्वारा श्रम विभाग से समन्वय स्थापित कर ऐसे बच्चों को चिन्हित किया जा रहा है जो मजदूरी के कारण शिक्षा से वंचित हैं, ताकि उनका पुन: नामांकन कराया जा सके। इसके अलावा, छात्रों के बीच किताबें, शिक्षण सामग्री और साइकिल का वितरण समयबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

शिक्षकों के शत-प्रतिशत पदों को भरना प्राथमिकता, वेतन में न हो देरी

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया को और तेज किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के शत-प्रतिशत पदों को भरना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और हाल के महीनों में हजारों शिक्षकों की बहाली की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कड़े निर्देश दिए कि नवनियुक्त शिक्षकों को समय पर वेतन मिल सके, इसके लिए सभी तरह के सत्यापन (वेरिफिकेशन) कार्य इसी माह के अंत तक अनिवार्य रूप से पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि अगले 6 से 8 महीने के भीतर राज्य का कोई भी विद्यालय एकल शिक्षक (सिंगल टीचर) के भरोसे न चले।

पंचायत स्तर पर परिवहन सुविधा और 5 हजार 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस'

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए कई बड़े नीतिगत निर्देश दिए: राज्य में 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' की संख्या बढ़ाकर 5 हजार करने की कार्ययोजना पर तेजी से काम हो।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत स्कूली बच्चों के लिए विशेष परिवहन (ट्रांसपोर्ट) सुविधा शुरू की जाए, ताकि उन्हें घर से स्कूल आने-जाने में आसानी हो।

विद्यालयों में पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए स्थानीय योग्य शिक्षित युवाओं और विशेषकर छात्राओं को प्रबंधक समितियों के माध्यम से शिक्षक के रूप में जोड़ा जाए।

सभी सरकारी स्कूलों में इंटरनेट कनेक्टिविटी बहाल की जाए तथा परिसरों में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया जाए।

कस्तूरबा स्कूल बुंडू से ऑनलाइन जुड़े मुख्यमंत्री, बैठक में कई अधिकारी रहे मौजूद

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने ऑनलाइन माध्यम से कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, बुंडू के प्रबंधन से सीधे जुड़कर वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस उच्च स्तरीय बैठक में मुख्य रूप से राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह, राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन सहित शिक्षा विभाग के सभी निदेशक और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड में बड़ा प्रशासनिक बदलाव

जूनियर अधिकारियों को नहीं मिलेगा उच्च पदों का स्वतंत्र प्रभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- वित्त विभाग ने तत्काल प्रभाव से खत्म की व्यवस्था
- सभी विभागों को सख्त निर्देश जारी

रांची : झारखंड सरकार के वित्त विभाग ने राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था में एक बड़ा फेरबदल किया है। सरकार ने कम वेतनमान वाले या कनिष्ठ (जूनियर) अधिकारियों को उच्च पदों का स्वतंत्र चालू प्रभार सौंपने की परंपरा को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। वित्त सचिव प्रशांत कुमार ने इस संबंध में राज्य के सभी अपर मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों और विभागीय सचिवों को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभागीय आदेश के अनुसार, लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे थे जहाँ जूनियर अधिकारियों को उच्च पदों का स्वतंत्र प्रभार मिलने के बाद, वे उस अवधि के वेतन अंतर (एरियर) और अन्य वित्तीय लाभों के लिए अदालतों का रुख कर रहे थे। कुछ मामलों में उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) द्वारा अधिकारियों के पक्ष में निर्णय दिए जाने के कारण राज्य सरकार पर अचानक भारी वित्तीय बोझ बढ़ने की आशंका बनी हुई थी। इसके अलावा, झारखंड सेवा संहिता में भी कनिष्ठ अधिकारियों को उच्च पद का स्वतंत्र प्रभार देने का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है।

अब केवल 'अतिरिक्त प्रभार' की होगी व्यवस्था

सरकार द्वारा तय की गई नई व्यवस्था के तहत अब कार्यहित में जरूरत पड़ने पर अधिकारियों को उनके मूल पद पर बनाए रखते हुए केवल अतिरिक्त प्रभार दिया जाएगा, स्वतंत्र प्रभार नहीं। यह व्यवस्था भी एक निश्चित और सीमित समय के लिए ही मान्य होगी, जिसके लिए सक्षम प्राधिकारी से लिखित रूप में विधिवत स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। वित्त विभाग ने सभी विभागों को निर्देश दिया है कि वे तय समय सीमा के भीतर खाली पदों पर स्थायी या नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी करना सुनिश्चित करें।

उन्नाव एक्सप्रेस-वे हादसे में दरोगा और कैदी समेत पांच लोगों की मौत, 15 घायल

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के उन्नाव में मंगलवार सुबह लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर एसी बस पलटने से सीवान पुलिस लाइन में तैनात एक दरोगा और एक कैदी समेत पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में तीन पुलिसकर्मियों सहित 15 लोग घायल हो गए हैं। पुलिस के मुताबिक सीवान मंडल जेल में बंद हत्या के आरोपित कैदी छत्तरपाल सिंह तोमर को पेशी के लिए पुलिस टीम गुरुग्राम कोर्ट लेकर गई थी। पेशी के बाद पुलिस टीम बस से वापस लौट रही थी। इसी दौरान मंगलवार की सुबह करीब पांच बजे उन्नाव के पास लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। मृतकों की पहचान सीवान पुलिस लाइन में तैनात दरोगा रामचंद्र राम (59) तथा गुरुग्राम निवासी कैदी छत्तरपाल सिंह तोमर , गोरखपुर के सुरेश जायसवाल, विजेशी गुप्ता, विजय कुमार शामिल हैं।

भारत और अमेरिका ने महत्वपूर्ण व दुर्लभ खनिज समझौते पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत और अमेरिका ने महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की आपूर्ति, खनन और प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) को पूरी तरह सुरक्षित व सुदृढ़ बनाने के लिए एक ऐतिहासिक रणनीतिक समझौते पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्वाड बैठक से इतर इस महत्वपूर्ण द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। भू-राजनैतिक दृष्टिकोण से बेहद अहम माने जा रहे इस समझौते के बाद, आधुनिक तकनीक के लिए अनिवार्य माने जाने वाले इन दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में भारत को चीन पर अपनी निर्भरता कम करने में बड़ी मदद मिलेगी।

विदेश मंत्रालय ने इस समझौते की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत भारत और अमेरिका ने 'जरूरी खनिजों और दुर्लभ तत्वों की खनन और प्रसंस्करण में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने' के लिए एक मजबूत ढांचा (फ्रेमवर्क) तैयार किया है। इसका मुख्य उद्देश्य खनन, प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण (रिसाइकिलिंग) और उससे जुड़े बड़े औद्योगिक निवेश सहित महत्वपूर्ण खनिजों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत-अमेरिका सहयोग को और अधिक गहरा करना है।

आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में ममता बनर्जी पर प्राथमिकी दर्ज

एजेंसी

सिलिगुड़ी : पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सिलिगुड़ी साइबर थाना में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मामला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता और अधिवक्ता रिंकी चटर्जी ने दर्ज कराया है।

आरोप है कि ममता बनर्जी ने साल 2025 में कोलकाता में आयोजित ईद के एक कार्यक्रम के दौरान और उसके बाद चुनावों से पहले कथित तौर पर हिंदुओं के खिलाफ आपत्तिजनक व विवादित टिप्पणियां की थीं।

ईरान में 87 दिनों बाद इंटरनेट बहाल

एजेंसी

तेहरान : ईरान सरकार ने देश में पिछले करीब तीन महीनों से जारी इंटरनेट प्रतिबंधों को पूरी तरह हटाने का एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया है। सरकारी प्रवक्ता फातिमा मोहजेरानी ने मंगलवार को आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट सेवा को तत्काल प्रभाव से बहाल करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

साइबरस्पेस टास्क फोर्स की एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद इस सेवा को फिर से शुरू करने की सिफारिश की गई थी, जिसे राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी। इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्था 'नेटब्लॉक्स' के अनुसार, ईरान में पिछले 87 दिनों से लगभग पूर्ण इंटरनेट ब्लैकआउट था। यह कड़ा प्रतिबंध देश में भड़के सरकार विरोधी प्रदर्शनों और अमेरिका-इजरायल के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के मद्देनजर सुरक्षा कारणों से लगाया गया था।

प्रतिबंध हटाए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए सरकारी प्रवक्ता फातिमेह मोहजेरानी ने कहा सरकार इंटरनेट पर लगे अन्याय और भेदभाव को खत्म करने के लिए पूरी तरह गंभीर है। हम नागरिकों को उनका मौलिक अधिकार वापस सौंप रहे हैं।

प्रशासन को उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों के भीतर पूरे देश में इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह सामान्य हो जाएंगी।

अवैध घुसपैठ और आबादी बदलाव पर केंद्र सख्त, उच्च-स्तरीय समिति गठित

सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में गठित पैनल एक साल में देगा रिपोर्ट, अवैध प्रवासियों की पहचान और कार्रवाई पर बनेगी रणनीति

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देशभर में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों और अवैध प्रवासियों के कारण आबादी में होने वाले बदलावों का वैज्ञानिक अध्ययन करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। सरकार ने यह कदम शासन व्यवस्था, सार्वजनिक सेवाओं, सीमा सुरक्षा और सामाजिक संतुलन पर पड़ रहे प्रभावों को ध्यान में रखते हुए उठाया है। इस समिति को एक वर्ष के भीतर अपनी अंतिम रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज करेंगे अध्यक्षता

उच्च-स्तरीय जनसांख्यिकीय परिवर्तन समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रकाश प्रभाकर नावलेकर करेंगे।

क्या करेगी समिति?

गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार समिति देशभर में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों की प्रकृति, कारण और परिणामों का अध्ययन करेगी। इसके तहत यह जांच की जाएगी कि आबादी में बदलाव सामान्य जन्म-मृत्यु दर के कारण हो रहा है या इसके पीछे अवैध अप्रवासन, अनियंत्रित आवाजाही और प्रशासनिक लापरवाही जैसे बाहरी कारण जिम्मेदार हैं।

अवैध प्रवासियों की पहचान पर बनेगी नीति

समिति को अवैध प्रवासियों की पहचान, हिरासत और निष्कासन के लिए एक सुनियोजित और स्थायी परिचालन प्रणाली तैयार करने की सिफारिश करने का दायित्व दिया गया है। इसके अलावा सीमा प्रबंधन को मजबूत करने, पहचान सत्यापन प्रणाली विकसित करने और जनसंख्या रुझानों की दीर्घकालिक निगरानी के उपाय भी सुझाए जाएंगे।

राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय पर जोर

यह समिति अवैध अप्रवासन और जनसांख्यिकीय असंतुलन से जुड़े मामलों में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल के लिए व्यापक नीतिगत ढांचा तैयार करेगी। समिति को मंत्रालयों, राज्य सरकारों, सुरक्षा एजेंसियों, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों से जानकारी लेने का अधिकार दिया गया है।

एक नजर

बरही के दुलमाहा मंझगांवा जंगल में फेरी वाले से लूटपाट

बरही : बरही के दुलमाहा पंचायत के तेलोडीह मंझगांवां के पास जंगल क्षेत्र में फेरी वाले से लूटपाट हुई। फेरीवाला पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। उसने दुलमाहा के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि मो बेलाल अहमद को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि वह सोमवार को संध्या 7 बजे गांव से फेरी लगाकर वापस लौट रहा था कि अज्ञात लुटेरों ने उससे 9 हजार नगदी समेत बेडशीट, बेडशीट कवर, चटाई, कपड़े और अन्य समान को मारपीट कर लुट लिया। वे सभी 5 से 6 की संख्या में नकाब पहने थे। जैसे ही वह रास्ता क्रोस करने लगा, सभी युवकों ने उसे पकड़ लिया और मारपीट करते हुए 9 हजार नगद, साईकिल और साईकिल पर लोड बेडशीट,कवर चटाई, कुर्सी,पोकेट डायरी जिसमें उसका हिसाब था तथा उसमें बहुत लोगों का फोन नंबर और आधार कार्ड था लूट लिया। उसे घने जंगल में ले जाकर लूटपाट करने वालों ने छोड़ दिया और उसके सभी सामान लेकर भाग गए। पूर्व मुखिया प्रतिनिधि समाजसेवी मो बेलाल अहमद ने उसे खाना खिलाया और उसे घर जाने के लिए अंजुमन कमिटी से दो हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी। मो बेलाल अहमद,मो ग्यास और कमल शंकर पंडित समेत कई लोग उसके साथ घटनास्थल देखने गए लेकिन कुछ मालूम नहीं हुआ। उसने बताया कि थाना में उसने लूटपाट की घटना का आवेदन नहीं दिया है।

मांदर वादक कन्हैया भुइयां का देहांत गांव में शोक

बड़कागांव : बडकगांव पंकरी बरवाड़ीह निवासी भुईयां समाज के सक्रिय सदस्य कन्हैया भुईयां का हुआ निधन हो गया। जो अपने परमपरा व संस्कृति को बरकरार रखे थे। ये गाँव में यह पहला व्यक्ति था जो मांदर वादक और ठेठ झुमर का कलाकार थे। जिसका अग्नि संस्कार खुदीतार समशान घाट में किया गया। मुखाग्नि पुत्र मुकेश कुमार राम ने दिया। मौके पर भुईयां समाज प्रखण्ड अध्यक्ष प्रभु राम, भुरकुण्डा भुईया समाज अध्यक्ष बिनोद राम, वार्ड सदस्य अशोक राम, बुटन राम, मनोज राम, मिना राम, दुखन राम, विकास राम, मनु राम, इन्दर राम, कुलेश्वर राम, कृष्णा तुरी, बिकास राम, बिजय राम, अभिनीत राम,राहुल राम, शंकर कुमार, कारू राम, संतोष कुमार राम, इत्यादि सैंकड़ों लोग शामिल हुए।

मोतरा वन क्षेत्र में वन विभाग की छापेमारी 60 टन अवैध पत्थर कोयला जब्त

बड़कागांव : बड़कागांव से अवैध पत्थर कोयला उत्खनन करके मोतरा अधिसूचित वन में जमा किया गया था। जिसकी गुप्त सूचना बड़कागांव वन विभाग को मिली। जिस पर बड़कागांव वन क्षेत्र पदाधिकारी रामबाबू कुमार के नेतृत्व छापामारी कर भारी मात्रा में डंप किया गया अवैध कोयला बरामद किया गया। मामले को लेकर बड़का गांव वन क्षेत्र पदाधिकारी रामबाबू कुमार ने कहा की 60 टन अवैध पत्थर कोयला को जप्त किया गया है ।अभियुक्त के नाम पता की जा रही है, जानकारी प्राप्त होने के पश्चात अपराध प्रतिवेदन ,साधारण करने के कार्रवाई जा जाएगी। कार्रवाई हेतु वन विभाग द्वारा कुल 10 ट्रैक्टर एवं एक हाईवा में अवैध कोयला लॉउड कर बड़का गांव वन विश्राम लाया गया।

उपायुक्त ने सामान्य शाखा के कार्यों की समीक्षा की, विभिन्न लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

उग्रवादी हिंसा पीड़ित परिवारों को नौकरी की मंजूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में सामान्य शाखा की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उग्रवादी हिंसा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, आर्म्स लाइसेंस, विक्टिम कंपेनसेशन, केंद्रीय कारा, चौकीदार स्थापना से संबंधित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में उग्रवादी हिंसा में मारे गए व्यक्तियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने के मामलों पर विचार किया गया। इस क्रम में तीन लाभुकों में दो को आरक्षी पद पर तथा एक लाभुक को चतुर्थवर्गीय पद पर नियुक्ति प्रदान करने की स्वीकृति दी गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि आरक्षी पद पर नियुक्त लाभुकों को पुलिस विभाग द्वारा एक माह का नियमित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए।

आर्म्स लाइसेंस से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने लाइसेंस नवीकरण के मामलों में संबंधित थाना की रिपोर्ट संलग्न कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया,उन्होंने कहा कि बैंक में सुरक्षा गार्ड जैसे नियोजन से जुड़े मामलों में प्राप्त दो नाली हथियार के आवेदनों की जांचोपरांत नियमानुसार स्वीकृति दी जाए। साथ ही संबंधित पदाधिकारियों को आर्म्स एक्ट का गंभीरता से अध्ययन कर विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि दो से अधिक हथियार रखने वाले लाइसेंसधारियों को नोटिस जारी किया जाए तथा निर्धारित प्रक्रिया के तहत हथियार समर्पित नहीं करने की स्थिति में लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाए। बैठक में सिनेमाघर नवीकरण, पेट्रोल पंप, विक्टिम कंपेनसेशन, केंद्रीय कारा एवं विभिन्न आयोगों से प्राप्त मामलों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि आयोगों से प्राप्त मामलों पर समयबद्ध तरीके से प्रतिवेदन भेजना सुनिश्चित किया जाए। चौकीदार स्थापना से संबंधित मामलों की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने पुराने चौकीदारों के सेवा संपुष्टि एवं सर्विस बुक अद्यतन करने का निर्देश दिया, ताकि उन्हें सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सेवा लाभ समय पर प्राप्त हो सकें। आत्मसमर्पित नक्सलियों के मामले की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने बताया कि जिले में वर्तमान में चार मामले लंबित हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को नियमानुसार चयनित स्थल पर चार डिसमिल भूमि उपलब्ध कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, जीवन बीमा योजना, स्वरोजगार प्रशिक्षण तथा आधार कार्ड निर्गत करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि उन्हें मुख्यधारा से जोड़कर सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराया जा सके।

उन्होंने कहा कि सामान्य शाखा से जुड़े सभी मामलों में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय, सामान्य शाखा प्रभारी सना उस्मानी व अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

कॉर्निया ट्रांसप्लांट की दिशा में बड़ा कदम लोकनायक आंख अस्पताल में नई सुविधा शुरू

चौपारण : नव भारत जागृति केंद्र द्वारा संचालित लोकनायक जयप्रकाश आंख अस्पताल में अब कॉर्निया विभाग की शुरूआत होने जा रही है। इस नई सुविधा के शुरू होने से क्षेत्र के नेत्र मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। अब तक कॉर्निया से संबंधित इलाज के लिए मरीजों को रांची समेत अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब यह सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेगी। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि सोमवार 25 मई से रांची की प्रसिद्ध कॉर्निया विशेषज्ञ डॉ. सबा इकबाल अस्पताल में अपनी सेवाएं देंगी। फिलहाल कॉर्निया से संबंधित जांच मरीजों के लिए नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोग इसका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम निदेशक गंधर्व गौरव ने जानकारी देते हुए कहा कि अस्पताल में भविष्य में कॉर्निया ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू करने की दिशा में भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसके लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की जा रही है तथा सरकार को कॉर्निया ट्रांसप्लांट सेंटर की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। अनुमोदन मिलते ही अस्पताल में कॉर्निया प्रत्यारोपण की सुविधा भी शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस सुविधा का लाभ हजारीबाग, चतरा, रामगढ़, कोडरमा, गया, नवादा और औरंगाबाद सहित आसपास के कई जिलों के मरीजों को मिलेगा। साथ ही अस्पताल की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में नेत्र जांच एवं जागरूकता शिविर आयोजित कर लोगों को आंखों की बीमारियों से बचाव और समय पर उपचार के प्रति जागरूक किया जा रहा।

पिकअप वाहन के चकमा से बाइक सवार की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बरही : बरही अनुमंडलीय अस्पताल के समीप मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान बिजैया पंचायत अंतर्गत गुड़ियो गांव निवासी मुकेश कुमार यादव (45 वर्ष), पिता जगदीश यादव के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुकेश कुमार यादव अपने गांव के राजू सिंह के साथ बाइक से किसी निजी कार्य से बरही आ रहे थे। इसी दौरान अनुमंडलीय अस्पताल के समीप एक पिकअप वाहन के अचानक चकमा देने से बाइक अनियंत्रित हो गई। संतुलन बिगड़ने के कारण मुकेश यादव सड़क पर गिर पड़े और गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद घायल राजू सिंह एवं स्थानीय लोगों की मदद से मुकेश यादव को तत्काल बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर एवं अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति के अध्यक्ष सह पूर्व जिला परिषद प्रतिनिधि मो. कयूम अस्पताल पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। इधर, बरही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की तथा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। मृतक अपने पीछे तीन पुत्र एवं दो पुत्रियों को छोड़ गए हैं। बरही पुलिस दुर्घटना में शामिल पिकअप वाहन की पहचान के लिए आसपास के दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

जनसेवा में आगे आए बीडीओ नितेश भास्कर भीषण गर्मी में पेयजल व्यवस्था बनी राहत

चौपारण : प्रखंड क्षेत्र में लगातार बढ़ रही गर्मी और तेज धूप के बीच चौपारण प्रशासन ने आम लोगों एवं राहगीरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल की विशेष व्यवस्था की है। प्रशासन की इस पहल से बाजार आने-जाने वाले लोगों, यात्रियों और राहगीरों को काफी राहत मिल रही है। बीडीओ नितेश भास्कर के निर्देश पर प्रखंड कार्यालय परिसर, चौपारण बाजार, ताजपुर पंचायत सचिवालय, महाराजगंज चौक सहित कई प्रमुख स्थानों पर ठंडे एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की गई है। भीषण गर्मी और उमस भरे मौसम में यह सुविधा लोगों के लिए राहत का बड़ा सहारा बन रही है। विशेषकर बाजार एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग इस पेयजल सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। दूर-दराज से आने वाले यात्रियों एवं राहगीरों ने प्रशासन की पहल की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता काफी मददगार साबित हो रही है। स्थानीय लोगों ने इसे जनहित से जुड़ा सराहनीय कदम बताते हुए प्रशासन के प्रति आभार जताया। लोगों ने उम्मीद व्यक्त की कि गर्मी के पूरे मौसम में इस व्यवस्था को लगातार जारी रखा जाएगा, ताकि आमजन को राहत मिलती रहे।

18 शिव भक्त केदारनाथ के लिए हुए रवाना

बड़कागांव : बड़कागांव सूर्य मंदिर के प्रांगण से सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार के नेतृत्व में 18 श्रद्धालु केदारनाथ तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए। सभी को श्मशान घाट सेवा समिति दिनेश सिन्हा, शशि कुमार मेहता, किशोर महतो,वीरेंद्र प्रसाद एवं प्रवीण महतो ने सभी को अंग वस्त्र देकर रवाना किया। तीर्थ यात्री में मुखिया संघ अध्यक्ष का सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार दिलीप कुमार विनय महतो बेणेश्वर महतो सुबोध महतो जयराज महतो ललन प्रजापति सुनील कुमार वीरेंद्र महतो सनी महतो संदीप महतो राकेश कुमार गोरा प्रभु सोनी ब्रजेश महतो प्रकाश महतो दीपक कुमार सूरज प्रजापति धीरज कुमार आदि शामिल है। मौके पर उपस्थित श्मशान घाट सेवा समिति अध्यक्ष दिनेश सिंह,उप मुखिया सत्यदेव कुमार पंचायत सचिव अरविंद कुमार,झामुमो नेता सरोज महतो, प्रवीण कुमार,वार्ड सदस्य किशोर कुमार मेहता, वार्ड सदस्य वीरेंद्र प्रसाद,अनीता देवी,विकास महतो,शशि मेहता,सुजीत कुमार, रीझन कुमार,संतोष महतो,धर्मनाथ महतो,डॉ शंभू प्रसाद यदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

शांतिपूर्ण बकरीद को लेकर चौपारण प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर चौपारण पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय नजर आ रहा है। पर्व को लेकर मंगलवार को डीएसपी राधा प्रेम किशोर, इंस्पेक्टर अनिल कुमार तथा थाना प्रभारी पंकज कुमार के नेतृत्व में महाराजगंज चौक, चयकला सहित विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च एवं सुरक्षा निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न इलाकों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित कर शांति एवं आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन को देने को कहा, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। प्रशासन की ओर से बताया गया कि पर्व को लेकर क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। अधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि माहौल बिगाड़ने या कानून व्यवस्था प्रभावित करने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर भ्रामक, आपत्तिजनक एवं अफवाह फैलाने वाली पोस्ट पर भी प्रशासन की पैनी नजर बनी हुई है। फ्लैग मार्च एवं निरीक्षण कार्यक्रम में पूर्व मुखिया मो० सफालउद्दीन निजामी, पूर्व पंचायत समिति प्रतिनिधि डब्लू अंसारी, मो० मस्तान समेत कई गणमान्य लोग एवं समाजसेवी भी मौजूद रहे।

'मेडिकल रोड' बदहाल: अस्पताल पहुंचने से पहले ही बढ़ रही मरीजों की परेशानी

प्रत्यूष नवबिहार (रविंद्र राणा)

हजारीबाग : शहर की सबसे महत्वपूर्ण और व्यस्त सड़कों में शामिल बस स्टैंड से आनंद चौक होते हुए सदर अस्पताल तक जाने वाली सड़क, जिसे लोग "मेडिकल रोड" के नाम से जानते हैं, आज अपनी बदहाली पर आंसू बहाने को मजबूर है। यह सड़क केवल एक आम रास्ता नहीं, बल्कि हजारों लोगों की जिंदगी से जुड़ी वह जीवनरेखा है, जिसके सहारे हर दिन मरीज, गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग और आपातकालीन स्थिति में लोग अस्पताल पहुंचते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिस सड़क से लोगों को राहत और जीवन मिलने की उम्मीद होती है, वही सड़क अब लोगों के लिए दर्द, परेशानी और खतरे का कारण बन चुकी है। सड़क की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे, टूटी हुई डामर परत और उखड़ी सड़क राहगीरों के लिए मुसीबत बन गई है। हल्की बारिश होते ही सड़क तालाब में तब्दील हो जाती है और गड्ढों में पानी भर जाने से हादसे का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। सबसे अधिक परेशानी उन एंबुलेंस चालकों को होती है, जो गंभीर मरीजों को लेकर सदर अस्पताल पहुंचते हैं। सड़क पर हर कुछ मीटर की दूरी पर एंबुलेंस को झटके लगते हैं और मरीज दर्द से कराह उठते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्भवती महिलाओं के लिए यह सड़क किसी यातना से कम नहीं है। प्रसव पीड़ा से तड़पती महिलाओं को जब इस रास्ते से अस्पताल लाया जाता है, तो परिवार वालों के दिल में डर बना रहता है कि कहीं रास्ते में ही कोई अनहोनी न हो जाए। लोगों का कहना है कि कई बार स्थिति ऐसी बन जाती है कि मरीज अस्पताल पहुंचने से पहले ही और गंभीर हो जाते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह वही सड़क है, जो सीधे सदर अस्पताल तक जाती है, फिर भी इसकी ऐसी दुर्दशा क्यों क्या जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को इस सड़क की बदहाल स्थिति दिखाई नहीं देती चुनाव के समय विकास और बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था का दावा करने वाले नेताओं की नजर आखिर इस सड़क पर क्यों नहीं पड़ती जनता पूछ रही है कि जब अस्पताल तक जाने वाला रास्ता ही सुरक्षित नहीं होगा, तो स्वास्थ्य व्यवस्था के बड़े-बड़े दावों का क्या मतलब रह जाता है।

फरार आरोपियों पर पुलिस का शिकंजा और कसा, घरों पर चस्पा किया गया इश्तिहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कटकमसांडी : कटकमसांडी थाना क्षेत्र के ओपी पेलावल पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ बड़ी और सख्त कार्रवाई करते हुए उनके घरों पर न्यायालय के आदेशानुसार इश्तिहार चस्पा किया। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और आसपास के लोगों में चर्चा का विषय बन गया। यह कार्रवाई पुलिस की अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति को दशार्ती है। मंगलवार को थाना प्रभारी वेद प्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस बल संबंधित गांवों में पहुंचा, जहां न्यायालय के निदेर्शानुसार ढोल-नगाड़ा बजाकर सार्वजनिक रूप से मुनादी कराई गई। इसके बाद फरार आरोपियों के घर के मुख्य दरवाजे पर विधिवत इश्तिहार चिपकाया गया, ताकि आरोपियों और उनके परिजनों को न्यायालय के आदेश की जानकारी मिल सके। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, खुटरा गांव निवासी नुर आलम उर्फ असलम हुसैन उर्फ अकरम के खिलाफ कटकमसांडी थाना कांड संख्या 46/21 दर्ज है। वहीं हेदलाग गोविंदपुर निवासी सजाद खान के खिलाफ थाना कांड संख्या 11/23 में मामला दर्ज है। दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे और पुलिस लगातार उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी अभियान चला रही थी, लेकिन गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इसके बाद न्यायालय से आदेश प्राप्त होने पर यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी वेद प्रकाश पाण्डेय ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आरोपी जल्द न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो अगले चरण में उनके खिलाफ कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस हर हाल में कानून का पालन सुनिश्चित करेगी और किसी भी अपराधी को कानून से बचने का मौका नहीं दिया जाएगा। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि यदि किसी को फरार आरोपियों के बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

अहरी नावाडीह की टूटी सड़क पर चलना दूभर, बरसात में दलदल बनने का खतरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : मानसून की दस्तक से पहले प्रखंड की चोरदाहा पंचायत अंतर्गत अहरी नावाडीह गांव की जर्जर सड़क ग्रामीणों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन गई है। गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली सड़क लंबे समय से बदहाल स्थिति में पड़ी हुई है, जिससे लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है। सड़क पर जगह-जगह बने बड़े गड्ढे, उखड़ी गिट्टियां और टूटी हुई सतह आए दिन दुर्घटनाओं को न्योता दे रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात शुरू होते ही हालात और भी भयावह हो जाते हैं। सड़क पर पानी और कीचड़ भर जाने से रास्ता दलदल में तब्दील हो जाता है, जिससे लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। गड्ढों में पानी भर जाने के कारण राहगीरों को सड़क और गड्ढे में फर्क समझ नहीं आता, जिसके चलते बाइक और साइकिल सवार अक्सर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को उठानी पड़ती है। गांव के बच्चे रोज इसी जर्जर सड़क से होकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। कीचड़ और फिसलन के कारण कई बच्चे गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। वहीं बरसात के दिनों में स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि एंबुलेंस तक गांव में प्रवेश नहीं कर पाती। ऐसे में मरीजों को खाट या कंधे के सहारे मुख्य सड़क तक पहुंचाना पड़ता है। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह सड़क अब सड़क नहीं, बल्कि मौत का रास्ता बन चुकी है, जहां हर दिन हादसे की आशंका बनी रहती है। सड़क की बदहाली को लेकर ग्रामीणों में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रति गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि कई बार मुखिया, प्रखंड प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है।

खनन प्रभावित रैयतो की समस्याओं को लेकर उपायुक्त से मिले विधायक रोशन लाल चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : किसान संघर्ष समिति के निवेदन पर एनटीपीसी कोयला खनन क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को लेकर बडकागांव विधायक रोशन लाल चौधरी पूर्व विधयाक लोकनाथ महतो के साथ हजारीबाग उपायुक्त से मिले। समस्याओं में मुख्य रूप से कंपनी के द्वारा गैर- मजरुआ भूमि का मुआवजा भुगतान नहीं किया जाना, पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना में रैयती भूमि का मुआवजा भुगतान 2013 भूमि अधिग्रण कानून के आधार किया जाना ,प्रभावित और विस्थापित परिवारों को रोजगार उपलब्ध करने जैसे मुद्दों पर बात हुई। किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष और पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने उपायुक्त को अवगत कराया की, गैर-मजरुआ जमीन का मुआवजा भुगतान रैयती के समतुल्य करने के लिए कंपनी ने 2015 में करार किया था परंतु अपने ही इकरारनामें को कंपनी नहीं मान रही है और बाजबरन भूमि पर कब्जा कर रही है श्री महतो उपायुक्त से आग्रह किया की जिस प्रकार एनटीपीसी की केरेडारी कोल परियोजना में रैयती भूमि का मुआवजा भुगतान 2013 भूमि अधिग्रहण कानून के आधार पर किया जा रहा है उसी प्रकार पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना में भी 2013 भूमि अधिग्रहण कानून के आधार पर भुगतान किया जाए। श्री महतो ने कहा यदि हम लोगों के साथ कंपनी जबरदस्ती करेगी तो हम लोग कंपनी को हरगिज जमीन नहीं देंगे यदि कंपनी चाहती है की गोली चलाकर जमीन छीन ले, तो कंपनी हम पर गोली चलाएं हम फ्री में अपनी गैरमजरुआ जमीन नहीं देंगे। उपायुक्त ने पूर्व विधायक और वर्तमान विधायक दोनों को आश्वासन दिया, कि एनटीपीसी को रैयतों पर शोषण करने नहीं देंगे। प्रावधानों के मुताबिक भूमि का मुआवजा भुगतान किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा अगले महीने की 4 तारीख के बाद मै इस मुद्दे पर विशेष रूप से ध्यान दूंगा।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न, कहा

मिशन मोड में बनेंगे मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र, रिक्त पदों पर जल्द होगी बहाली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मंत्रालय में मंगलवार को मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि विभाग अपने केन्द्रांश और राज्यांश बजट का पूर्ण व्यय सुनिश्चित करे, ताकि विकास की किरणें समाज के अंतिम पायदान पर बैठे जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुँच सकें। मुख्यमंत्री ने विभाग में रिक्त पड़े पदों को भरने के लिए नियुक्ति प्रक्रियाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया।

दो हजार से अधिक रिक्त पदों पर होगी सीधी नियुक्ति

समीक्षा बैठक के दौरान विभागीय अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के अंतर्गत वर्तमान में कुल 2,019 रिक्त पदों पर बहाली की जानी है। इन रिक्तियों का विवरण इस प्रकार है: बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ): 106 पद, महिला पर्यवेक्षिका: 433 पद, आंगनबाड़ी सेविका: 583 पद, आंगनबाड़ी सहायिका: 897 पद

बाल विवाह रोकने के लिए साहसी बेटियां बनेंगी 'ब्रांड एंबेसडर'

बाल विवाह जैसी सामाजिक विसंगति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने गिरिडीह, देवघर और जामताड़ा जैसे जिलों में विशेष जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाल विवाह मुक्त झारखंड के संकल्प को पूरा करने के लिए समाज की साहसी और इसके खिलाफ आवाज उठाने वाली बालिकाओं को 'ब्रांड एंबेसडर' या स्वयंसेवक (वॉलेंटियर) बनाया जाए। बाल विवाह को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ होने वाली कड़ी कानूनी कार्रवाई का प्रचार-प्रसार दृश्य-श्रव्य (ऑडियो-वीडियो) और विभिन्न सामाजिक मीडिया मंचों (सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म) के माध्यम से किया जाए। इसके साथ ही, हिंसा प्रभावित महिलाओं की मदद के लिए 'सखी वन स्टॉप सेंटर' और महिला हेल्पलाइन नंबर के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा इसे स्थानीय पुलिस प्रशासन से जोड़ने के निर्देश दिए गए।

जर्जर और किराए के भवनों से सरकारी स्कूलों में शिफ्ट होंगे केंद्र

मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने के लिए कम्पनी सामाजिक दायित्व (सीएसआर) एवं जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किराए और जर्जर भवनों में चल रहे केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर सरकारी विद्यालय परिसरों में स्थानांतरित (शिफ्ट) किया जाए, ताकि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल सके। सभी केंद्रों पर बिजली, शौचालय एवं स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों ने बताया कि पोषण ट्रैकर पोर्टल के माध्यम से आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा प्रतिदिन की गतिविधियों को मोबाइल फोन द्वारा अपलोड किया जा रहा है।

सर्वजन पेंशन और मईयां सम्मान योजना के पात्र लाभुकों को जोड़ने का आदेश

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 'मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना' और 'झारखंड मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना' के अंतर्गत अहर्ता पूरी करने वाले कोई भी पात्र लाभुक छूटने नहीं चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, राज्य विधवा पुनर्विवाह प्रोत्साहन योजना तथा दिव्यांग छात्रवृत्ति योजना की भी गहन समीक्षा की और दिव्यांग जनों को विशेष उपकरण समय पर उपलब्ध कराने की बात कही।

इस उच्च स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह, समाज कल्याण निदेशक किरण कुमार पासी सहित विभाग के अन्य सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

श्री श्याम मंदिर में 205 वां श्री सुंदरकांड व श्री हनुमान चालीसा पाठ संपन्न

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 205 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। राम सिया राम सिया राम जय जय राम के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मण्डल के निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने सुनील मोदी से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित करवाई एवं मोदी परिवार ने केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल प्रसाद का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। सुनील मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ का पूजन करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया । श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित भक्तजनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी महाराज की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुन: श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया एड श्याम नारसरिया एड जिज्ञासा नारसरिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मनीष साहू ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष गोपाल मुरारका निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया अशोक लड़ियां हर्ष कृष्णा अंकित कुमार आदि भक्त उपस्थित थे। उपरुक्त सभी जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

जगन्नाथपुर स्लम में ग्रीन पैरा लीगल वॉलंटियर्स को मिला प्रशिक्षण

रांची : एसोसिएशन फॉर परिवर्तन ऑफ नेशन (एपीएनए) की ओर से जगन्नाथपुर स्लम के बर झोपड़ी क्षेत्र में मंगलवार को वन डे ग्रीन पैरा लीगल वॉलंटियर्स ट्रेनिंग का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्लम क्षेत्र के 13 ग्रीन पैरा लीगल वॉलंटियर्स को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर संस्था की प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर सपना गुप्ता ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की कई योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाती, जिसके कारण जरूरतमंद लोग लाभ से वंचित रह जाते हैं। संस्था का लक्ष्य प्रत्येक परिवार को कम से कम चार से पांच सरकारी योजनाओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और युवाओं को कानूनी रूप से जागरूक एवं सशक्त बनाना था, ताकि वे जरूरतमंद परिवारों तक सरकारी योजनाओं, आवश्यक दस्तावेजों और कानूनी सहायता की जानकारी पहुंचा सकें। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को समाज के वंचित परिवारों की पहचान कर उन्हें व्यक्तिगत सहयोग और सही मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी भी बताई गई। मौके पर प्रोजेक्ट मैनेजर मो फैजान ने पीएम विश्वकर्मा, पीएम स्वनिधि, मुद्रा और कौशल विकास योजनाओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण का संचालन एहतेशाम और अरसलान ने किया। कार्यक्रम में प्रज्ञा केंद्र संचालक लव कुमार सहित स्थानीय महिलाएं और युवा भी मौजूद थे।

वेंकटेश्वर मंदिर में कमला एकादशी पर आज विशेष अनुष्ठान का आयोजन

रांची : राजधानी के रातू रोड स्थित लक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में बुधवार को अधिक ज्येष्ठ (पुरुषोत्तम मास) शुक्ल पक्ष की कमला एकादशी व्रत के अवसर पर कई धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। इस अवसर पर भगवान बालाजी का सम्पूर्ण विधिपूर्वक नित्याराधन षोडषोपचार पूजा-अर्चना, नैवेद्य भोग, महाआरती और स्तुति की जाएगी। साथ ही प्रात: काल के वंदन -उपासना के सभी प्रक्रियाओं को पूरा होते के साथ ही प्रात: में श्रद्धालुओं के दर्शन-पूजा के के लिए मंदिर का पट् खोल दिए जाएंगे। श्रद्धालु प्रात: 07 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम के 04 बजे से शाम 07 बजे तक दर्शन - पूजन का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। एकादशी श्रीविष्णु के व्रतों में उत्तम व्रत है, जो कि सब पापों को हर लेनेवाला और व्रती मनुष्यों को मनोवाञ्छित फल देनेवाला है। अधिक मास आने पर जो एकादशी होती है, वह कमला नाम से प्रसिद्ध है। वह तिथियों में उत्तम तिथि है। उसके व्रत के प्रभाव से लक्ष्मी जी अनुकूल होती हैं। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर भगवान पुरुषोत्तम -श्रीहरि वेंकटेश्वर का स्मरण करना चाहिए और विधिपूर्वक स्नान करके व्रती पुरुष व्रत का नियम ग्रहण करें। फिर मंदिर में भगवान् का अर्चना करें। घर में पूजा करने पर एक गुना और भगवान श्रीविष्णु वेंकटेश्वर के निकट मंदिर में अनंत गुना फल मिलता है। यह जानकारी मंगलवार को मंदिर प्रबंधन की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई।

निजी अस्पताल में महिला विधानसभा कर्मी की मौत, इलाज में लापरवाही का आरोप

रांची : राजधानी रांची के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान कथित लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। गॉलब्लाडर का ऑपरेशन कराने गई झारखंड विधानसभा की एक महिला कर्मी की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और विधानसभा कर्मचारियों में भारी आक्रोश फैल गया है। मृतका के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और संबंधित डॉक्टर पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। मृतका की पहचान अंजना तिवारी के रूप में हुई है। वह मोरहाबादी की रहने वाली थीं और झारखंड विधानसभा में निम्नवर्गीय सचिवालय सहायक के पद पर कार्यरत थीं। परिजनों के अनुसार, अंजना तिवारी को गॉलब्लाडर में स्टोन की शिकायत थी, जिसके उपचार के लिए उन्हें रांची के मेन रोड स्थित सेंटाविटा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिवार का आरोप है कि अस्पताल में डॉ. राजेश कुमार मारू की देखरेख में उनका ऑपरेशन होना था, लेकिन इलाज और ऑपरेशन के दौरान गंभीर लापरवाही बरती गई। परिजनों का कहना है कि ऑपरेशन के बाद उनकी स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई और अंतत: उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार के सदस्यों ने इसे सीधे तौर पर हत्या बताते हुए कोतवाली थाना में लिखित शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब झारखंड विधानसभा के कई कर्मचारी मृतका का शव लेकर विधानसभा परिसर पहुंच गए और धरने पर बैठ गए।

एक नजर

रिम्स जमीन फर्जीवाड़ा मामला: जमानत याचिकाओं पर 3 को अगली सुनवाई

रांची : रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की अधिग्रहीत जमीन से जुड़े फजीर्वाड़ा मामले में गिरफ्तार दो आरोपितों राजकिशोर बड़ाईक और कार्तिक बड़ाईक की जमानत याचिका पर मंगलवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की विशेष अदालत में सुनवाई हुई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 3 जून की तिथि निर्धारित की है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गत 7 अप्रैल को इस मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपितों में राजकिशोर बड़ाईक और कार्तिक बड़ाईक, राजेश झा और चेतन कुमार शामिल हैं।

सूर्यकांत मुंडा को 8 साल की सजा, 75 हजार रुपये जुर्माना

रांची : मादक पदार्थ बरामदगी मामले में दोषी पाए गए सूर्यकांत मुंडा को मंगलवार को रांची की अदालत ने आठ वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। एजेसी शैलंद्र कुमार की अदालत ने दोषी पर 75 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि जुमार्ना राशि जमा नहीं करने की स्थिति में दोषी को अतिरिक्त दो माह की साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी। इससे पहले सोमवार को मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने सूर्यकांत मुंडा को दोषी करार दिया था। अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने माना कि आरोपित के पास से अवैध मादक पदार्थ बरामद हुआ था, जिसकी पुष्टि जांच में भी हुई।

मेकॉन को मिला जीईईएफ ग्लोबल एनवायरमेंटल एक्सीलेंस अवार्ड

रांची : मेकॉन लिमिटेड को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित जीईईएफ ग्लोबल एनवायरमेंटल एक्सीलेंस अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में ग्लोबल एनर्जी एंड एनवायरनमेंट फाउंडेशन (जीईईएफ) द्वारा मेकॉन को ग्लोबल सस्टेनेबल इंजीनियरिंग एक्सीलेंस श्रेणी में यह सम्मान दिया गया। मेकॉन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में सहायक महाप्रबंधक एवं प्रभारी (निगमित संचार) सीमंतिनी साहू ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेकॉन की ओर से यह पुरस्कार लक्ष्मी महतो तथा सीमंतिनी साहू ने समारोह में ग्रहण किया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जीईईएफ ग्लोबल एनवायरमेंटल एक्सीलेंस अवार्ड पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और दीर्घकालिक सतत विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली संस्थाओं को दिया जाता है।

झामुमो ने मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर कार्यकर्ताओं को किया सतर्क

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा की रांची जिला समिति की ओर से मंगलवार को कांके स्थित मेडास बैंक्वेट हॉल में मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एवं संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को आगामी चुनावों के मद्देनजर संगठनात्मक मजबूती और मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कहा कि वर्ष 2026 में राज्यसभा चुनाव होने वाला है और ऐसे समय में सभी कार्यकर्ताओं को सतर्क एवं सक्रिय रहने की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विपक्ष को कमजोर करने की राजनीति कर रही है, इसलिए चुनाव आयोग की प्रक्रियाओं के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को भी सजग रहना होगा।

महुआ माजी ने कहा कि इंडी गठबंधन के मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों पर विशेष नजर रखने की जरूरत है। उन्होंने वर्तमान में चल रही मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि योग्य मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से न कटे, यह सुनिश्चित करना पार्टी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर मतदाताओं की समस्याओं का समाधान करने का आह्वान किया।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे झामुमो जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने कहा कि रांची जिले की सभी पंचायत और बूथ समितियों को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निदेर्शानुसार जिले के सभी 18 प्रखंडों में बैठकें आयोजित कर संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का अभियान चलाया जाएगा।

ग्रामीणों ने प्रखंड मुख्यालय के समक्ष किया शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली/मुरी : बिसरिया गांव में सड़क निर्माण की मांग को लेकर मंगलवार के दिन बिसरिया गांव के ग्रामीणों ने सिल्ली प्रखंड मुख्यालय में शांतिपूर्ण तरीके से एकदिवसीय धरना प्रदर्शन/जन आक्रोश रैली का आयोजन किया।धरना प्रदर्शन के पश्चात प्रखंड विकास पदाधिकारी को मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र के जरिए ग्रामीणों ने मांग की है कि बिसरिया गांव से मुरी तक कच्चे एवं जानलेवा रास्ते पर यथाशीघ्र बरसात से पूर्व चलने लायक मरम्मती का कार्य किया जाए।इस रास्ते पर मौजूदा समय में दोनों क्षतिग्रस्त पुलों पर गा गार्डवाल/साइड रेलिंग का निर्माण यथाशीघ्र किया जाए।एक वर्ष के अंदर उक्त अत्यंत जोखिम एवं जानलेवा रास्ते पर युद्ध स्तर में स्थायी समाधान कर पूर्ण रूप से पक्की सड़क (विसरिया से मुरी)

निर्माण कार्य किया जाए। जानकारी के अनुसार रास्ते में बड़े-बड़े गड्ढे,कीचड़,फिसलन और जल जमाव के कारण स्कूली बच्चों को जूता चप्पल हाथ पर रखकर मजबूरन जान को जोखिम में डालकर रेलवे पटरी पर आवागमन करना पड़ता है साथ ही सड़क की दुर्दशा के चलते गांव में एंबुलेंस चालक भी मरीजों को अस्पताल ले जाने से कतराते हैं,जिससे ग्रामीण काफी परेशान नजर आ रहे हैं।इस मौके पर आलोक रंजन महतो,मलिन महतो, रोहित महतो,तापश महतो, मनोज महतो,रंजीत महतो, अरविंद महतो,सुमित महतो, श्रीधर महतो,देवाशीष महतो एवं राहुल महतो समेत सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे।

झारखंड में कल से गर्मी से मिलेगी राहत, बारिश होने से गिरेगा तापमान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची सहित पूरे राज्य भर में 28 मई से प्रचंड गर्मी से राहत मिलने की सम्भवना है। 28 मई से रांची सहित विभिन्न जिलों में बारिश होने की सम्भावना है। इससे तापमान में गिरावट आएगी। यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि बंगाल की खाड़ी से झारखंड में नमी आएगी जिसकी वजह से झारखंड के विभिन्न जिलों में बारिश होने की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार झारखंड में समय से पूर्व दक्षिणी पश्चिमी मानसून के दस्तक देने की संभावना है। झारखंड में मानसून 10 से 15 जून के बीच पहुंचने की संभावना है। इसके पूर्व जून माह के पहले हफ्ते से ही राज्य भर में बादल छाने और हल्की बारिश होने की संभावना है। इससे मौसम पूरी तरह से बदल जायेगा।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष झारखंड में मानसून 17 जून को पहुंचा था। लेकिन इस बार सभी परिस्थितियां मानसून के अनुकूल है। इसलिए मानसून इस बार समय से पहले पहुंच सकता है। इधर, राजधानी रांची सहित पूरे राज्य भर में प्रचंड गर्मी पड़ रही है और तापमान में हर दिन वृद्धि दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग ने 26 और 27 मई को राज्य के उत्तर पूर्वी और उत्तर पश्चिमी 11 जिलों में बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है। साथ ही इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी भी चल सकती है। इसे लेकर विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 45.7 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान पूर्वी सिंहभूम के दारिसाई में 21.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

डालसा ने दी लोगों को नालसा वीर परिवार सहायता योजना की जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : न्यायमूर्ति सह कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर और सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं न्यायायुक्त, रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में मंगलवार को नगड़ी प्रखंड के कटहल मोड़ में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीएलवी पंकज कुमार और अरूणदीप सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मौके पर पीएलवी ने स्था नीय लोगों से कहा कि नालसा वीर परिवार सहायता योजना - 2025 राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण की ओर से शुरू की गई एक राष्ट्रव्यापी समर्पित कानूनी सहायता पहल है।

इसका उद्देश्य भारतीय सेना, अर्धसैनिक बलों के जवानों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रित परिवारों को मुफ्त और त्वरित कानूनी सेवाएं देना है। इस योजना को जुलाई 2025 में श्रीनगर में आयोजित एक सम्मेलन के दौरान औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया था। सैनिकों को अक्सर देश की सीमाओं या सुदूर दुर्गम क्षेत्रों में तैनात रहना पड़ता है। ऐसे में वे अपने पारिवारिक या कानूनी मामलों के लिए बार-बार अदालत नहीं जा पाते। इस चुनौती को दूर करने के लिए, यह योजना उनके और उनके परिवारों के अधिकारों की रक्षा करने एवं उन्हें समय पर न्याय दिलाने के लिए बनाई गई है। पीएलवी अरूण दीप और पकंज कुमार ने आशा योजना के तहत बाल विवाह और बाल श्रम अधिनियम की जानकारी दी।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ चला हस्ताक्षर अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली 26 मई को झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश जी एवं रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष सोमनाथ मुंडा जी के निदेर्शानुसार सिल्ली प्रखंड कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो के नेतृत्व में प्रतिदिन पेट्रोल - डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ सिल्ली न्यू बुंडू रोड पेट्रोल पम्प के पास हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम में रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस उपाध्यक्ष नगेन्द्र नाथ गोस्वामी, जिला सचिव नागेश्वर महतो, सिल्ली प्रखंड कांग्रेस महासचिव मंजूर मोमिन, श्रीप्रसाद बड़ाईक, प्रकाश मुंडा, रामू मोदक, शमशेर आलम, सैय्यद कमर आलम, भगीरथ महतो सिल्ली विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष विकाश रजक, सिल्ली पूर्वी मंडल अध्यक्ष देवाशीष दत्ता, पंचायत अध्यक्ष लालू कोइरी, बिंदेश्वर महतो, सदानंद सोनार, मीडिया प्रभारी मोहताब अंसारी, धीरेन महतो, लक्ष्मी कांत लोहरा, राबिन प्रामाणिक, इत्यादि कांग्रेस जन एवं ग्रामीण उपस्थित हुए।

अनगड़ा में निकाला गया पैदल मार्च

अनगड़ा : गोंदली पोखर स्थित पेट्रोल पंप के समीप बढ़ते पेट्रोल और डीजल के दामों के विरुद्ध पैदल मार्च निकाला गया तथा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष एतवा उरांव जी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. अमर कुमार चौधरी जी शामिल हुए।

डॉ. अमर कुमार चौधरी ने हस्ताक्षर अभियान को संबोधित करते हुए कहा कि पेट्रोल-डीजल के दामों में लगातार हो रही वृद्धि से आम जनता बुरी तरह से परेशान है। सरकार खुद को ईमानदार बताती है, लेकिन ठएएळ जैसे महत्वपूर्ण परीक्षा पेपर लीक होने दे रही है। देश को कांग्रेस पार्टी ने आजादी दिलाई थी, लेकिन आज कांग्रेस की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। हम केंद्र सरकार की सारी कमियों और जनविरोधी नीतियों को सड़क से लेकर गांव-गांव तक उजागर करेंगे।

मौके पर रेजाक अंसारी, योगेन्द्रर बेदिया, सकिर अंसारी, आशीष मुण्डा, छोटेलाल महतो, अजय करमाली, आलम अंसारी, तिवारी भोगता, बिहारी मुण्डा, यूनूस अंसारी, अब्बास अंसारी, संतोष कच्छप, समीम खान, मुनेश करमाली, सूखराम उरांव, प्रेम उरांव, शांति देवी, सुरेन्द्र मुण्डा, बबलू राम, कुलेश्वर मुण्डा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे।

एक नजर

विचार, संगठन और राष्ट्रसेवा का संगम बना भाजपा प्रशिक्षण वर्ग, कार्यकर्ताओं में भरा नया उत्साह

रामगढ़ : भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के तहत रामगढ़ जिला द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ मंगलवार को राधा गोविंद सीनियर पब्लिक स्कूल सभागार में हुआ। कार्यक्रम में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, वैचारिक स्पष्टता और राष्ट्र प्रथम की भावना को केंद्र में रखकर कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू, संगठन महामंत्री कर्मबीर सिंह, हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बावला और जिला प्रभारी सुरेन्द्र महतो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान भाजपा के इतिहास और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग कार्यकताओं को राष्ट्रवाद, सेवा और संगठन के मूल्यों से जोड़ने का माध्यम है। संगठन महामंत्री कर्मबीर सिंह ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर देते हुए भाजपा की कार्यशैली और विचार परिवार की भूमिका को विस्तार से समझाया।

भुरकुंडा थाना चौक पर राहगीरों के लिए खुला सेवा प्याऊ

भुरकुंडा : भीषण गर्मी और तेज धूप से राहत दिलाने के उद्देश्य से भुरकुंडा थाना चौक स्थित गोपाल होटल के समीप शुद्ध पेयजल प्याऊ का शुभारंभ किया गया। मिट्टी के घड़ों में ठंडे और स्वच्छ पानी की व्यवस्था की गई है, जिससे राहगीरों, मजदूरों और आम लोगों को गर्मी से राहत मिल सकेगी। प्याऊ का उद्घाटन पतरातू प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही गर्मी और हीटवेव को देखते हुए लोगों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराना जरूरी हो गया है। इस पहल का उद्देश्य राहगीरों को गर्मी से राहत देना और उन्हें सुरक्षित रखना है। उन्होंने लोगों से हर आधे घंटे में पानी पीने की अपील करते हुए कहा कि इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होगी और गर्मी का असर कम पड़ेगा। बीडीओ मनोज कुमार गुप्ता ने लोगों से दोपहर की तेज धूप में अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर बहुत जरूरी काम हो तभी घर से बाहर निकलें और हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें।

रामगढ़ में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, राहुल दुबे गिरोह के 7 सदस्य हथियारों के साथ गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ के पतरातू थाना क्षेत्र में पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए राहुल दुबे गिरोह के सात सक्रिय सदस्यों को हथियार और भारी मात्रा में कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातू राघवेंद्र शर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष छापामारी दल ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों में विकास साव उर्फ विकास कुमार, विशाल कुमार, बिटू कुमार रवि, हीरालाल कुमार, दिगम्बर प्रजापति उर्फ डेगन, एहतेसान अंसारी उर्फ दुलर्भ और एक नाबालिग शामिल है।

बड़ी वारदात की साजिश नाकाम

25 मई को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी पतरातू क्षेत्र में किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद तकनीकी और मानवीय इनपुट के आधार पर छापेमारी कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने रेलवे फ्लाईओवर गेट, ओसम डेयरी प्लांट और अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में हुई फायरिंग की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक 7.62 एमएम देशी पिस्टल, दो मैगजीन, 34 जिंदा कारतूस, दो टीवीएस अपाचे बाइक, एक स्टार सिटी प्लस बाइक और छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं। सभी सामान जब्त कर लिए गए हैं। इस मामले में पतरातू थाना में कांड संख्या 126/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि कुछ आरोपियों पर पहले से ही हत्या के प्रयास, रंगदारी, हथियार रखने और अन्य गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इससे गिरोह की आपराधिक गतिविधियों की पुष्टि होती है।

इस कार्रवाई में पतरातू पुलिस, अंचल निरीक्षक, थाना प्रभारी, विभिन्न ओपी प्रभारी, तकनीकी शाखा और रिजर्व गार्ड के जवान शामिल रहे, जिन्होंने संयुक्त रूप से अभियान को सफल बनाया।

बकरीद से पहले गोला थाना का निरीक्षण अपराधियों पर सख्ती के निर्देश जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोला : गोला में आगामी बकरीद को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से रामगढ़ पुलिस के पुलिस अधीक्षक ने मंगलवार को गोला थाना का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना अभिलेख, लंबित मामलों और सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई।

पुलिस अधीक्षक ने लंबित कांडों, वारंट, इश्तेहार और कुर्की मामलों की स्थिति की जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए। फरार अभियुक्तों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। साथ ही बैंक, एटीएम और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

साइबर अपराध, चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने तथा पुलिस गश्ती को और प्रभावी बनाने की बात कही गई। निरीक्षण के दौरान अड्डाबाजी, असामाजिक गतिविधियों और संगठित अपराध पर सख्ती बरतने के निर्देश भी दिए गए।

बीएफसीएल ने लगाया दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, कर्मचारियों में दिखी जागरूकता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड के जीएफए यूनिट परिसर में 25 और 26 मई को दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण और आंखों से जुड़ी समस्याओं की समय पर पहचान के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में कर्मियों ने भाग लेकर लाभ उठाया। शिविर में आइरिस आई हॉस्पिटल रांची के अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने आधुनिक उपकरणों की सहायता से कर्मचारियों की आंखों की विस्तृत जांच की। जांच के दौरान कर्मचारियों को आंखों की देखभाल, नियमित जांच और समय पर उपचार को लेकर जरूरी परामर्श भी दिया गया। विशेष रूप से 45 वर्ष और उससे अधिक आयु के कर्मचारियों को हर छह महीने में नियमित नेत्र जांच कराने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। चिकित्सकों ने बताया कि समय-समय पर आंखों की जांच कराने से मोतियाबिंद, दृष्टिदोष और अन्य नेत्र रोगों का शुरूआती चरण में पता लगाया जा सकता है, जिससे सही समय पर उपचार संभव हो पाता है।

शिविर के दौरान कर्मचारियों को यह भी बताया गया कि लगातार काम के दबाव और मशीनों के बीच कार्य करने वाले कर्मियों के लिए आंखों की सुरक्षा बेहद जरूरी है। नियमित जांच से दृष्टि सुरक्षित रखने में मदद मिलती है और भविष्य में गंभीर समस्याओं से बचाव संभव होता है। बीएफसीएल प्रबंधन ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी कर्मचारियों और चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में भी कर्मचारियों के स्वास्थ्य हित में इस प्रकार के जागरूकता और स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

इंदरवाटांड़ के दलितों को उजाड़ने की साजिश के खिलाफ सीटू ने किया सीओ का घेराव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : नगर पर्षद झुमरी तिलैया के अंतर्गत वार्ड नंबर 19 के इंदरवाटांड़ में वर्षों से बसे दलित टोला को उजाड़ने की साजिश के खिलाफ मंगलवार को कोडरमा अंचल कार्यालय पर झारखंड राज्य निर्माण कामगार यूनियन (सीटू) के बैनर तले सीओ कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया एवं मांग पत्र सौंपा गया। इससे पूर्व वीर कुंवर सिंह पार्क से एक जुलूस भी निकाला गया जो ओवरब्रिज, झंडा चौक, ब्लॉक रोड होते हुए प्रखंड कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन में तब्दील हो गया। जहां सीओ होश में आओ, गरीबों को उजाड़ना बंद करो, भूमिहीन परिवारों को जमीन बंदोबस्त करो आदि नारे लगाए जा रहे हैं। सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश की अध्यक्षता में हुई सभा को संबोधित करते हुए सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि देश के किसी भी कोने में अगर गरीब बसे हों तो उन्हें पुनर्वास की व्यवस्था किए बिना हटाया नहीं जा सकता है। नियमानुसार उन्हें नोटिस जारी करने और अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाना चाहिए। गरीबों को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। किसान सभा के राज्य अध्यक्ष असीम सरकार ने कहा कि जब उस जमीन पर पहले से लोग बसे हुए हैं तो उसका दाखिल खारिज कैसे हो गया। उसका जवाब सीओ को देना होगा। सभा को शंभु पासवान, गंगा देवी, मंजू देवी ने भी संबोधित किया। प्रदर्शन उपरांत 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल अंचलाधिकारी से मिलकर ज्ञापन सौंप वार्ता किया। सीओ ने मामले से डीसी को अवगत करने व उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रदर्शन में शम्भु पासवान, बसंती देवी, सहदेव दास, मो मुश्ताक धनेश्वरी देवी, शिवनंदन भुइयां, जागेश्वर भुईयाँ, छोटू भुइयां, पप्पू भुइयां, विनोद भुइयां, जमना भुइयां, पुतुल भुइयां, रामचंद्र भुइयां, सोफारी भुइयां, चंदवा देवी, टुकलाल भुइयां, सोनू भुइयां, समता देवी, मुंदरी देवी समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

आकांक्षी प्रखंड रैंकिंग में गिरावट पर बीडीओ ने जताई नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : जयनगर प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड अंतर्गत संचालित विकास योजनाओं, प्रशासनिक कार्यों एवं विभागीय प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक की शुरूआत पूर्व में दिए गए निर्देशों एवं लंबित कार्यों की समीक्षा से हुई, जिसमें संबंधित पदाधिकारियों से कार्य प्रगति की जानकारी ली गई। बैठक में सबसे पहले आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम की समीक्षा की गई। इस दौरान आकांक्षी प्रखंड फेलो ने बताया कि दिसंबर 2025 की डेल्टा रैंकिंग में जयनगर प्रखंड 73वें स्थान से गिरकर 459वें स्थान पर पहुंच गया है। इस पर बीडीओ गौतम कुमार ने गहरी नाराजगी जताते हुए सभी संबंधित विभागों को गंभीरता से कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही जून 2026 तक सभी कमजोर इंडिकेटरों में सुधार लाने को कहा गया, ताकि आगामी रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके। इसके बाद जनगणना कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी नोडल एवं सहायक चार्ज पदाधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

कैरियर काउंसिलिंग एवं मार्गदर्शन कार्यशाला आयोजित

मरकच्चो : आकांक्षी प्रखंड मरकच्चो के प्रखंड सभागार में मंगलवार को छात्र-छात्राओं एवं युवाओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण हेतु कैरियर काउंसिलिंग एवं मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नीति आयोग के डेवलपमेंट पार्टनर सह जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के सहयोगी संगठन एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (एवीए) के तत्वावधान में किया गया। कार्यशाला में प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलाश महतो, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी गीता सोय एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी जमीला खातून ने बच्चों एवं युवाओं को कैरियर चयन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा एवं विभिन्न रोजगार अवसरों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। इस दौरान उनलोगों ने बच्चों को नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन, आत्मअनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के दुष्प्रभावों एवं इससे जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी साझा करते हुए शिक्षा जारी रखने एवं बाल विवाह के विरुद्ध आवाज उठाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कोडरमा पुलिस को मिली बडी सफलता स्कार्पियो से अवैध शराब की बडी खेप

कोडरमा : कोडरमा पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं परिवहन के विरूध लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विगत रात्रि गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि स्कार्पियों वाहन में अवैध शराब लोड कर सतगावां की ओर से बिहार ले जाया जा रहा है। उक्त सूचना का सत्यापन एवं त्वरित कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक कोडरमा द्वारा थाना प्रभारी, सतगावां के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। उक्त टीम द्वारा तत्परतापूर्वक कार्रवाई प्रारंभ की गयी, जिस कम में सतगावां थाना अंतर्गत नासरगंज चौक के पास सघन वाहन चेकिंग लगाया गया। इसी बीच एक सफेद रंग का स्कार्पियो वाहन संड इफ्ह्लफ9698 काफी तेजी में आयी, जिसे पुलिस टीम द्वारा रूकने का ईशारा करने पर वाहन चालक वाहन को दायें बायें कर भगाने का प्रयास किया, किंतु पुलिस बलों की मुस्तैदी एवं स्लाईडर से मार्ग अवरूद्ध कर उसे पकडा गया। वाहन की तलाशी के दौरान उसमें भारी मात्रा में अवैध बीयर एवं विदेशी शराब बरामद की गयी। जिसके संबंध में वाहन चालक सानिध प्रभाकर पिता रामनरेश प्रसाद साकिन ईलाहीबाग थाना गोपालपुर सम्पतचक जिला पटना (बिहार) द्वारा न तो कोई संतोषजनक जबाब दिया गया और न ही कोई बैध कागजात प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात पुलिस टीम द्वारा स्कार्पियो वाहन एवं बरामद बीयर / शराब को विधिवत जप्ती सूची बनाकर जप्त किया गया तथा चालक को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में सतगावां थाना कांड सं0 43/26, दि० 26.05. 2026, धारा 274/275/3 (5) बी०एन० एस० एवं 47 (ए) उत्पाद अधिनियम दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार, तस्करी एवं असामाजिक गतिविधियों के विरूद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा इसमें संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

श्याम शरण में आजा रे का 50 वां वार्षिक उत्सव पर बाबा श्याम के भजनों पर झूमते रहे श्रद्धालु

झुमरी तिलैया : एकादशी को लेकर पूरा अभ्रकांचल क्षेत्र में श्याममय बन गया है झुमरी तिलैया में श्याम बाबा के भजनों से क्षेत्र में भक्ति का माहौल देखने को मिल रहा है। शिव वाटिका में श्याम शरण में आजा रे के तत्वाधान में 50 वां मासिक अरदास कीर्तन का आयोजन किया गया।इस अवसर पर बाबा श्याम सहित विभिन्न देवी देवताओं का दरबार सजाया गया।कार्यक्रम की शुरूआत पूजा अर्चना के साथ शुरू हुई। पूजा अर्चना पंडित अनिल मिश्रा ने कराई इसमें यजमान ममता आशिष भदानी शामिल हुए। गणेश वंदना प्रदीप कंदोई ने प्रस्तुत किया। वही भजन गायक रवि दाहिमा,मनोज लड्ढा.ने भी भजन प्रस्तुत कर भक्तों को झुमाया कोलकाता से आए भजन गायक हरेश भारती ने प्यारा सा मुखड़ा घुंघराले केश कलयुग का राजा खाटु नरेश...... तथा सुन्दर काण्ड कि चौपाईयां प्रस्तुत कर खुब तालियां बटोरी ।

श्याम शरण में आजा रे का 50 वां वार्षिक उत्सव व पंचदेव हनुमान मंदिर के प्रथम वर्षगांठ पर भजनों में झूमे श्रद्धालु

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : एकादशी को लेकर पूरा अभ्रकांचल क्षेत्र में श्याममय बन गया है मई माह में कोडरमा डोमचांच झुमरी तिलैया में श्याम बाबा के भजनों से क्षेत्र में भक्ति का माहौल देखने को मिल रहा है। आयोजित कार्यक्रमों में आम से खास, राजनीतिक दल के कार्यकर्ता के साथ-साथ प्रशासनिक एवं स्वयं सेवी, सामाजिक संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता शामिल हुए। शिव वाटिका में श्याम शरण में आजा रे के तत्वाधान में 50 वां मासिक अरदास कीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा श्याम सहित विभिन्न देवी देवताओं का दरबार सजाया गया। यहां ज्योत के साथ भजनों का कार्यक्रम में राजस्थान के त्रिदेव

खाटू नरेश, सालासर एवं श्री राणी सती दादी जी के भजनों पर श्रद्धालु भक्त भक्ति के सागर में गोता लगाते रहे। कार्यक्रम की शुरूआत पूजा अर्चना के साथ शुरू हुई। पूजा अर्चना पंडित अनिल मिश्रा ने कराई इसमें यजमान ममता आशिष भदानी शामिल हुए। गणेश वंदना प्रदीप कंदोई ने प्रस्तुत किया। वही भजन गायक रवि दाहिमा, मनोज लड्ढा. ने भी भजन प्रस्तुत कर भक्तों को झुमाया कोलकाता से आए भजन गायक हरेश भारती ने प्यारा सा मुखड़ा घुंघराले केश कलयुग का राजा खाटु नरेश...... तथा सुन्दर काण्ड कि चौपाईयां प्रस्तुत कर खुब तालियां बटोरी।

वहीं दूसरी और पंचदेव हनुमान मंदिर के प्रथम वर्षगांठ काले श्याम सेवा परिवार श्याम सेवा परिवार के तत्वाधान में बाबा श्याम का गुणगान किया गया इस अवसर पर बाबा श्याम का दरबार सजाया गया और यहां और ज्योत के साथ भजनों का कार्यक्रम आयोजित हुआ हजारों की संख्या में शामिल श्रद्धालु भक्त हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा कलयुग का राजा श्याम बाबा हमारा से कार्यक्रम स्थल घूमता रहा यहां पूजा अर्चना आचार्य अनिल मिश्रा ने कराई जिसमें यजमान के रूप में नितेश शाहबादी, बब्लू सिंह शामिल हुए। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता , कोडरमा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश सलूजा,वार्ड पार्षद उदय सिंह, सहित कई गण्यमान्य श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे। 50 से अधिक श्रद्धालु भर खाटू हुए रवाना होगा।

कलयुग के साक्षात देवता बाबा श्याम के दर्शन के लिए कोडरमा रेलवे स्टेशन से 50 से अधिक श्रद्धालु भक्त हावड़ा जोधपुर एक्सप्रेस , और अजमेर सियालदह से रवाना हुए खाटू धाम श्रद्धालु भक्त ट्रेनों में भगवान श्याम का गुणगान करते हुए खाटू देर रात पहुंचेंगे और 27 में को खाटू में भक्ति जागरण कार्यक्रम में शामिल होंगे वहीं दूसरी ओर गुरुवार को श्याम महिला मंडल के द्वारा 51 वां निशान यात्रा झंडा चौक स्थित दुर्गा कंपलेक्स मां दुर्गा मंदिर से बाबा श्याम का दरबार सजाकर शहर के अड्डी बांग्ला होते हुए श्याम बाबा मंदिर पहुंचकर निशान अर्पित किया जाएगा। वहीं दूसरी और पानी टंकी रोड स्थित श्याम मंदिर में संध्या 7:30 बजे से ताली कीर्तन का आयोजन किया जाएगा यहां बाबा श्याम का श्रृंगार भी होगा कार्यक्रम में श्रद्धालु भक्तों से शामिल होने की अपील की गई है।

रोटरी क्लब जोनल मीट संपन्न, समाज सेवा के कार्यों को गति देने पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : झुमरी तिलैया के जायका होटल में रोटरी क्लब जोन 09 की जोनल मीट एवं असिस्टेंट गवर्नर 2026-27 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2026-27 रोटेरियन अनु नारंग धनबाद उपस्थित रहीं, जबकि गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन संदीप नारंग शामिल हुए।

कार्यक्रम में जोन 09 के सभी पदाधिकारीगण सहित रोटरी क्लब ऑफ नवादा, रोटरी क्लब नवादा राजश्री, रोटरी क्लब हजारीबाग जागृति एवं रोटरी क्लब कोडरमा के अध्यक्ष और सचिव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत पदाधिकारियों द्वारा मंगलदीप प्रज्वलित कर की गई। असिस्टेंट गवर्नर इलेक्ट अमित कुमार एवं रोटेरियन शिल्पी गुप्ता ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एलेक्ट अनु नारंग को फ्लावर पॉट देकर सम्मानित किया। वहीं सत्र अध्यक्ष संतोष सिन्हा एवं प्रेसिडेंट इलेक्ट नवीन आर्य ने पूर्व जिला गवर्नर संदीप नारंग को सम्मानित किया।

कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुई, जिसने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मंच संचालन रोटेरियन मोहक सुल्तानिया ने किया। स्वागत भाषण में अमित कुमार ने सभी अतिथियों का अभिनंदन करते हुए सत्र 2026-27 में समाज सेवा के कार्यों को मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प जताया।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एलेक्ट अनु नारंग ने प्रशिक्षण सत्र में रोटरी की आगामी योजनाओं एवं समाज सेवा के कार्यों को बेहतर तरीके से संचालित करने को लेकर दिशा-निर्देश दिए। वहीं पूर्व गवर्नर संदीप नारंग ने रोटरी में हो रहे बदलाव, आने वाली चुनौतियों एवं उनसे निपटने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की।

डीएमएफटी शासी परिषद की बैठक में 722 योजनाओं पर चर्चा, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र को मिली प्राथमिकता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : डीसी रवि आनंद की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में डीएमएफटी शासी परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चतरा सांसद कालीचरण सिंह, सिमरिया विधायक उज्ज्वल कुमार दास, चतरा विधायक जनार्दन पासवान, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी एवं हजारीबाग प्रतिनिधि रविन्द्र सिंह उपस्थित थे।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा करते हुए खनन प्रभावित क्षेत्रों में संचालित किए जाने वाले विभिन्न जनोपयोगी और विकास योजनाओं को अनुमोदित किया गया। साथ ही पूर्व से डीएमएफटी मद से संचालित योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई और कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया।

बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना के लिए जिले के सभी 153 खनन प्रभावित पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कर योजनाओं को पारित किया गया।

बैठक में कुल 722 जनोपयोगी योजनाओं पर चर्चा की गई।

बैठक में शिक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए विद्यालयों में शुद्ध पेयजल व्यवस्था, वाटर चिलर, डिजिटल

पुस्तकालय, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, स्मार्ट कक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी एवं गणित प्रयोगशाला, आभासी वास्तविकता प्रयोगशाला सहित अन्य योजनाओं की स्वीकृति दी गई।

साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मूल्यांकन, अधिगम अंतर विश्लेषण एवं भाषा सेतु योजना को भी अनुमोदित किया गया। जिले के 1119 विद्यालयों में तड़ित चालक लगाने, 1133 विद्यालयों में रनिंग वाटर के साथ वाटर चिलर लगाने और 1114 विद्यालयों में चहारदीवारी निर्माण संबंधी प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सदर अस्पताल एवं विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों के लिए मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, मॉड्यूलर गहन चिकित्सा इकाई, ऑक्सीजन गैस पाइपलाइन, केंद्रीय स्टेराइल आपूर्ति विभाग, लैप्रोस्कोपी सेट, फंडस कैमरा, नेत्र सूक्ष्मदर्शी, स्वचालित जैव रसायन विश्लेषक, प्रतिरक्षा परीक्षण विश्लेषक सहित अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति की स्वीकृति दी गई।

उपायुक्त ने कहा कि बैठक में जिन योजनाओं को अनुमोदित किया गया है, उन्हें नियमानुसार जल्द से जल्द धरातल पर उतारने का कार्य किया जाएगा, ताकि खनन प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि चयनित सभी योजनाओं की सूची समाहरणालय एवं प्रखंड मुख्यालय के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित की जाएगी। जिससे आमजन अपने पंचायत के लिए चयनित योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकें।

दयानंद राणा का अचानक निधन, चार बेटियों के सिर से उठा पिता का साया

चौपारण : थाना क्षेत्र की बहेरा पंचायत अंतर्गत महूदी गांव निवासी एवं प्राथमिक विद्यालय महूदी की सहायक अध्यापिका अनिता कुमारी के पति दयानंद राणा का सोमवार देर रात असामयिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर फैल गई। परिवार पर दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा है, वहीं चार बेटियों के सिर से पिता का साया उठ जाने से पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया है।

पेट्रोल-डीजल के मूल्य में वृद्धि के खिलाफ बरही कांग्रेस ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : पेट्रोल, डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के खिलाफ बरही के कांग्रेस कार्यकताओं ने बरही बाजार में हस्ताक्षर अभियान चलाया। हस्ताक्षर अभियान का नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी ने किया। कांग्रेस के हस्ताक्षर अभियान में बड़ी संख्या में भाग लेकर लोगों ने बढ़ती महंगाई के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि से आम जनता परेशान है। पिछले एक महीने में पेट्रोल की कीमत में 8 रुपये 6 पैसे तथा डीजल की कीमत में 7 रुपये 80 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। परिवहन से लेकर रोजमर्रा की जरूरत की

चीजें महंगी हो गई है। अब्दुल मनान वारसी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बढ़ती ईंधन की कीमतों का सीधा असर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों पर पड़ रहा है। कांग्रेस पार्टी जनता के हित में इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी, जबतक पेट्रोल और डीजल का मूल्य पूर्ववत नहीं हो जाता। मौके पर कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, कार्तिक पासवान, केदार यादव, पंकज पासवान, प्रकाश रविदास, मुकेश पासवान, रवि सिंह, मो. रिजवान, तोखन रविदास, मो. तौकीर रजा एवं मो. तैयब, 20 सूत्री के अध्यक्ष इकबाल रजा।, कोनरा पंचायत के अध्यक्ष रिजवान अली,रमेश पासवान, गुलजार अंसारी समेत अनेक लोग शामिल थे।

बकरीद को लेकर नीमडीह में फ्लैग मार्च, शांतिपूर्ण त्योहार मनाने की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नीमडीह : बकरीद पर विधि-व्यवस्था संधारण एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी चाण्डिल एवं पुलिस निरीक्षक चाण्डिल के नेतृत्व में पुलिस केन्द्र नीमडीह थाना के पुलिस बलों के साथ नीमडीह थानांतर्गत ग्राम झिमडी एवं सिन्दूरपुर में फ्लैग मार्च किया गया । वहीं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बकरीद पर्व को भाईचारे एवं सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाने का अपील किया। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का अपील किया गया। फ्लैग मार्च कर लोगों को भयमुक्त वातावरण में पर्व त्यौहार को मनाने का संदेश दिया गया। थाना प्रभारी संतन तिवारी ने बताया कि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में फ्लैग मार्च कर लोगों से बकरीद में शांति व्यवस्था बनाए रखने का अपील किया गया।

पेट्रोल डीजल की दामों पर प्रीति को लेकर कांग्रेसियों ने किया विरोध

बड़कागांव : देशभर में हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। झारखंड में भी तेल की कीमतों में उछाल आया है। इसके अलावा राज्य के सभी जिलों के साथ-साथ बड़कागांव में भी पेट्रोल डीजल की भारी किल्लत देखी जा रही है।पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों एवं केंद्र सरकार के विरोध में धर्मचंद फ्यूल्स बड़कागांव के समीप कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष सुरेश महतो के अध्यक्षता में पेट्रोल पंप के समीप कांग्रेसियों ने विरोध प्रदर्शन किया। और केंद्र सरकार के विरोध नारेबाजी किया। मौके पर कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष रामसेवक सोनी ने कहा कि पेट्रोल डीजल की लगातार बढ़ती कीमत से आम जनता त्राहिमाम त्राहिमाम कर रही है। विरोध प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप सेवरिष्ठ कांग्रेसी नेता वसंत नारायण सिंह, जिला उपाध्यक्ष रामसेवक सोनी, प्रखंड अध्यक्ष सुरेश महतो बुद्धिनाथ महतो, धर्मनाथ महतो, संतोष जायसवाल, अनुज महतो, मोहम्मद यूनुस, रमेश सिंह भोगता, श्याम भर्गो सहित दर्जनों लोगों ने विरुद्ध प्रदर्शन किया।

आंधी-तूफान में पेड़ गिरने और तार टूटने से घंटों ठप रही बिजली आपूर्ति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर सहित आसपास के इलाकों में सोमवार देर रात करीब 11:30 बजे आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। तेज हवा और बारिश के कारण शहर के कई मोहल्लों में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। रातभर लोग उमस और गर्मी के बीच बिना बिजली के परेशान रहे। कई इलाकों में सड़क पर गिरे पेड़ तूफान के कारण शहर के गुल्लीभटठा, पश्चिम रेलवे फाटक के सामने, सेंट्रल स्कूल के सामने, जिरवाबाडी, स्टेडियम रोड, पचगढ़, बेतोना और जयंतीग्राम समेत कई इलाकों में बड़े-बड़े पेड़ सड़क पर गिर गए। इससे आवागमन प्रभावित रहा और कई मार्गों पर यातायात बाधित हो गया।

15 घंटे तक बाधित रही बिजली मिली जानकारी के अनुसार रात 11:30 बजे से बाधित बिजली आपूर्ति मंगलवार सुबह 10 बजे तक अधिकांश क्षेत्रों में ठप रही। करीब 15 घंटे बाद दो फीडरों में बिजली बहाल की जा सकी, जबकि शहर के कई इलाकों में देर शाम तक भी आपूर्ति सामान्य

नहीं हो पाई थी। लंबे समय तक बिजली नहीं रहने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पानी संकट और मोबाइल चार्जिंग की समस्या बिजली बाधित होने से पानी की आपूर्ति भी प्रभावित हो गई। लोगों को पीने के पानी, नहाने और शौच जैसी दैनिक जरूरतों के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कई मोहल्लों में मोबाइल फोन तक चार्ज नहीं हो सके। पानी टंकी और मोटर नहीं चलने से घरों में जल संकट जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई।

युद्धस्तर पर चला बहाली कार्य

तूफान के बाद बिजली विभाग ने युद्धस्तर पर बहाली कार्य शुरू किया। विभाग की टीम पहले सड़कों पर गिरे पेड़ों को हटाने में जुटी रही, ताकि यातायात सामान्य हो सके। इसके बाद क्षतिग्रस्त बिजली तारों और पोलों की मरम्मत कर बिजली आपूर्ति बहाल करने का काम शुरू किया गया।

पटमदा बाजार में सेविका बनी प्रियंका महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा बाजार स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका के सेवानिवृत्ति पर नए सेविका का आम सभा आयोजित कर चयन किया गया। इस दौरान आम सभा में सर्वसम्मति से अधिक अंक के आधार पर प्रियंका महतो को सेविका पद पर चयनित किया गया। जानकारी देते हुए सीडीपीओ सुनीता केरकेट्टा ने बताया कि पटमदा बाजार में सेविका चयन के लिए मंगलवार को आम सभा आयोजित किया गया। जिसमें सभी जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रियंका महतो को उच्च अंक के

आधार पर चयनित कर नाम की घोषणा की गई। इस दौरान आम सभा में सीडीपीओ सुनीता केरकेट्टा, प्रमुख बालिका सोरेन, ग्राम प्रधान फुलचांद महतो, मुखिया परमेश्वर सिंह, विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू, सांसद प्रतिनिधि महावीर महतो,उषा रानी सिंह सहित कई ग्रामीण और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

रेलवे एक्ट के तहत आरपीएफ में चलाया चेकिंग अभियान, कई पकड़ाए

सरिया : रेल तथा रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर आरपीएफ कटिबद्ध है। विभागीय उच्च अधिकारियों के निदेर्शानुसार आए दिन हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान सोमवार तथा मंगलवार को निरीक्षक प्रभारी विश्वनाथ कुमार के नेतृत्व में रेलवे प्लेटफार्म पर यह अभियान चलाया गया। जिसमें ऑन ड्यूटी आरपीएफ के जवान शामिल थे। इस दौरान पायदान पर यात्रा करने,महिला कोच में अनधिकृत रूप से यात्रा करने,दिव्यांग डब्बे में सफर करने, रेलवे पटरी पर करने आदि के आरोप में कुल 25 रेलयात्री पकड़े गए। जिन्हें रेलवे दंडाधिकारी धनबाद के समक्ष ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया.जहां लोगों ने अपनी गलती स्वीकार की। भविष्य में इस प्रकार की गलती की पुनरावृत्ति न करने की बात कही। पश्चात दंडाधिकारी द्वारा निर्धारित जुमार्ना राशि की अदायगी करने के पश्चात पकड़े गए सभी आरोपियों को मुक्त किया गया।

पुलिस ने निभाया सामाजिक दायित्व, सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को किया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

तिरूलडीह : सरायकेला-खरसावां जिला के तिरूलडीह थाना की पुलिस द्वारा मंगलवार को थाना क्षेत्र अंतर्गत शहीद चौक में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने आम लोगों एवं वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों की विस्तृत जानकारी देते हुए यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

अभियान के दौरान लोगों को हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, सीट बेल्ट का उपयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन

करने तथा शराब पीकर वाहन नहीं चलाने की सलाह दी गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश मौतें सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण होती हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी और दूसरों की सुरक्षा के प्रति सजग रहने की आवश्यकता है। पुलिस ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए लोगों के बीच हेलमेट का वितरण भी किया। अधिकारियों ने कहा कि हेलमेट केवल कानूनी अनिवार्यता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का महत्वपूर्ण साधन है। इस जागरूकता अभियान को लेकर स्थानीय लोगों ने तिरूलडीह थाना पुलिस की सराहना की तथा कहा कि इस प्रकार के अभियान से लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा
नए समाहरणालय भवन, ब्लॉक-ए, द्वितीय तल्ला
दूरभाष: 06525–225835 फैक्स: 225836
E-mail:- ssasimdega@yahoo.co.in

पत्रांक : दिनांक:

आम सूचना

सिमडेगा जिला अंतर्गत निजी विद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से लिए गए शुल्क की वापसी से संबंधित प्राप्त सूचनाओं के आलोक में जिला प्रशासन द्वारा सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

इसी क्रम में जिले के कुल 44 निजी विद्यालयों द्वारा पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष बढ़ाई गई शुल्क वापस किए जाने से संबंधित प्रतिवेदन प्राप्त हुआ है, जिनकी सूची निम्नवत् है:–

क्रमांक	प्रखण्ड	विद्यालय का नाम
1	बोलबा	सनराइज प्ले स्कूल बोलबा
2	बोलबा	प्रस्तावित हाई स्कूल अवगा
3	बानो	होली हार्ट पब्लिक स्कूल बानो
4	बानो	संत थोमस स्कूल, बानो
5	बानो	विद्या बिहार पब्लिक स्कूल रायकेरा
6	बानो	संत फ्रांसिस स्कूल हुरपी
7	बानो	चाचा नेहरू चिल्ड्रन एकेडमी सेमरजटोली
8	बाँसजोर	PROPOSED RCMS SAJBAHAR
9	जलडेगा	शांति उदय स्कूल गांगुटोली
10	जलडेगा	एस.डी.ए. स्कूल टोनिया
11	जलडेगा	Koshish Adventist School Jaldega
12	जलडेगा	ब्रिलिएन्ट प्राथमिक विद्यालय जलडेगा।
13	जलडेगा	सलेश्वरी पब्लिक स्कूल गांगुटोली
14	KERSAI	ST JOHANNES SCHOOL KINKEL
15	KURDEG	RC MS DUMARDIH
16	KURDEG	NIRMALA HIGH SCHOOL KHALIJORE
17	KURDEG	SACRED HEART PUBLIC SCHOOL
18	KURDEG	RC MS JHARAIN
19	PAKARTANR	CARDON HS SOGRA
20	PAKARTANR	ST. ANTHONY'S SCHOOL NANESERA
21	PAKARTANR	RVM HS SARKHUTOLI
22	PAKARTANR	LITTLE FLOWER PUBLIC SCHOOL KOBANG
23	PAKARTANR	RC HS KURUSHKELA
24	ठेठईटांगर	सरस्वती शिशु मंदिर ठेठईटांगर
25	ठेठईटांगर	रामजीत सेनापति मेमोरियल स्कूल मतरामेटा
26	ठेठईटांगर	उर्सुलाईन प्राथमिक विद्यालय जामपानी
27	ठेठईटांगर	संत इग्नासियुस उच्च विद्यालय संलगापोश
28	कोलेबिरा	विकानन्द शिशु विद्यालय मंदिर (उच्च विद्यालय लचरागढ़)
29	कोलेबिरा	प्रस्तावित उच्च विद्यालय लचरागढ़
30	कोलेबिरा	मोंटफोर्ट स्कूल लचरागढ़
31	सिमडेगा	एस.डी.ए. इंग्लिश मीडिएम स्कूल कोचेडेगा
32	सिमडेगा	ब्रिलिएंट हाई सकूल सिमडेगा
33	सिमडेगा	जिनियस पब्लिक स्कूल सिमडेगा
34	सिमडेगा	हॉली क्रिस्ट स्कूल
35	सिमडेगा	जुनियर कैम्ब्रिज स्कूल
36	सिमडेगा	मिल्लत स्कूल इस्लामपुर सिमडेगा
37	सिमडेगा	सनाबिल इंग्लिश मीडियम स्कूल
38	सिमडेगा	बिरसा रेसिडेंसियल स्कूल
39	सिमडेगा	चिल्डरेन एकेडमी
40	सिमडेगा	हिल व्यू पब्लिक स्कूल सिमडेगा
41	सिमडेगा	हॉली स्प्रिट स्कूल
42	सिमडेगा	नागपुरिया विकास विद्यालय सिमडेगा
43	सिमडेगा	सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सलडेगा
44	सिमडेगा	संत जेवियर्स उच्च विद्यालय तुमडेगी

उक्त प्रतिवेदनों के सत्यापन हेतु संबंधित विद्यालय, अभिभावक एवं विभागीय अभिलेखों की जाँच किया जा रही है, ताकि शुल्क वापसी की वास्तविक स्थिति सुनिश्चित की जा सके।

सूची में अंकित विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के अभिभावकों से अनुरोध है कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा वसूली गई बढ़ाई हुई शुल्क यदि आपको वापस नहीं की गई है तो इसकी सूचना संबंधित प्रखण्ड के BRC अथवा शिक्षा विभाग के जिला कार्यालय में दी जा सकती है, जिससे कि उक्त विद्यालय के विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

PR.NO.380840 Simdega(26-27):D
जिला शिक्षा अधीक्षक –सह– अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा।

झारखण्ड सरकार
कार्यालय जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,राँची

मत्स्य विपणन योजना वर्ष 2026–27 अंतर्गत
आवेदन आमंत्रण सूचना

राँची जिला के थोक/खुदरा मत्स्य विक्रेताओं को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि विभागीय राज्यादेश सं0– 05 रा0 (वि0) दिनांक 25.05.2026 के आलोक में मत्स्य विपणन योजना वर्ष 2026–27 अंतर्गत मछली परिवहन हेतु चार पहिया भार वाहक वैन तथा मछली बिक्री किट के क्रय के विरूद्ध अनुदान का प्रावधान किया गया है। योजना का विवरण निम्न प्रकार है:–

क0	योजना के घटक का नाम	लक्ष्य उपशीर्ष 796	लक्ष्य उपशीर्ष 789	अनुमान्य योजना लागत प्रति इकाई (न्यूनतम)	अनुदान प्रति इकाई	अर्हता
1	मछली परिवहन हेतु चार पहिया भार वाहक वाहन	02	01	8.00 लाख रू0/–	60 प्रतिशत् (अधिकतम 4.80 लाख रू0)	– न्यूनतम 8.00 लाख रू0/– मूल्य के चार पहिया भार वाहक वाहन क्रय हेतु आवेदन करना होगा। – आवेदक/आवेदक समिति मछली विपणन कार्य अथवा मछली बीज का परिवहन करती हो। – आवेदक मत्स्यजीवी सहयोग समिति/मत्स्यजीवी सहयोग समिति का सदस्य हो। – आवेदक/आवेदक समिति अपना अंषदान लगाने में सक्षम हो।
2	मछली बिक्री किट	40	10	15,000/– रू0	95 प्रतिशत् 14,250/– रू0	– लाभुक मछली बिक्रेता हो। – लाभुक द्वारा कम से कम 15,000/– रू0 के मछली बिक्री किट खरीदने का आवेदन दिया गया हो। – आवेदक अपना अंषदान लगाने में सक्षम हो।

नोट:– 1 वाहनों के निबंधन एवं बीमा आदि का व्ययभार लाभुक को स्वयं वहन करना होगा।
2. दिव्यांग लाभुक असैनिक शल्य चिकित्सक द्वारा निर्गत प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करेंगे।

उक्त विवरण के आलोक में सुयोग्य थोक/खुदरा मछली बिक्रेताओं से विहित प्रपत्र में दिनांक 25.06.2026 तक जिला मत्स्य कार्यालय, राँची में आवेदन आमंत्रित किया जाता है। आवेदन का प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, राँची में निःशुल्क उपलब्ध है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, राँची
PR 380757 Fish(26-27).D

कार्यालयः अभिहित अधिकारी–सह–अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची
Food and Drug Administration Building,
Near Blood Bank, Sadar Hospital Campus, Ranchi (JH)-834001
(E-Mail: do.foodranchi@gmail.com)
fssai Eat Right India

प्रेस नोट्स

अल्कोहॉलिक पेय से संबंधित खाद्य कारोबारियों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश एवं वैद्यानिक चेतावनी।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 3(1)(i) के अंतर्गत **अल्कोहॉलीक** पेय को खाद्य पदार्थ के रूप में परिभाषित किया गया है एवं **Food Safety and Standards (Alcoholic Beverages) Regulation, 2018**, **अल्कोहॉलीक** पेय पदार्थों के मानकों को निर्दिश्ट करते है साथ ही साथ **Food Safety and Standards (Packaging) Regulation, 2018** एवं **Food Safety and Standards (Labelling and Display) Regulations, 2020** की लेबलिंग आवश्यकताओं के अतिरिक्त **अल्कोहॉलीक** पेय पदार्थों के **लेबलिंग** के लिए विशिश्ट आवश्यकताएँ भी निर्दिश्ट करता है। विशिष्ट लेबलिंग आवश्यकताओं में **अल्कोहॉल की** मात्रा की घोषणा, मानक पेय की **लेबलिंग**, कोई पोषण संबंधी जानकारी न होना, मानक पेय के लेबलिंग पर कोई स्वास्थ्य संबंधी दावा न होना, 0.5 प्रतिशत से अधिक अल्कोहल वाले पेय पदार्थों के लेबल पर "गैर नशीला" अथवा समान अर्थ वाले शब्दों पर प्रतिबंध, वाईन की लेबलिंग, एलर्जी चेतावनी, वैधानिक चेतावनी आदि शामिल हैं।

2.अत: **अल्कोहॉलीक पेय** के निर्माताओं, वितरकों, और बार संचालकों को आबकरी लाईसेंस के साथ–साथ खाद्य सुरक्षा (फूड सेफ्टी) का लाइसेंस (**U/S 31 of FSS, ACT 2006**) प्राप्त करना आवश्यक है।
3.बिना खाद्य लाइसेंस के खाद्य कारोबार करना दण्डणीय अपराध हैं। (**U/S 63 of FSS, ACT 2006**)
4.अल्कोहॉलीक पेय पदार्थों के गुणवत्ता में कमी होना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत दण्डणीय अपराध हैं। (खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 50, 51, 52, 53, 54, 56 एवं 59)
5.अत: सभी **अल्कोहॉलीक** पेय पदार्थों के वितरक, खुदरा विक्रेता और बार संचालक (फूड सेफ्टी) लाइसेंस के लिए 14 दिनों के अन्दर अनिवार्य रूप से आवेदन करना सुनिश्चित करें।
6.ऑनलाइन आवेदन के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के आधिकारिक लाईसेंसिंग पोर्टल **https://foscos.fssai.gov.in** पर व्यवसाय का प्रकार (**KoB**) **Trade/Retailer /Manufacturer/ Food Services** में आवेदन करें एवं **Food Category 14 – Beverages other than Dairy Products** का चुनाव करें।
7.लाइसेंस प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों या किसी भी अन्य तकनीकी समस्या के निवारण के लिए कारोबारी सीधे खाद्य सुरक्षा कार्यालय में आकर संपर्क कर सकते है अथवा लैंड लाईन नं०–06514035608 के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते है।
8.तय समय सीमा के बाद प्रतिष्ठानों के निरीक्षण करने पर नियमों की अनदेखी करने पर संबंधित खाद्य कारोबारियों पर **Food Safety And Standards Act, 2006** एवं **Food Safety and Standards (Licensing and Registration of Food Businesses) Regulation, 2011** के तहत विधि–सम्मत् कार्यवाही की जायेगा।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, –सह– निबंधन प्राधिकारी, राँची
अभिहित अधिकारी, –सह– अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची
PR 380810 (Health Med Edu and Family Welfare)26-27*D

अमेरिका-ईरान युद्ध से महंगाई के कारण आमजन प्रभावित

भले 1970 के तेल संकट जैसे हालात होने की आशंका न हो या 2008 जैसी वित्तीय मंदी के हालात भी न हो लेकिन एक बात साफ है कि अमेरिका-ईरान के बीच करीब तीन माह से चल रहे युद्ध के दुष्प्रभाव गहराने लगे हैं। चाहे एशिया के हों या यूरोपीय देश, सभी केवल वैश्विक तनाव ही नहीं अपितु ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने से बढ़ते दामों को रोकने में विफल रहे हैं। पिछले दस-पन्द्रह दिनों में ही हमारे देश में पेट्रोल-एलपीजी-सीएनजी- पीएनजी के दामों में एक बार नहीं अपितु तीन बार बढ़ोतरी हो चुकी है। हालांकि वर्तमान हालात में सरकार को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। विपक्ष चाहे लाख आरोप लगाये पर अंतरराष्ट्रीय हालात से आंखें नहीं मूंदनी चाहिए। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आमजन से आग्रह को भी इसी संदर्भ में सकारात्मकता से लिया जाना चाहिए। अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है। ईंधन संकट का बड़ा कारण अमेरिका-ईरान युद्ध न होकर इस युद्ध के कारण हार्मुज वैश्विक संकट बन गया है। हार्मुज के रास्ते से ही कच्चे तेल की आपूर्ति होती है और यहां तनाव के चलते हार्मुज जनडमरुमध्य रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है। इससे आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है। यह तो वैकल्पिक उर्जा के रुप में देश में सोलर, विण्ड एनर्जी के क्षेत्र में पिछले सालों में योजनाबद्ध तरीके से तेजी से बेहतर काम हुआ है और इसी का परिणाम है कि आज प्रधानमंत्री इलेक्ट्रोनिक वाहनों के उपयोग या सोलर एनर्जी के उपयोग पर खुले तौर पर आग्रह करने की स्थिति में है। नवीकरणीय उर्जा के क्षेत्र में देश में तेजी से काम हुआ है और हो रहा है जो एक हद तक संकट को कम करने में सहायक बन रहा है। आज की दुनिया आइसोलेट दुनिया नहीं है। देशों की एक-दूसरे पर निर्भरता बढ़ी है। कहीं से ईंधन के लिए तो कहीं से खाद्यान्न, कहीं दवा, कहीं अन्य किसी वस्तु के लिए निर्भरता बढ़ी है। युद्ध के चलते इंटरनेशनल लॉजिस्टिक सेवाएं प्रभावित हुई है। जहां तक देश की ही बात की जाए तो पेट्रोल, डीजल, एलपीजी आदि की कीमत में बढ़ोतरी का व्यापक प्रभाव पड़ने लगा है। सीधी-सी बात है जब आवागमन महंगा होगा चाहे वह आम आदमी, सार्वजनिक क्षेत्र या लॉजिस्टिक का हो तो उसका सीधा वस्तुओं और सेवाओं पर पड़ेगा ही। यही कारण है ईंधन यानी तेल के भावों में बढ़ोतरी के साथ वस्तुओं और सेवाओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। इसके साथ ही आयात पर निर्भर वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। जहां तक तेल का प्रश्न है, देश में खाद्य तेल और अखाद्य तेल दोनों प्रभावित हो रहे हैं। खाद्य तेलों में भी आयात पर निर्भरता अधिक है। लाख प्रयासों के बावजूद तिलहन मिशन से तिलहनों का उत्पादन तो बढ़ा है पर अभी विदेशी निर्भरता बनी हुई ही है। इसी तरह अन्य वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। जहां तक सेवा क्षेत्र का प्रश्न है, स्वीगी-जोमेटो आदि सेवा प्रदाताओं ने पिछले दिनों अपने दामों में 16 फीसदी से भी अधिक की बढ़ोतरी कर दी है। मोबाइल सेवा प्रदाताओं ने प्लानों को रिवाइज किया है तो उबेर-ओला जैसे सेवा प्रदाताओं ने किराया बढ़ा दिया है। साफ है कि लॉजिस्टिक लागत बढ़ेगी तो उसका असर सभी वस्तुओं में देखने को मिलेगा। भारत सरकार वेनेजुएला से वैकल्पिक तरीके से कच्चे तेल लाने का प्रयास कर रही है तो अन्य विकल्प भी खोजे जा रहे हैं। लेकिन कच्चे तेल की आपूर्ति जब तक सामान्य नहीं हो जाती तब तक संकट पूरी तरह से समाप्त होने की कल्पना नहीं की जा सकती। इन वैश्विक हालातों के पीछे अमेरिका-ईरान की हठधर्मिता ही है। अमेरिका-इजराइल ने ईरान से लड़ाई शुरू करते समय रूस-यूक्रेन युद्ध के हालातों से सबक नहीं लिया। रूस के सामने यूक्रेन जैसा देश होने के बावजूद आज तीन साल से भी अधिक समय होने के बावजूद निर्णायक स्तर पर नहीं पहुंचा है।

सूरज के तीखे होते तेवर और अल-नीनो

प्रमोद भार्गव

देश के ज्यादातर भूभाग पर पारा 45 से 48 डिग्री सेल्सियस पार कर चुका है। दिल्ली राजधानी क्षेत्र समेत समूचा मध्य व उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। 25 मई को सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश नौतपा शुरू हो जाएंगे, तब अनुमान है कि पहले ही तप रही धरती आसमान से बरसाने वाली इस आग से और अधिक गर्म हो जाएगी। हालांकि भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार धरती का अधिक तपना अच्छी बारिश का संकेत है। मौसम विभाग भी नौतपा में भीषण गर्मी बता रहा है। सनातन पंचांग में उल्लेख मिलता है कि इन नौ दिनों में एक ऐसा समय भी आता है जब सूर्य अपनी सबसे तीव्र ऊर्जा के साथ पृथ्वी पर प्रभाव डालता है। फलतः गर्मी चरम पर पहुंच जाती है।

इस परिप्रेक्ष्य में वैज्ञानिकों की मानें तो भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में एक ताकतवर महा-अल नीनो आकार ले रहा है। यह 1877 के बाद सबसे विध्वंसकारी मौसमी आपदा साबित हो सकता है। इसका सीधा असर भारत में देखने को मिल सकता है। क्योंकि अल-नीनो भारत की जीवन रेखा कहे जाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून को भी प्रभावित कर सकता है। मौसम की जानकारी देने वाली निजी एजेंसी स्काई मेट के अनुसार इसका मुख्य कारण केवल सामान्य मौसमी बदलाव न होकर ऊष्मा का बन जाने वाला छतरीनुमा गोला है, जो आधे भारत के राज्यों में मंडरा रहा है। इस समय दिल्ली, उप्र, राजस्थान, हरियाणा, मप्र, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तेलांगाना में गर्मी एकाएक बढ़ गई है। इस प्राकृतिक स्थिति को ऊष्मा का क्षत्रप (हीट डोम) या गुंबद कहा जा रहा है। यह क्षत्रप तब बनता है, जब वायुमंडल में उच्च दबाव की एक प्रणाली लंबे समय तक किसी एक क्षेत्र में ठहर जाती है। इस समय बर्तन के एक ढक्कन की तरह गर्म हवा ऊष्मा को नीचे धरती की तरफ दवाए रखती है, जो तेज गर्मी का कारण बन जाती है। नतीजतन ऐसे क्षेत्रों में तापमान खतरनाक ढंग से बढ़ जाता है और कई दिनों या हफ्तों तक भीषण गर्मी या लू बनी रहती है। गर्मी की इस प्रचंड स्थिति को ग्लोबल वार्मिंग का कारण बताया जा रहा है।

इस बार गर्मी का मिजाज इसलिए भी अलग है क्योंकि कई तटीय इलाकों और मैदानी क्षेत्रों में नमी वाली गर्मी यानी उमस का असर भी देखने में आ रहा है। इससे लू लगने का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। आधे भारत में बढ़ा तापमान लोगों को पस्त कर रहा है। अतएव हरेक जुबान पर प्रचंड धूप और गर्मी जैसे बोल आमफहम हो गए हैं। हालांकि लू और प्रचंड गर्मी के बीच भी एक अंतर होता है। गर्मी के मौसम में ऐसे क्षेत्र जहां तापमान, औसत तापमान से कहीं ज्यादा हो और पांच दिनों तक यही स्थिति बनी रहे तो इसे "लू" यानी गर्मी का गोला कहने लगते हैं। मौसम की इस असहनीय विलक्षण दशा में नमी भी समाहित हो जाती है। यही सर्द-गर्म थपेड़े लू की पीड़ा और रोग का कारण बन जाते हैं। किसी भी क्षेत्र का औसत तापमान, किस मौसम में कितना होगा, इसकी गणना एवं मूल्यांकन पिछले 30 साल के आंकड़ों के आधार पर की जाती है। वायुमंडल में गर्म हवाएं आमतौर से क्षेत्र विशेष में अधिक दबाव की वजह से उत्पन्न होती हैं। वैसे तेज गर्मी और लू पर्यावरण और बारिश के लिए अच्छी होती हैं। अच्छा मानसून इन्हीं आवारा हवाओं का पर्याय माना जाता है, क्योंकि तपिश और बारिश में गहरा अंतर्संबंध है। धूप और लू के इस जानलेवा संयोग से कोई व्यक्ति पीड़ित हो जाता है तो उसके लू उतारने के इंतजाम भी किए जाते हैं। दरअसल लू सीधे दिमागी गर्मी को बढ़ा देती है। अतएव इसे समय रहते ठंडा नहीं किया तो यह बिगड़ा अनुपात व्यक्ति को बौरा (पागल) भी सकता है। वैसे शरीर में प्राकृतिक रूप से तापमान को नियंत्रित करने का काम मस्तिष्क में "हाइपोथैलेमस" अर्थात "अधष्चेतक" क्षेत्र करता है। इसका सबसे महत्वपूर्ण कार्य पीयूष ग्रंथि के माध्यम से तंत्रिका तंत्र को अंतःस्त्रावी प्रक्रिया के जरिये तापमान को संतुलित बनाए रखना होता है। इसे चिकित्सा शास्त्र की भाषा में हाइपरपीरेक्सिया कहते हैं। यानी शरीर के तापमान में असमान वृद्धि या अधिकतम बुखार का बढ़ जाना। इसकी चपेट में बच्चे और बुजुर्ग आसानी से आ जाते हैं।

बाहरी तापमान जब शरीर के भीतरी तापमान को बढ़ा देता है तो हाइपोथैलेमस तापमान को संतुलित बनाए रखने का काम नहीं कर पाता। नतीजतन शरीर के भीतर बढ़ गई अनावश्यक गर्मी बाहर नहीं निकल पाती है, जो शरीर में लू का कारण बन जाती है। इस स्थिति में शरीर में कई जगह प्रोटीन जमने लगता है और शरीर के कई अंग एक साथ निष्क्रियता की स्थिति में आने लग जाते हैं। ऐसा शरीर में पानी की कमी यानी डी-हाईड्रेशन के कारण भी होता है। दोनों ही स्थितियां जानलेवा होती हैं। इस स्थिति के निर्माण हो जाने पर बुखार उतारने वाली साधारण गोलियां काम नहीं करती हैं। क्योंकि ये दवाएं दिमाग में मौजूद हाइपोथैलेमस को ही अपने प्रभाव में लेकर तापमान को नियंत्रित करती हैं। जबकि लू में यह स्वयं शिथिल होने लग जाता है। हवाएं गर्म का प्रमुख कारण ऋतुचक्र का उलटफेर और भूतापीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) का औसत से ज्यादा बढ़ना है। इसीलिए वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं कि इस बार प्रलय धरती से नहीं आकाशीय गर्मी से आएगी। जिस आकाश को हम निरीह और खोखला मानते हैं, वास्तव में यह खोखला है नहीं। भारतीय दर्शन में इसे पांचवां तत्व यूं ही नहीं माना गया है। सच्चाई है कि यदि परमात्मा ने आकाश तत्व की उत्पत्ति नहीं की होती तो संभवतः आज हमारा अस्तित्व ही नहीं होता। हम श्वांस भी नहीं ले पाते। पृथ्वी, जल, अग्नि और वायु ये चारों तत्व आकाश से ऊर्जा लेकर ही क्रियाशील रहते हैं। ये सभी तत्व परस्पर परावलंबी हैं। यानी किसी एक तत्व का वजूद क्षीण होगा तो अन्य को भी छीजने की इसी अवस्था से गुजरना होगा। प्रत्येक प्राणी के शरीर में आंतरिक स्फूर्ति एवं प्रसन्नता की अनुभूति आकाश तत्व से ही संभव होती है इसलिए इसे ब्रह्म तत्व भी कहा गया है। अतएव प्रकृति के संरक्षण के लिए सुख के भौतिकवादी उपकरणों से मुक्ति की जरूरत है।

हम देख रहे कि कुछ एकाधिकारवादी देश भूमंडलीकरण का मुखौटा लगाकर ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन से दुनिया की छत यानी ओजोन परत में छेद को चौड़ा करने में लगे हैं। यह छेद जितना विस्तृत होगा वैश्विक तापमान उसी अनुपात में अनियंत्रित व असंतुलित होगा। इस बढ़े तापमान का प्रभाव जिन-जिन क्षेत्रों में पड़ेगा, वहां खेत बंजर हो जाएंगे। पालतू मावेशी और वन्य जीव गर्मी से तड़प-तड़प कर प्राण छोड़ने लग जाएंगे, जो मानव समुदाय अभावग्रस्त हैं, उन पर गर्म हवाओं का यह दबाव कहर बनकर टूटेगा। यह जानलेवा भी साबित होगा।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2020 में किए गए एक अध्ययन से स्पष्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एशिया को 2030 तक बाढ़ों की कीमत प्रत्येक वर्ष चुकानी पड़ेगी। इनसे करीब सालाना 15.6 लाख करोड़ की हानि उठानी पड़ सकती है। साफ है, वैश्विक तापमान के बढ़ते खतरे ने आम आदमी के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। दुनिया में कहीं भी एकाएक बारिश, बाढ़, बर्फबारी, फिर सूखे का कहर यही संकेत दे रहे हैं। आंधी, तूफान और फिर यकायक ज्वालामुखियों के फटने की हैरतअंगेज घटनाएं भी यही संकेत दे रही हैं कि अदृश्य खतरे इर्द-गिर्द ही कहीं मंडरा रहे हैं। समुद्र और अंटाकर्टिका जैसे बर्फीले क्षेत्र भी इस बदलाव के संकट से दो-चार हो रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 7807

***** कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7806 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

महंगाई, ऊर्जा सुरक्षा और नीति निर्माण की चुनौती

डॉ. प्रियंका सौरभ

पिछले कुछ समय से देश के शहरों और गांवों में एक चिंता लगातार सुनाई दे रही है- पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतें। यह चिंता केवल वाहन चलाने वालों तक सीमित नहीं है बल्कि इसका प्रभाव हर उस नागरिक पर पड़ता है जो रोजमर्रा की वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग करता है। जब पेट्रोल महंगा होता है तो उसका असर केवल पेट्रोल पंप तक नहीं रहता; वह परिवहन, खाद्य पदार्थों, निर्माण सामग्री, कृषि लागत और घरेलू बजट तक पहुंच जाता है। इसलिए पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि आर्थिक के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक और नीतिगत प्रश्न भी है, जो सरकार, बाजार और नागरिक- तीनों से जुड़ा हुआ है।

भारत जैसे विकासशील देश में ऊर्जा केवल आर्थिक गतिविधियों का आधार नहीं है बल्कि सामाजिक गतिशीलता और विकास की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। देश का विशाल परिवहन तंत्र, कृषि क्षेत्र, औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर हैं। ऐसे में जब पेट्रोल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका प्रभाव अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देता है। यही कारण है कि पेट्रोल के बढ़ते भाव हमेशा जनचर्चा और राजनीतिक बहस का विषय बन जाते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों को समझने के लिए सबसे पहले यह जानना आवश्यक है कि भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। देश अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक विदेशों से खरीदता है। इसका अर्थ यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव भारतीय उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है। यदि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है तो भारत को अधिक भुगतान करना पड़ता है, और उसका असर अंततः खुदरा कीमतों में दिखाई देता है। वैश्विक तेल बाजार केवल आर्थिक कारकों से प्रभावित नहीं होता। इसके पीछे भू-राजनीतिक परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पश्चिम एशिया में तनाव, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, प्रमुख तेल उत्पादक देशों की उत्पादन नीतियां, रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे कारक तेल की कीमतों को प्रभावित करते हैं। किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष या आपूर्ति संकट का असर कुछ ही दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार पर दिखाई देने लगता है। भारत जैसे आयात निर्भर देश के लिए यह एक बड़ी चुनौती है क्योंकि घरेलू बाजार को इन परिस्थितियों से पूरी तरह अलग नहीं रखा जा सकता।

हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार एक महत्वपूर्ण कारण है लेकिन पेट्रोल की कीमतों का पूरा सच केवल वहीं तक सीमित नहीं है। भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में करों की भी बड़ी भूमिका होती है। पेट्रोल की अंतिम कीमत में कच्चे तेल की लागत के अलावा केंद्र सरकार का उत्पाद शुल्क, राज्य सरकारों का मूल्य वर्धित कर (वैट), परिवहन लागत और डीलर कमीशन भी शामिल होता है। यही कारण है कि अलग-अलग राज्यों में पेट्रोल की कीमतें अलग-अलग होती हैं।

तेल पर लगने वाले कर सरकारों के लिए राजस्व का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इन करों से प्राप्त आय का उपयोग सड़क निर्माण, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के वित्त पोषण में किया जाता है। लेकिन यही कर आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी डालते हैं। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है और कर संरचना में कोई राहत नहीं मिलती, तब उपभोक्ताओं को दोहरी मार झेलनी पड़ती है। यही स्थिति अक्सर राजनीतिक बहस का कारण बनती है। पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव परिवहन क्षेत्र पर दिखाई देता है। टैक्सी चालक, ऑटो चालक, ट्रक मालिक, बस संचालक और डिलीवरी सेवाओं से जुड़े लाखों लोग बढ़ती लागत का सामना करते हैं। उनके सामने सामान्यतः दो विकल्प होते हैं- या तो बढ़ी हुई लागत को स्वयं वहन करें अथवा किराए और सेवा शुल्क बढ़ाकर उसका भार उपभोक्ताओं पर डाल दें। अधिकांश मामलों में दूसरा विकल्प अपनाया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ने लगती हैं।

यहीं से महंगाई का व्यापक प्रभाव शुरू होता है। जब माल ढुलाई महंगी होती है तो सब्जियां, फल, दूध, अनाज, दवाइयां, निर्माण सामग्री और अन्य उपभोक्ता वस्तुएं भी महंगी होती हैं। इस प्रक्रिया को अर्थशास्त्र में लागत-प्रेरित महंगाई कहा जाता है। इसका असर विशेष रूप से मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है, क्योंकि उनकी आय सीमित होती है जबकि खर्च लगातार बढ़ते जाते हैं।

ग्रामीण भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों का प्रभाव और भी गहरा होता है। खेती-किसानी आज भी बड़ी मात्रा में डीजल आधारित मशीनों और उपकरणों पर निर्भर है। ट्रैक्टर, सिंचाई पंप, कटाई मशीनें और कृषि उत्पादों का परिवहन- सभी में ईंधन की आवश्यकता होती है। जब डीजल महंगा होता है तो कृषि लागत बढ़ जाती है। छोटे और सीमांत किसान, जिनकी आय पहले से ही सीमित होती है, इस बढ़ती लागत का सबसे अधिक बोझ उठाते हैं। इसके अतिरिक्त कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने की लागत भी बढ़ जाती है। अक्सर किसान अपने उत्पादों का मूल्य स्वयं निर्धारित नहीं कर पाते और उन्हें बिचौलियों या थोक व्यापारियों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में परिवहन लागत बढ़ने का दबाव किसानों की आय को और कम कर सकता है। परिणामस्वरूप ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दोहरा प्रभाव पड़ता है- उत्पादन लागत बढ़ती है और लाभ घटता है।

शहरी मध्यम वर्ग भी इस महंगाई से अछूता नहीं रहता। आज का शहरी जीवन डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन खरीदारी, भोजन वितरण और निजी परिवहन पर काफी हद तक निर्भर हो चुका है। लेकिन इन सभी सेवाओं के पीछे परिवहन लागत एक महत्वपूर्ण तत्व है। चाहे कोई ऑनलाइन भोजन मंगाएं या ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से सामान खरीदें, अंततः उसे पहुंचाने वाला वाहन ईंधन पर ही निर्भर होता है। इसलिए पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि धीरे-धीरे उपभोक्ता के दैनिक खर्च को बढ़ाती जाती है।

पेट्रोल की बढ़ती कीमतों पर चर्चा करते समय एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी उठता है कि भारत ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में कितना आत्मनिर्भर है। पिछले वर्षों में सरकार ने रणनीतिक तेल भंडार विकसित करने और ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता लाने के प्रयास किए हैं। इससे आपूर्ति संकट की स्थिति में कुछ राहत मिल सकती है लेकिन यह दीर्घकालिक समाधान नहीं है। जब तक देश आयातित तेल पर अत्यधिक निर्भर रहेगा, तब तक वैश्विक बाजार की अस्थिरता का प्रभाव घरेलू अर्थव्यवस्था पर पड़ता रहेगा। यहीं से ऊर्जा स्वाधीनता का प्रश्न सामने आता है। ऊर्जा स्वाधीनता का अर्थ केवल घरेलू तेल उत्पादन बढ़ाना नहीं है बल्कि वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों को मजबूत करना भी है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन और विद्युत आधारित परिवहन व्यवस्था इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है लेकिन अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। परिवहन नीति भी इस पूरे विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि सार्वजनिक परिवहन प्रणाली मजबूत, सुलभ और भरोसेमंद हो तो निजी वाहनों पर निर्भरता कम की जा सकती है। मेट्रो, बस रैपिड ट्रांजिट, उपनगरीय रेल और सुरक्षित साइकिल मार्ग जैसे विकल्प न केवल ईंधन की खपत कम कर सकते हैं बल्कि प्रदूषण और यातायात जाम जैसी समस्याओं को भी कम कर सकते हैं। दुर्भाग्यवश, देश के अनेक शहरों और अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी सुविधाओं का अभाव अभी भी महसूस किया जाता है।

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की नीति भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को भविष्य का विकल्प माना जा रहा है। उनकी स्वीकार्यता बढ़ रही है लेकिन चार्जिंग अवसंरचना, बैटरी लागत और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच जैसी चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। यदि सरकारें इस क्षेत्र में निवेश बढ़ाती हैं और आवश्यक बुनियादी ढांचा विकसित करती हैं तो आने वाले वर्षों में तेल पर निर्भरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

पेट्रोल की कीमतों का एक पर्यावरणीय आयाम भी है। जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण की प्रमुख वजहों में से एक है। बढ़ती ईंधन कीमतें कई बार लोगों को वैकल्पिक परिवहन साधनों की ओर आकर्षित करती हैं लेकिन यह तभी संभव है जब वे विकल्प वास्तव में उपलब्ध और सुविधाजनक हों। केवल कीमत बढ़ा देने से पर्यावरणीय लक्ष्य हासिल नहीं किए जा सकते; इसके लिए व्यापक और समन्वित नीति की आवश्यकता होती है।

राजनीतिक स्तर पर पेट्रोल की कीमतें हमेशा संवेदनशील मुद्दा रही हैं। विपक्ष अक्सर बढ़ती कीमतों को सरकार की विफलता के रूप में प्रस्तुत करता है, जबकि सरकारें वैश्विक परिस्थितियों और बाजार की मजबूरियों का हवाला देती हैं।

आधुनिक जीवनशैली के बीच परंपरा, स्वास्थ्य और पर्यावरण का पुनर्जागरण

डॉ. सत्यवान सौरभ

एक समय था जब भारतीय घरों, आँगनों, चौपालों और खेतों में लकड़ी की खाट जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करती थी। सुबह की चाय से लेकर रात की नींद तक, खाट केवल एक फर्नीचर नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक जीवन का केंद्र थी। लेकिन जैसे-जैसे आधुनिकता का प्रभाव बढ़ा, शहरीकरण ने गति पकड़ी और बाजार में नए-नए प्रकार के बेड, सोफा-कम-बेड तथा महंगे गद्दे आने लगे, खाट धीरे-धीरे घरों से गायब होने लगी। इसे पुरातन, ग्रामीण और पिछड़ेपन का प्रतीक मान लिया गया। परंतु समय का चक्र एक बार फिर घूम रहा है। आज लोग दोबारा लकड़ी की खाट की ओर लौट रहे हैं। यह वापसी केवल एक पारंपरिक वस्तु की वापसी नहीं है, बल्कि जीवन के प्रति बदलती सोच, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और प्रकृति के साथ संतुलन की तलाश का प्रतीक भी है। भारतीय समाज में खाट का इतिहास बहुत पुराना है। इसे चारपाई, मंजी या खटिया जैसे नामों से भी जाना जाता है। लकड़ी के मजबूत ढाँचे और रस्सियों या पट्टियों से बुनी हुई यह संरचना सदियों तक भारतीय जीवन का आधार रही। गाँवों में चौपाल की पहचान खाटों से होती थी। परिवार के बुजुर्ग खाट पर बैठकर निर्णय लेते थे, किसान दिनभर के श्रम के बाद खाट पर विश्राम करते थे और बच्चे उसी पर खेलते-कूदते बड़े होते थे। यह केवल आराम का साधन नहीं थी बल्कि सामाजिक संवाद का मंच भी थी। आज भी ग्रामीण भारत में खाट पर बैठकर होने वाली चर्चाएँ लोकतांत्रिक संवाद की सबसे सहज और स्वाभाविक अभिव्यक्ति मानी जाती हैं।

पिछले कुछ दशकों में जीवनशैली में बड़े बदलाव आए। लोगों ने आधुनिक फर्नीचर को प्रगति और समृद्धि का प्रतीक मान लिया। बड़े-बड़े बेड, मोटे गद्दे और आकर्षक डिजाइन वाले फर्नीचर घरों की आवश्यकता बन गए। विज्ञापनों ने भी लोगों को यह विश्वास दिलाया कि आराम केवल महंगे गद्दों और आधुनिक बिस्तरों में ही संभव है। परिणामस्वरूप खाट धीरे-धीरे घरों से बाहर होती चली गई। लेकिन अब जब लोग स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, बढ़ते तनाव और कृत्रिम जीवनशैली के दुष्प्रभावों का सामना कर रहे हैं, तब वे उन पारंपरिक विकल्पों को नए दृष्टिकोण से देखने लगे हैं जिन्हें कभी उन्होंने स्वयं ही त्याग दिया था।

लकड़ी की खाट की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण स्वास्थ्य संबंधी लाभ हैं। आधुनिक जीवनशैली में कमर दर्द, गर्दन दर्द और रीढ़ से जुड़ी समस्याएँ तेजी से बढ़ी हैं। बहुत अधिक मुलायम गद्दों पर सोना कई लोगों के लिए असुविधाजनक साबित हुआ है। इसके विपरीत खाट का ढाँचा शरीर को संतुलित सहारा देता है। रस्सियों से बुनी खाट शरीर के भार को समान रूप से वितरित करती है, जिससे रीढ़ पर अनावश्यक दबाव कम पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अनेक बुजुर्ग वर्षों तक खाट पर सोने के कारण बेहतर शारीरिक स्थिति में दिखाई देते हैं। यद्यपि हर व्यक्ति की स्वास्थ्य आवश्यकताएँ अलग होती हैं, फिर भी खाट को प्राकृतिक और संतुलित विश्राम का साधन माना जाता है।

गर्म जलवायु वाले भारत में खाट की उपयोगिता और भी अधिक है। फोम और स्प्रिंग वाले गद्दे अक्सर शरीर की गर्मी को रोक लेते हैं, जिससे गर्मियों में असुविधा बढ़ जाती है। इसके विपरीत खाट के नीचे और ऊपर दोनों ओर से हवा का प्रवाह बना रहता है। यह प्राकृतिक वेंटिलेशन शरीर को ठंडक प्रदान करता है और नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है। बिजली की बढ़ती खपत और एयर कंडीशनर पर निर्भरता के इस दौर में खाट का यह गुण विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी खाट का महत्व बढ़ रहा है। आज दुनिया टिकाऊ विकास और पर्यावरण संरक्षण की बात कर रही है। आधुनिक फर्नीचर उद्योग में प्लास्टिक, सिंथेटिक फोम और रासायनिक पदार्थों का व्यापक उपयोग होता है, जिनका पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत लकड़ी और प्राकृतिक रस्सियों से बनी खाट अपेक्षाकृत पर्यावरण-अनुकूल होती है। यह लंबे समय तक चलती है, आसानी से मरम्मत की जा सकती है और इसके अधिकांश हिस्से पुनर्चक्रित या प्राकृतिक रूप से नष्ट हो सकते हैं। ऐसे समय में जब लोग पर्यावरण के प्रति अधिक संवेदनशील हो रहे हैं, खाट उन्हें एक टिकाऊ विकल्प के रूप में दिखाई देने लगी है।

खाट की वापसी का एक कारण आर्थिक भी है। महंगे फर्नीचर और ब्रांडेड गद्दों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। दूसरी ओर, स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई गई खाट अपेक्षाकृत सस्ती और टिकाऊ होती है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में आज भी खाट कम लागत में उपलब्ध है। यह वर्षों तक उपयोग में आ सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसकी रस्सियाँ बदलकर उसे फिर नया बनाया जा सकता है। इस प्रकार खाट केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी व्यवहारिक विकल्प है।

दिलचस्प बात यह है कि खाट की वापसी केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। बड़े शहरों में भी लोग इसे नए रूप में अपना रहे हैं। इंटीरियर डिजाइनरों ने पारंपरिक खाट को आधुनिक सौंदर्यबोध के साथ प्रस्तुत करना शुरू किया है। आज कई घरों में खाट को बालकनी, गार्डन, टैरेस या लिविंग स्पेस में सजावटी और उपयोगी वस्तु के रूप में रखा जा रहा है। रिसॉर्ट, कैफे और होमस्टे भी अपने परिसर में खाट का उपयोग कर रहे हैं ताकि ग्राहकों को देसी और पारंपरिक अनुभव मिल सके। यह दिखाता है कि परंपरा और आधुनिकता का मेल किस प्रकार संभव है।

दैनिक पंचांग

27 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

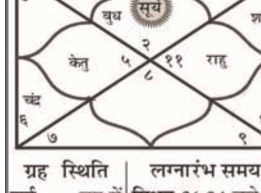

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.34 बजे से
चंद्र	कन्या में	कर्क	08.47 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	11.03 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.15 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.26 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.41 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.57 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	22.02 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.48 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	मीन	01.21 बजे से
		मेष	02.52 बजे से
		वृष	04.32 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 147 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 06.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 05.57 बजे को समाप्त।
योग व्यतीपात 03.25 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 06.22 बजे तदनन्तर बव 19.07 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 16'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872722
जूलियन दिन 2461187.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 10
विशेष कमला एकादशी, जवाहरलाल नेहरु पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

अनुमंडल अस्पताल में अब सप्ताह में दो दिन मिलेगी शिशु रोग विशेषज्ञ की सेवा

साहिबगंज: सिविल सर्जन के निर्देश पर अनुमंडल अस्पताल में अब सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार व शनिवार को शिशु रोग विशेषज्ञ अपनी सेवा देंगे। मंगलवार को शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. फरोग हसन ने अस्पताल में बच्चों की जांच कर इलाज किया।
अस्पताल सूत्रों के अनुसार मंगलवार को कुल 42 बच्चों को चिकित्सीय परामर्श और इलाज किया गया। बच्चों को सर्दी, खांसी, बुखार समेत अन्य बीमारियों की जांच कर दवा दी गई। इलाज कराने पहुंचे बच्चों के माता पिता ने बताया कि पहले बच्चों को शिशु रोग विशेषज्ञ को दिखाने के लिए पश्चिम बंगाल और अन्य शहरों में जाना पड़ता था। इससे समय और पैसे दोनों की परेशानी होती थी। अब अस्पताल में ही बच्चों के डॉक्टर की सुविधा मिलने से काफी राहत मिली है। उधर, अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू ने बताया कि शिशु रोग विशेषज्ञ की सेवा प्रत्येक मंगलवार व शनिवार को नियमित रूप से उपलब्ध रहेगी।

बिजली चोरी में पांच पर प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज: बोरियो में बिजली विभाग के सहायक अभियंता शिवम पांडेय के नेतृत्व में बिजली चोरी के खिलाफ जांच अभियान चलाया गया। जांच में 5 लोगों को बिजली चोरी करते पकड़ा गया। उनके खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। सहायक अभियंता ने कहा कि बिजली चोरी के खिलाफ अभियान जारी रखा जाएगा।

बनस पूजा एवं मेला आज रात्रि को, भक्तों ने किया धुरिया लोटन

बड़कागांव : बड़कागांव राम जानकी मंदिर में बनस पूजा एवं मेले का आयोजन आज बुधवार रात्रि को आयोजन किया जाएगा ।वहीं गुरुवार की अहले सुबह भक्त 40 फीट ऊंचे लट्ठ से पीठ पर कील लगवाकर परिक्रमा करेंगे। बनस मंडा पूजा को लेकर पुजारी चिंतामणि महतो ने बताया कि इस वर्ष कुल 33 भक्त पूजा में शामिल है ,पिछले बार से 10 अधिक है। सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं छउ नृत्य का भी कार्यक्रम होगा। मंगलवार को सुबह भक्तों के द्वारा धूरीया लोटन कार्यक्रम किया गया। लगभग 1 किलोमीटर तक भक्त जमीन में लेटकर नदी पहुंचे ,जहां स्नान ध्यान के पश्चात भक्त राम जानकी मंदिर वापस लौटे।

बकरीद पर्व के मद्देनजर जिला स्तरीय शांति समिति की हुई बैठक

शांतिपूर्ण, सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संयमित तथा अनुशासित तरीके से पर्व-त्योहार मनायें : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में आगामी ईद उल जुहा (बकरीद) त्योहार के अवसर पर विधि व्यवस्था संधारण हेतु जिला स्तरीय शांति समिति के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी पर्व बकरीद त्योहार के दौरान विधि व्यवस्था, शांति व्यवस्था एवं जनसुविधाओं तथा सुगम यातायात व्यवस्था के संदर्भ में चर्चा कर सबसे सहयोग की अपील की गई।

उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि आगामी पर्व बकरीद को देखते हुए विधि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाएं रखने की आवश्यकता है। साथ ही हमें विशेष एहतियात एवं निगरानी बरतने की आवश्यकता है, ताकि शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में आगामी त्योहारों को संपन्न कराया जा सके। उपायुक्त ने सभी प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों को बकरीद पर विधि व्यवस्था संधारण हेतु पूरी चौकसी रखने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारी तथा पर्याप्त पुलिस बल प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान यदि किसी शरारती तत्व द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने की कोशिश की गई, तो उसके विरुद्ध कड़ी कारवाई की जाएगी। जिला प्रशासन सोशल मीडिया पर सख्त निगरानी रखेगी, सावधानी से सोशल मीडिया का उपयोग करें, किसी तरह के अफवाहों पर ध्यान नहीं दें, भ्रामक एवं अपुष्ट खबरों का सत्यापन प्रशासन से जरूर करा लें। उन्होंने बकरीद पर्व पर असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं दंडाधिकारियों को पूरी सतर्कता एवं सजगता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष को 247 क्रियाशील रखते हुए निगरानी रखी जाएगी ताकि असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण रखा जा सके।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने कहा कि विधि व्यवस्था बिगाड़ने तथा आपसी सौहार्द बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों वाले व्यक्ति के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था को लेकर पर्याप्त संख्या में दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति रहेगी। संवेदनशील स्थानों पर विशेष चौकसी बरती जाएगी। आपके उत्सव के माहौल में कोई बाधा नहीं पहुंचाये इस उद्देश्य से पुलिस प्रशासन द्वारा सभी एहतियाती कदम उठाये जा रहे हैं।

गंगा दशहरा पर हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगा दशहरा के मौके पर उत्तरवाहिनी गंगा में हजारों श्रद्धालुओं ने मंगलवार को आस्था की डुबकी लगाई। अहले सुबह से ही शहर, प्रखंड सहित बरहेट, बोरियो, दुमका, गोड्डा सहित प. बंगाल, बिहार आदि जगह से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने शहर के मुक्तेश्वर बिजली गंगा घाट, ओझा टोली घाट व आदि जगह पर मान्यता के अनुसार लोगों ने पूरे विधि विधान से गंगा स्नान कर गंगा पूजन और विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना कर दान पुण्य किया और अपने परिजनों के लिए सुख समृद्धि एवं मंगल का कामना किया। साथ ही श्रद्धालुओं ने अपनी मन्नत पूरी होने पर गंगा घाटों पर अपने बच्चों का मुंडन संस्कार कराया, वस्त्र, कबूतर, आदि अन्य चीजों का दान किया। सापा होड़ आदिवासी के समाज के श्रद्धालुओं ने भी गंगा स्नान कर

अपने तौर तरीके से पूजार्चना कर सुख समृद्धि के कामना किया। मान्यताओं के अनुसार, गंगा दशहरा के दिन गंगा नदी में स्नान करने से जीवन में आ रही समस्याएं दूर हो जाती हैं। इस विशेष दिन 10 चीजों के दान को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गंगा दशहरा के दिन- जल, अन्न, वस्त्र, फल, पूजन, श्रृंगार, घी, नमक, शक्कर और स्वर्ण का दान करना बहुत ही शुभ और फलदाई माना जाता है।

गंगा स्नान का विशेष महत्व:

भारतीय धार्मिक पुराणों के अनुसार गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है। इस दिन स्वर्ग से गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था, इसलिए यह महापुण्य कारी पर्व माना जाता है। गंगा दशहरा के दिन सभी गंगा मंदिरों में भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है। वहीं इस दिन मोक्षदायिनी गंगा का पूजन-अर्चना भी किया जाता है। गंगा दशहरा को लेकर सुबह से ही बजार में चहल-पहल शुरू हो गया था। जैसे-जैसे समय बढ़ते गया श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया दूरदराज के श्रद्धालु दो, तीन, चार पहिया वाहन एवं अन्य संसाधनों से गंगा तट पर पहुंचने लगे थे।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के आश्वासन के बाद शेरशाहबादी का धरना समाप्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी की ओर से साहिबगंज के बरहरवा प्रखंड मुख्यालय में 4 मई 2026 से शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को खत्म हो गया। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और राजमहल विधायक एमटी राजा की उपस्थिति में आंदोलनकारी को आश्वासन देने के बाद धरना को समाप्त कर दिया गया। मामले को लेकर पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि आंदोलनकारी को यह आश्वासन दिया गया है कि शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने को लेकर उपायुक्त और अन्य अधिकारियों से बातचीत हुई। जांच समिति के गठन का निर्णय धरना स्थल पर राजमहल एसडीओ सदानंद महतो

भी उपस्थित हुए। आंदोलनकारी की उपस्थिति में बातचीत हुई और फैसला लिया गया कि एक जांच कमेटी बनाई जाएगी। इस जांच कमेटी में शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी के सदस्य भी रहेंगे और एक रिपोर्ट तैयार कर राज्य सरकार को भेजी जाएगी। राज्य सरकार के केबिनेट से अगर संशोधन करना हो तो संशोधन करके उन्हें शेरशाहबादी जाति प्रमाण पत्र फिर से निर्गत करवाया जाएगा। मौके पर काफी संख्या में शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी के सदस्य और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

जन समाधान दिवस पर उपायुक्त ने सुनी आमजन की समस्याएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जन समाधान दिवस में उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को सभी मामलों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जन समाधान दिवस में मनरेगा, भूमि विवाद, छात्रवृत्ति, सेविका-सहायिका चयन सहित विभिन्न व्यक्तिगत एवं जनहित से जुड़े मामलों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने सभी मामलों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ लेते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक जांच कर पारदर्शी एवं

निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जन समाधान दिवस प्रशासन और आम जनता के बीच संवाद, विश्वास एवं जवाबदेही को मजबूत करने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है। ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े तथा उन्हें सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके।

खबर का असर : डोहरी पहाड़ में अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लिट्टीपाड़ा : पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत डोहरी पहाड़ में सरकारी जमीन पर चल रहे अवैध पत्थर खनन के मामले में आखिरकार प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। उल्लेखनीय है कि 22 मई को आपके अपने अखबार 'प्रत्युष नवबिहार' में इस मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया और जांच शुरू की गई। जिला खन पदाधिकारी राजेश कुमार द्वारा की गई जांच में डोहरी पहाड़ से बड़े पैमाने पर अवैध पत्थर खनन की पुष्टि हुई। जांच के दौरान करीब 25 से 30 ट्रैक्टर पत्थर के अवैध निष्कासन का

मामला सामने आया। साथ ही मौके से लगभग 120 घनफुट पत्थर बोल्डर भी जब्त किया गया।
जांच रिपोर्ट के आधार पर लिट्टीपाड़ा थाना में कांड संख्या 23/2026 दर्ज कर लिया गया है। मामले में एमएमडीआर एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अवैध खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते मामले को उजागर किए जाने के कारण प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी, जिससे सरकारी जमीन पर हो रहे अवैध खनन पर रोक लगाने की उम्मीद जगी है।

सदर अस्पताल में डॉक्टर की कमी से बिगड़ी व्यवस्था, एक डॉक्टर के सहारे चला पूरा इलाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सदर अस्पताल में मंगलवार को स्वास्थ्य व्यवस्था काफी हद तक एक डॉक्टर के सहारे चलती रही। इमरजेंसी, एसएनसीयू और बच्चों के इलाज की जिम्मेदारी डॉक्टर आशुतोष कुमार संभालते नजर आए। बढ़ती गर्मी के बीच मरीजों की संख्या बढ़ने से अस्पताल में दिनभर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। रोस्टर के अनुसार इमरजेंसी की ड्यूटी डॉक्टर आशुतोष कुमार की थी। वह समय पर अस्पताल पहुंचकर इमरजेंसी वार्ड में मरीजों का इलाज करने लगे। गर्मी बढ़ने के कारण अस्पताल में लगातार मरीज पहुंच रहे थे, जिनमें बच्चों की संख्या भी अधिक थी। इधर प्रथम तल्ला पर बच्चों को दिखाने पहुंचे परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। डॉक्टर के चेंबर के बाहर लंबी कतार लगी रही, लेकिन डॉक्टर इमरजेंसी वार्ड की व्यस्तता के कारण लगातार ऊपर-नीचे आते-जाते रहे। इमरजेंसी में

भीड़ कम होने पर वह बच्चों को देखने प्रथम तल्ला पहुंचते और फिर नीचे लौटकर इमरजेंसी मरीजों का इलाज करने लगते। इसके अलावा डॉक्टर आशुतोष कुमार को एसएनसीयू में भर्ती नवजात शिशुओं का रूटीन चेकअप भी करना पड़ा। कई परिजन अपने बच्चों को दिखाने के इंतजार में रहे, जबकि कुछ लोग बिना इलाज कराए ही वापस लौट गए। स्थिति उस समय और चुनौतीपूर्ण हो गई जब डॉक्टर को पोस्टमार्टम की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ी। बाद में इमरजेंसी वार्ड में मरीजों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए एक अन्य डॉक्टर को बुलाया गया, जिसके बाद मरीजों का इलाज सामान्य रूप से शुरू हो सका।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान, लोगों ने जताया जनाक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निदेर्शानुसार पेट्रोल एवं डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में मंगलवार को बरहरवा प्रखंड अंतर्गत हरिहरा स्थित मो शमसुल हक के इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप परिसर में प्रतीकात्मक जनाक्रोश कार्यक्रम एवं हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शाम 05 बजे से 07 बजे तक प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों ने बैनर-तख्ती के माध्यम से केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया तथा बढ़ती महंगाई पर चिंता व्यक्त की।
कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला अध्यक्ष सह

विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का सीधा असर आम जनता की दैनिक जरूरतों पर पड़ रहा है, जिससे महंगाई लगातार बढ़ रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से आम लोगों को राहत देने की मांग की। हस्ताक्षर अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपना समर्थन दिया तथा बढ़ती कीमतों के खिलाफ जनाक्रोश व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान एकत्रित हस्ताक्षरों को संबंधित पदाधिकारियों एवं केंद्र सरकार के समक्ष भेजने की बात कही गई, ताकि आम जनता की आवाज उचित मंच तक पहुंच सके। कार्यक्रम में काजल, अनंत लाल भगत, नेहाल अख्तर, गणेश सहा,तरीकुल आलम, रतन पेन, मोनवर हुसैन, नुरूल इस्लाम, शहाबुद्दीन, अब्दुल लतीफ, तैमूर जहां, दाऊद आलम, सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बकरीद के मद्देनजर पाकुड़ में निकाला गया फ्लैग मार्च

पाकुड़ : ज़िले में बकरीद पर्व के मद्देनजर जिले में विधि व्यवस्था के सफल संधारण एवं आमजनों में सुरक्षा एवं विश्वास का वातावरण कायम रखने को लेकर मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मेघा भारद्वाज एवं पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के नेतृत्व में प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया।
फ्लैग मार्च सिदो कान्हू मुर्मु पार्क से प्रारंभ होकर अंबेडकर चौक तक निकाला गया। इस दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में शहर के विभिन्न मार्गों से होकर मार्च किया गया। फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाना तथा पर्व के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने का संदेश देना था। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि जिला प्रशासन बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी नागरिकों से आपसी भाईचारा एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखते हुए प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से अफवाह फैलाने वालों पर प्रशासन की कड़ी नजर है। किसी भी प्रकार की भ्रामक या आपत्तिजनक सूचना फैलाकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपुष्ट सूचनाओं पर ध्यान नहीं देने तथा जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की अपील की। वहीं पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने कहा कि पर्व के दौरान जिले में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है तथा विधि व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। उन्होंने लोगों से शांति, सौहार्द एवं भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। फ्लैग मार्च के दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के वरीय पदाधिकारी एवं पुलिस बल के जवान उपस्थित थे।

पाकुड़ के सभी 28 सीएलएफ द्वारा प्याऊ की व्यवस्था शुरू

भीषण गर्मी में राहगीरों एवं आमजनों को उपलब्ध कराया जा रहा शीतल पेयजल

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज के निदेर्शानुसार भीषण गर्मी एवं लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए जिले के सभी 28 सीएलएफ (क्लस्टर लेवल फेडरेशन) द्वारा अपने-अपने स्तर से प्याऊ की व्यवस्था शुरू कर दी गई है। विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर राहगीरों, आमजनों एवं जरूरतमंद लोगों के लिए शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि लोगों को गर्मी से राहत मिल सके। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में संचालित इस जनहितकारी पहल के तहत सभी सीएलएफ सक्रिय रूप से जनसेवा के कार्य में जुटे हुए हैं। जानकारी दी गई कि बुधवार तक जिले के सभी 28 सीएलएफ द्वारा प्याऊ पूरी तरह संचालित कर दिए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान आमजनों को राहत पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित इकाइयों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि प्याऊ केंद्रों पर स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की समुचित व्यवस्था बनी रहे।

मां गंगा को 15 हजार लीटर दूध, 1100 नारियल अर्पित शाम में भव्य महाआरती कर पूजा का आयोजन

साहिबगंज: गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मंगलवार को साहिबगंज के गरम घाट और बिजली घाट भक्तिमय माहौल में डूबे रहे। जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव की अगुवाई में अहले सुबह मां गंगा की विशेष पूजा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच शुरू हुई। पुरोहितों ने पूरे विधि-विधान से पूजन कराया, जबकि बनारस से आए डमरू वादकों की गूंज ने वातावरण को भक्तिरस से भर दिया।श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पूजा-अर्चना और दान-पुण्य किया। स्टीमर नाव से मां गंगा को 15 हजार लीटर दूध, सवा क्विंटल लड्डू, सवा क्विटल बतासा, 1100 नारियल और 1100 कमल फूल अर्पित किए गए। शाम को बनारस की तर्ज पर भव्य गंगा महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यह धार्मिक अर्पण यात्रा गरम घाट से शुरू होकर बिहार के मनिहारी गंगा घाट तक पहुंची और वहां से वापस साहिबगंज के बिजली घाट तक संपन्न हुई। इसके अलावा बिजली घाट स्थित मुक्तेश्वर धाम मंदिर में शिवलिंग पर सवा क्विंटल दूध से अभिषेक किया गया। इस दौरान पूरा घाट "हर-हर गंगे" और "बम-बम भोले" के जयघोष से गूंजता रहा। इस मौके पर सुनील यादव ने कहा कि गंगा दशहरा हिंदू धर्म का अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक और आध्यात्मिक पर्व है। महाआरती के लिए बनारस से 71 सदस्यीय विशेष टीम साहिबगंज पहुंची और घाट को फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया। मौके पर राहुल यादव, राजीव यादव, जुलाई यादव, शिव लखन यादव, योगी यादव, पिन्टू यादव सहित सैकड़ों श्रद्धालु थे।

डिग्री कॉलेज में बन रही सड़क की प्रगति धीमी

साहिबगंज: जिले के बोरियो प्रखंड में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पीडब्ल्यूडी सड़क से शिबू सोरेन डिग्री कॉलेज होते हुए शिबू सोरेन ट्राईबल इंटर कॉलेज तक बन रही सड़क की प्रगति अत्यन्त धीमी है। डिग्री एवं इंटर कॉलेज प्रशासन ने जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य में प्रगति लाने की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पीडब्ल्यूडी सड़क से डिग्री कॉलेज होते हुए शिबू सोरेन ट्राइबल इंटर कॉलेज तक सड़क का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग कार्यप्रमण्डल साहिबगंज से होना है। सड़क निर्माण की एकरारनामा राशि -9548914.80 रूपए है। सड़क का शिलान्यास पांच जनवरी 2026 को हुआ है। चार माह बीत जाने के बाद भी सड़क निर्माण कार्य की प्रगति अत्यन्त धीमी है। संवेदक द्वारा सड़क का कालीकरण का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। केवल इन्टर कॉलेज से पीडब्ल्यूडी सड़क तक पीसीसी कर छोड़ दिया है। हलांकि कार्य स्थल पर मेटेरियल गिरा कर छोड़ दिया गया है। वर्तमान में कार्य बंद है। कॉलेज प्रशासन ने अविलंब सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने की मांग की है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के विरोध में मंगलवार को कांग्रेस ने जिला के चाईबासा स्थित शहीद पार्क आईबीपी पेट्रोल पंप पर हस्ताक्षर अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष रंजन बोयपाई ने किया।
मौके पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से आम जनता की आवाज केंद्र सरकार तक पहुंचाई जाएगी और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तत्काल कमी की मांग की जाएगी। कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक प्रखंड स्तर पर लोगों से संपर्क कर बढ़ती महंगाई के खिलाफ जनमत तैयार करेंगे। कांग्रेस जिला प्रभारी धर्मेन्द्र सोनकर ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है, लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार जनता को राहत देने के बजाय केवल टैक्स वसूली में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल पर लगाए गए उत्पाद शुल्क और अन्य करों के कारण ईंधन की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुकी हैं। इसका असर परिवहन, खाद्य सामग्री, खेती-किसानी और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ रहा है।
कांग्रेस जिलाध्यक्ष रंजन बोयपाई ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद आम लोगों को इसका लाभ नहीं दिया गया। केंद्र सरकार तेल कंपनियों के माध्यम से जनता पर आर्थिक बोझ डाल रही है।
कांग्रेस जिला प्रवक्ता त्रिशानु राय ने कहा कि कांग्रेस संगठन ने मांग की है कि केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल पर लगाए गए अतिरिक्त करों को कम कर आम जनता को राहत दे।
अभियान में सन्नी सिंकु, अशरफुल होदा, सुरेश सावैयां, सुरज मुखी, दिकु सावैयां, ललित दोराईबुरु, मंजीत प्रधान, सीताराम गोप, सोनाराम कोड़ाह, सुरेश चंद्र सावैयां, सिकुर गोप, संजय हेम्ब्रम, चंद्रभूषण बिरुवा, सकारी दोंगो, जादोराय मुंडरी, शैलेश गोप, राहुल पूर्ती, सुखलाल हेम्ब्रम, जम्बी कुदादा, राखी सालुजा, सुनीता लकड़ा सहित अन्य मौजूद थे।

बालीडीह थाना के एएसआई को एसीबी ने पांच हजार रिश्वत लेते रंगेहाथ दबोचा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बालीडीह थाना में पदस्थापित एएसआई याकूब अंसारी को मंगलवार को धनबाद एसीबी की टीम ने पांच हजार रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा और उसे गिरफ्तार कर धनबाद ले गई। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, धनबाद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार (एसीबी) धनबाद की टीम ने बोकारो जिले के बालीडीह थाना में पदस्थापित सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) याकूब अंसारी को पांच हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई मंगलवार को धनबाद एसीबी की धावादल टीम ने गुप्त शिकायत के सत्यापन के बाद की।
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अनुसार, शिकायतकर्ता ने एसीबी मुख्यालय रांची में आवेदन देकर आरोप लगाया था कि वर्ष 2009 में खरीदी गई जमीन से जुड़े मामले की जांच के नाम पर बालीडीह थाना में पदस्थापित एएसआई याकूब अंसारी द्वारा पांच हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह रिश्वत देकर काम नहीं कराना चाहता था और आरोपी पुलिस पदाधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी धनबाद की टीम ने मामले का सत्यापन कराया। जांच में रिश्वत मांगने की पुष्टि होने पर धनबाद थाना कांड संख्या-04/2026, दिनांक 25 मई 2026 दर्ज किया गया।

समागम रीयूनियन का प्रथम वर्षगांठः 94 बैच ने मनाया आनंद और मेल-जोल का पर्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : समागम रीयूनियन प्रोग्राम का प्रथम वर्षगांठ आज 94 बैच द्वारा प्रभात होटल, बोकारो में धूमधाम से मनाया गया। गत वर्ष यह कार्यक्रम 25 मई 2025 को बोकारो क्लब में आयोजित किया गया था। इस वर्ष हुए आयोजन में लगभग 105 सदस्य शामिल हुए और कार्यक्रम का मंच संचालन देवेंद्र कुमार तथा ज्योत्सना आनंद ने संयुक्त रूप से किया।
कार्यक्रम में भावनात्मक व प्रेरणादायक क्षण तब देखे गए जब नीतू कुमारी, जो पिछले आयोजनों के दौरान कैंसर से जूझ रही थीं, स्वस्थ होकर इस वर्ष की रीयूनियन में शामिल हुईं। नीतू ने कहा कि समागम समूह के हंसी-मजाक, मस्ती और ज्ञानवर्धक बातचीत ने उन्हें कैंसर से लड़ने की ताकत दी और यही वजह है कि आज वह मंच पर उपस्थित हैं।
रीयूनियन में खास आकर्षण रहे संगीत कार्यक्रम, जिसमें मिंटू ठाकुर, कविता श्रीवास्तव, अजय पांडे, राजेश पाठक और देवेंद्र कुमार ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी मित्रों को झूमने पर मजबूर कर दिया। अमरजीत कुमार ने अपने वाहन से 48 घंटे का लंबा सफर तय कर आयोजन में भाग लेकर समागम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया, जिसे सदस्यों ने सराहा। कार्यक्रम में शामिल होने वालों में रजनीकांत, प्रभात कुमार, विकास मंडल, अनिल श्रीवास्तव, संतोष सिंह, सुनील कुमार, अनुपमा सिंह, पुष्पा, सुषमा, रीना, मुक्त कुमारी, रीता कुमारी, मनोज सिंह, पंकज, रवींद्रनाथ, जसवीर, चंदन ठाकुर, राजीव भारद्वाज, चंद्रमोलेश, अजीत कुमार, रमन सिंह, सोनू समीम, सलामुद्दीन, मेहंदी हसन, जितेंद्र, रवि तिवारी, भरत शाह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भुरकुंडा विजय ज्वेलर्स डकैती कांड अब भी अनसुलझा, पुलिस जांच पर उठे सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भुरकुंडा में हुई विजय ज्वेलर्स डकैती कांड को करीब एक साल बीत जाने के बाद भी पुलिस सुलझा नहीं पाई है। थाना से कुछ ही दूरी पर हुई इस बड़ी वारदात ने उस समय पूरे इलाके में दहशत फैला दी थी। 20 दिसंबर 2025 की शाम करीब 8 बजे हथियारबंद अपराधियों ने दुकान में घुसकर लाखों रुपये के जेवरात लूट लिए थे। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई थी और यह मामला जिले की सबसे बड़ी डकैती घटनाओं में शामिल हो गया था।
घटना के बाद पुलिस ने जल्द खुलासा करने का दावा किया था, लेकिन समय बीतने के बावजूद न तो अपराधियों की गिरफ्तारी हो सकी और न ही जांच में कोई बड़ा खुलासा सामने आया। इससे स्थानीय लोगों और व्यापारियों में लगातार नाराजगी बनी हुई है। समय के साथ यह मामला धीरे-धीरे सुर्खियों से बाहर जरूर चला गया, लेकिन भुरकुंडा के लोगों के बीच यह सवाल अब भी बना हुआ है कि थाना के इतने करीब हुई इतनी बड़ी डकैती का सुराग आखिर अब तक क्यों नहीं मिल पाया।
अब जिले में नए पुलिस नेतृत्व के आने के बाद लोगों को इस मामले में फिर से उम्मीद जगी है कि जांच को नई दिशा मिलेगी और दोषियों तक पुलिस जल्द पहुंचेगी।
स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि इतनी बड़ी घटना के इतने लंबे समय तक अनसुलझे रहने से सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों की मांग है कि केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई कर अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए ताकि इलाके में भरोसा बहाल हो सके।

बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाना हमारा संकल्प : झामुमो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो महानगर समिति अध्यक्ष मंटू यादव के नेतृत्व में बोकारो परिसदन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए झामुमो बोकारो जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने कहा कि संगठन की मजबूती और विस्तार को लेकर बोकारो महानगर में लगातार बैठकों का दौर जारी है। हमारा मुख्य संकल्प बूथ स्तर पर पार्टी समर्थित कार्यकताओं को सशक्त और सक्रिय बनाना है। हर क्षेत्र और हर सेक्टर में हमारे साथी पूरी ऊर्जा के साथ जुट चुके हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय नेतृत्व में झामुमो का एक-एक सिपाही जन-जन की आवाज बनने और संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है। अध्यक्ष मंटू यादव ने इस भीषण गर्मी में आम जनता को हो रही परेशानियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पानी, बिजली और स्वास्थ्य की सुविधाओं से कोई भी नागरिक वंचित न रहे। इसके लिए संबंधित अधिकारी जनता की बात संवेदनशीलता से सुनें और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करें। मंटू यादव ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना और स्थानीय युवाओं व विस्थापितों के मुद्दों को प्रखरता से उठाना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है।

दामोदर-भैरवी संगम पर आस्था का महासंगमः गंगा दशहरा पर गूंजी महाआरती, नदी बचाने का लिया गया संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रजरप्पा : गंगा दशहरा के पावन अवसर पर रविवार को मां छिन्नमस्तिका की पवित्र धरती स्थित दामोदर-भैरवी संगम तट पर "दामोदर बचाओ आंदोलन-2026" के तहत भव्य "देव नद दामोदर महोत्सव" का आयोजन किया गया। श्रद्धा, आस्था और पर्यावरण संरक्षण के संदेश से ओतप्रोत इस आयोजन में गंगा पूजन और महाआरती के साथ दामोदर एवं भैरवी नदी की स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने का संकल्प लिया गया।
कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने मां गंगा की विधिवत पूजा-अर्चना कर समाज और मानव कल्याण की कामना की। महाआरती के दौरान पूरा संगम क्षेत्र भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आया। उपस्थित लोगों ने मां गंगा से प्रार्थना की कि दामोदर और भैरवी नदी सदैव अविरल, निर्मल और जीवनदायिनी बनी रहे।
दामोदर बचाओ आंदोलन के संयोजक पंचम चौधरी और सह-संयोजक पॉपेश पांडा ने कहा कि नदियों की स्वच्छता और संरक्षण केवल अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा विषय है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि नदी तटों को प्रदूषण मुक्त रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।
कार्यक्रम में संजय प्रभाकर, मनोज कुमार मिश्रा, प्रो. मनोज झा, पीयूष तिवारी, नेपाल महतो, शिवप्रकाश, निहार रंजन, विजय प्रसाद, प्रदीप महतो, दिगंबर महतो, नीरज कुमार पाठक, बिनोद जायसवाल, मुकुल भारद्वाज, रंजिता, प्रमोद कुमार प्रजापति, पॉपेश पांडा, शुभाशीष पांडा, भारद्वाज, हरेंद्र कुमार सिंह, बिनोद लाल खन्ना, महेंद्र सिंह, अर्जुन साहनी, विक्की कुमार, राहुल निषाद, स्नेहलता चौधरी, दिलचंद महतो, रोहित सिंह, रत्नेश कुमार, ज्योत्सना, पूनम, हर्षिता, सुरभि कुमारी, गुरुपद और पुजारी चिंकू पंडित समेत बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान नदी संरक्षण, स्वच्छता और प्रकृति बचाने का संदेश प्रमुखता से दिया गया। श्रद्धालुओं ने एक स्वर में कहा कि दामोदर और भैरवी केवल नदियां नहीं, बल्कि क्षेत्र की आस्था और जीवन की पहचान हैं।

एक नजर

35 किमी लंबी तेनू नहर पर उमड़ रहे नहाने वाले

बोकारो : तेनू बोकारो नहर, जो बीएसएल प्लांट की जीवनदायिनी के रूप में क्षेत्र को पानी उपलब्ध कराती है, इन दिनों तीव्र गर्मी और चिलचिलाती धूप से राहत पाने के लिए आमजनों की पहली पसंद बन गई है। नहर की कुल लंबाई करीब 35 किलोमीटर है और उसके किनारों पर रहने वाले लोग ही नहीं, आसपास के दूर-दराज के गाँवों के लोग भी तानाबाना बना कर नहाने आ रहे हैं। स्थानीय निवासी बताते हैं कि खासकर तुपकाडीह के पास नहर के तट पर बड़ी संख्या में लोग नहा रहे हैं। बच्चे नहर के पानी में खेलकर रील बना रहे हैं, जबकि युवा फोटोशूट और सेल्फी के लिए आते दिखते हैं। नहर का ठंडा पानी सिर्फ नहाने तक सीमित नहीं, कई लोग पानी बाल्टी—बोतल में भरकर घर ले जा रहे हैं और ग्रामीणों का कहना है कि यह पानी पशुओं को पिलाने के काम भी आ रहा है।

बैंक कर्मी की हत्या से आक्रोश, जांच और गिरफ्तारी की उठी मांग

गोमिया : गोमिया थाना क्षेत्र में बैंक ऑफ बड़ौदा के कर्मी बिनय कुमार सिंह चौधरी की निर्मम हत्या से पूरे इलाके में आक्रोश और दहशत का माहौल है। मृतक अपने किराए के आवास में रह रहे थे, जहां अज्ञात अपराधियों ने गला दबाकर उनकी हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, ड्यूटी से लौटने के बाद उनके आवास में बेडशीट के टुकड़े को रस्सी की तरह इस्तेमाल कर इस वारदात को अंजाम दिया गया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे दो छोटे बच्चों सहित परिवार को गहरे सदमे में छोड़ गए हैं। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है और पुलिस प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की जा रही है। इस मामले में गोमिया थाना में हत्या का आवेदन दिया जा रहा है और लोगों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। स्थानीय लोगों और परिजनों की ओर से मांग की गई है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल का गठन किया जाए।

एमजीएम का अमन भोपाल साईं सेंटर द्वारा जूडो खेल के लिए चयनित

बोकारो : जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सब जूनियर जूडो प्रतियोगिता जोकि 18 से 20 नवंबर हैदराबाद तेलंगाना में आयोजित की गई थी। एमजीएम स्कूल के आठवीं का छात्र अमन कुमार ने हरियाणा, त्रिपुरा, यूपी, बिहार को शिकस्त देते हुए शानदार खेल का प्रदर्शन कर कांस्य पदक हासिल किया था। बोकारो जूडो संघ के सचिव एवं अमन के जूडो प्रशिक्षक राजीव सिंह ने बताया कि अमन कुमार बोकारो के पहले ऐसे खिलाड़ी है जो फेडरेशन राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में पदक जीता है तथा राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल कर चुके हैं। अमन के सब जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीतने पर उनका ट्रायल भोपाल साईं सेंटर के द्वारा लिया गया था जिसमें बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा भोपाल साइ सेंटर में किया गया।

संक्षिप्त खबरें

कानून की जानकारी से ही सभ्य समाज का निर्माण संभव : अधिवक्ता

कोडरमा : 90 दिन गहन विधिक जागरुकता शिविर के पंचायत भवन योगीयाटिलहा जयनगर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता किरण कुमारी कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को उचित माध्यम से उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है। साथ ही कानून के प्रति जागरूक करना है। जिससे अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंच सके। वही डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए कहा कि कानून की जानकारी सबों के लिए आवश्यक है। कानून के जानकारी से ही सभ्य एवं सुव्यवस्थित समाज का निर्माण संभव। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों, शिक्षा का अधिकार, अधिकार और कर्तव्य पर विस्तृत रूप से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानून की अवहेलना करने पर दंड का प्रावधान है। वहीं उन्होंने बताया कि बाल विवाह एक सामाजिक समस्या है जिसे हम सभी को मिलकर दूर करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह करना या कराना या उसमें शामिल होना कानूनन दंडनीय अपराध है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा, रमाकांत मिश्रा सर के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। आईटी एक्ट से संबंधित विस्तृत रूप से जानकारी दी। मौके पर, मुखिया, पीएलबी दिनेश रविदास, राजकुमारी देवी, चमेली देवी के अलावे दर्जनों ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

मजिस्ट्रेट के खराब वाहन को धक्का देने वाली तस्वीर खींचने पर रिपोर्टर डिटेन

बोकारो : संविधान के अनुसार सरकार के तीन प्रमुख स्तंभ कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका है। लेकिन, लोकतंत्र का चौथा स्तंभ पत्रकारिता को माना जाता है। इस स्तंभ को कई बार जाने अंजाने में कानून के रक्षकों की चाबुक की पीड़ा सहनी पड़ती है। वर्तमान मामला बोकारो के पिण्ड्राजोरा थाना क्षेत्र की है। मंगलवार को दैनिक भास्कर के रिपोर्टर युधिष्ठिर महतो को पिण्ड्राजोरा पुलिस ने डिटेन कर लिया है। जानकारी अनुसार मजिस्ट्रेट जया कुमारी का वाहन पिण्ड्राजोरा सुबास चोक के समीप खराब हो गई, जिससे धक्का देकर स्ट्राट करने का प्रयास किया जा रहा था। इस दरमियान दैनिक भास्कर के पत्रकार ने खराब गाड़ी को धक्का हुए फोटो खींच लिया, इसके कारण जया कुमारी के सूचना पर पिण्ड्राजोरा पुलिस ने थाना में युधिष्ठर महतो बैठाकर रखा है।

चास में प्रचंड गर्मी के बीच राहगीरों को आमरस-शरबत और ठंडा जल उपलब्ध कराया

बोकारो : बुधवार को चास के कुलदीप टॉकीज मोड़ पर "चास बोकारो हैल्पिंग हैंडस" इकाई ने प्रचंड गर्मी को देखते हुए राहगीरों और आसपास के लोगों के बीच आम का पानी, ठंडा शरबत तथा आमरस वितरण कर राहत का काम किया। आयोजन की अध्यक्षता संजय सोनी ने की, जिसमें दर्जनों युवाओं ने सेवा-कार्य में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवियों और स्थानीय सोने-चांदी के कारिगरों ने भी सहयोग दिया। संजय सोनी ने कहा, "भारी गर्मी में राहगीरों को पानी पिला कर सेवा करना भगवान की सेवा के समान है। जल ही जीवन है और इसकी कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं।" उन्होंने लोगों से तात्कालिक ताप से बचाव और जरूरतमंदों की मदद करने का आह्वान किया। सुभाषचन्द्र मोती ने लोगों से आग्रह किया कि अपने घरों की छतों या बाहरी स्थानों पर बर्तन में थोड़ा-सा पानी रखना चाहिए ताकि प्यासे पशु-पंक्षियों को पीने को मिल सके। उन्होंने कहा, यह उपाय जल संरक्षण और जीवसंरक्षण के लिए आवश्यक है; युवाओं को ऐसे कार्यों में आगे आना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. शुभम सागर, सन्नी सागर, राहुल सिंह, रामबालक यादव, जितेन्द्र लाल, कारिगर संघ के अध्यक्ष नितीश कारीगर, पंकज कारीगर, मिट्ठु कारीगर, दिनु कारीगर, माणिक कारीगर, समाजसेवी लल्ली सरदार, लोकनाथ राजा, साव रियांश, राज अंशु साह, संतोष जयसवाल सहित अनेक स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। उन्होंने मिलकर राहगीरों को पेयजल और आमरस वितरित किए तथा आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन भी दिया। स्थानीय लोगों ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सामुदायिक प्रयास गर्मी के दौरान राहत पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजकों ने भविष्य में भी इसी तरह के जनहित कार्य जारी रखने का वादा किया।

इलेक्ट्रोस्टील वेदांता के मनमानी के खिलाफ अनिश्चितकालीन चक्का जाम

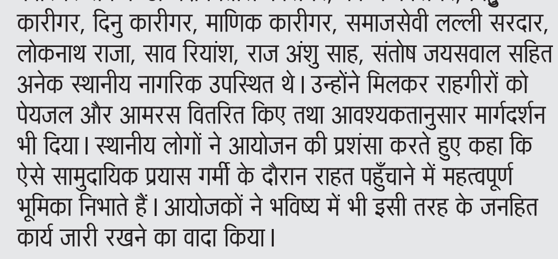

तलगडिया : सियारजोरी में असंगठित मजदूर मोर्चा एवं भाकपा माले नेतृत्व में एक अतिआवश्यक बैठक कामरेड भीम रजक के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस बैठक में विभिन्न जनमुद्दों को लेकर जनआंदोलन करने का निर्णय लिया गया एवं प्रभावित गांव का दौरा करके जून महीना में इलेक्ट्रोस्टील वेदांत का चक्का जाम किया जाएगा क्योंकि स्थानीय लोगों को रोजगार से वंचित रखने का काम किया जा रहा है। इस बैठक में मुख्य रूप से भाकपा माले राज्य कमेटी सदस्य कामरेड लाल मोहन रजवार, कामरेड सुरेश चन्द्र महतो, कामरेड मनोज कुमार महतो, कामरेड बिल्टु रजवार, कामरेड मन्टु लाल महतो, कामरेड भवेश रजवार, कामरेड सागर रजवार, कामरेड पशुपति महतो, कामरेड दुलाल महतो, कामरेड तारापद महतो, कामरेड रामवृक्ष महतो एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

गांधी घाट में सनसनीखेज हादसा: स्नान के दौरान तीन युवक गंगा में डूबे

पटना (एजेंसी) पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र स्थित गांधी घाट पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया. गंगा नदी में स्नान करने के दौरान तीन युवक डूब गए, जिनकी मौत हो गई. (नीतीश सिंह) पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र स्थित गांधी घाट पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया. गंगा नदी में स्नान करने के दौरान तीन युवक डूब गए, जिनकी मौत हो गई. सूचना मिलते ही पुलिस और रउक्र्रक्की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया. एक युवक को बचाने के प्रयास में दो और डूबे जानकारी के अनुसार सुबह करीब आठ बजे कंकड़बाग निवासी 20 वर्षीय समर कुमार अपने दो दोस्तों के साथ गंगा स्नान करने गांधी घाट पहुंचा था. नहाते समय समर गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा. उसे बचाने के लिए उसके दोनों साथी भी नदी में कूद पड़े, लेकिन वे भी तेज धारा की चपेट में आ गए और तीनों डूब गए. मौके पर घटना की सूचना पर पीरबहोर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और की मदद से सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया. कुछ ही समय में तीनों युवकों के शव बरामद कर लिए गए. मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेजा गया है. समर कुमार की पहचान हो चुकी है, जबकि दो अन्य युवकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है. पुलिस आगे की जांच और शिनाख्त में जुटी है.

रोहतास के संझौली सीएचसी में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मी विनोद पांडेय का निधन

पटना (एजेंसी) रोहतास के स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत 56 वर्षीय स्वास्थ्यकर्मी विनोद पांडेय के आकस्मिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई. उनके निधन की खबर मिलते ही स्वास्थ्य विभाग, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की. रोहतास जिले के संझौली प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में कार्यरत 56 वर्षीय स्वास्थ्यकर्मी विनोद पांडेय के अचानक निधन से पूरे इलाके में शोक का माहौल है. विनोद पांडेय स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे थे और अपने सरल स्वभाव, ईमानदारी तथा कर्तव्यनिष्ठा के कारण लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थे. अचानक बिगड़ी तबीयत, इलाज के दौरान हुई मौत जानकारी के अनुसार, मंगलवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई. परिजन और सहकर्मी उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें बचाने का भरसक प्रयास किया. हालांकि इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई. उनके निधन की खबर फैलते ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में मातम पसर गया. मरीजों की सेवा के लिए हमेशा रहते थे तत्पर विनोद पांडेय को जानने वाले लोगों का कहना है कि वे हमेशा मरीजों की सेवा के लिए तत्पर रहते थे. जरूरतमंदों की मदद करना उनकी आदत में शामिल था. चाहे अस्पताल का कार्य हो या किसी गरीब मरीज की सहायता, वे हर समय आगे रहते थे. यही कारण था कि स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों के साथ-साथ स्थानीय लोग भी उनका काफी सम्मान करते थे. स्वास्थ्य केंद्र परिसर में दी गई श्रद्धांजलि
उनके निधन के बाद स्वास्थ्य केंद्र परिसर में सहकर्मियों द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. इस दौरान उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. सहकर्मियों ने कहा कि विनोद पांडेय का निधन स्वास्थ्य विभाग के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई कर पाना आसान नहीं होगा. जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने जताया शोक
वहीं, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं और विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने भी गहरा दुख व्यक्त किया है. सभी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की. अंतिम दर्शन के लिए उमड़ी लोगों की भीड़
परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव और आसपास के क्षेत्रों में भी उनके निधन की खबर से शोक का माहौल बना हुआ है. अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उनके आवास पर उमड़ पड़ी, जहां सभी ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी. विनोद पांडेय का निधन न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे स्वास्थ्य विभाग और संझौली क्षेत्र के लिए एक बड़ी क्षति माना जा रहा है। उनकी सेवाओं और व्यवहार को लोग लंबे समय तक याद रखेंगे.

पूर्वी भारत में गरीबी और असमानता पर बड़ा मंथन, संयुक्त कार्यबल बनाने की उठी मांग

पटना (एजेंसी) पूर्वी भारत में गरीबी, असमानता और सतत विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए पटना मैनेजमेंट एसोसिएशन) और कोलकाता मैनेजमेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में एक उच्च स्तरीय वेबिनार आयोजित किया गया। ह्लगरीबी और असमानता : एक अंतर-देशीय विश्लेषणह्व विषय पर हुए इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय सहयोग और नीति सुधार पर अपने विचार रखे. (सुबोध कुमार) पूर्वी भारत में गरीबी, असमानता और सतत विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए पटना मैनेजमेंट एसोसिएशन और कोलकाता मैनेजमेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में एक उच्च स्तरीय वेबिनार आयोजित किया गया। ह्लगरीबी और असमानता : एक अंतर-देशीय विश्लेषणह्व विषय पर हुए इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय सहयोग और नीति सुधार पर अपने विचार रखे. स्वागत भाषण में विकास मॉडल पर जोर कार्यक्रम का स्वागत भाषण सुधा डेयरी के पूर्व प्रबंध निदेशक एवं पीएमए के संरक्षक डी.के. श्रीवास्तव ने दिया। उन्होंने विकास प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए सतत विकास की दिशा में संगठित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया. गरीबी और असमानता पर गंभीर चर्चा पीएमए के अध्यक्ष अधिवक्ता बसंत कुमार सिन्हा ने पूर्ण एवं सापेक्ष गरीबी, आय असमानता तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास और रोजगार में व्याप्त विषमताओं पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस नीति और सामाजिक भागीदारी को जरूरी बताया. सामाजिक इंजीनियरिंग को बताया विकास की कुंजी पूर्व आईएएस अधिकारी एवं पीएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार रथ ने गरीबी उन्मूलन में नागरिक समाज संगठनों और पंचायत स्तर की संस्थाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया. उन्होंने कहा कि सामाजिक इंजीनियरिंग ही आर्थिक समृद्धि का आधार बन सकती है. चार राज्यों के लिए संयुक्त कार्यबल का सुझाव कलकत्ता मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रनील बनर्जी ने बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के लिए संयुक्त ह्लसतत विकास कार्य बलह्व गठित करने का सुझाव दिया. उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों की जागरूकता को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया. वेबिनार में अर्थशास्त्री डॉ. मनोज कुमार मिश्रा एवं आईसीएआर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष उपाध्याय ने वैश्विक और भारतीय संदर्भ में सतत विकास लक्ष्यों की स्थिति पर रिपोर्ट प्रस्तुत की. कार्यक्रम का समापन पीएमए के सचिव इंजीनियर मणि किशोर दास के संबोधन और डॉ. नीलेश नारायण के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ.

बिहार विधान परिषद की 10 सीटों पर चुनाव घोषित, 18 जून को मतदान

पटना (एजेंसी) बिहार विधान परिषद की 10 सीटों पर चुनाव की घोषणा कर दी गई है. इलेक्शन कमीशन की ओर से सूचना मंगलवार को जारी कर दी गई है. इसमें चुनाव को लेकर पूरा शेड्यूल जारी किया गया है. इन सीटों पर 18 जून को वोटिंग होगी. (पटना से मिथिलेश कुमार की रिपोर्ट) बिहार विधान परिषद की दस सीटों लिए चुनाव की घोषणा कर दी गई है. चुनाव आयोग ने मंगलवार को इसकी सूचना जारी की है. पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की खाली सीट समेत नौ अन्य सदस्यों का कार्यकाल 28 जून को समाप्त हो रहा है. इन सभी सीटों पर 18 जून को मतदान कराया जाएगा. पहली जून को विधिवत अधिसूचना जारी होगी. इसके साथ ही नामांकन का कार्य आरंभ हो जाएगा. जानिए चुनाव का पूरा शेड्यूल पहली जून से आठ जून तक नामांकन होगा. नौ जून को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी. 11 जून तक नाम वापसी का समय है. दस नामांकन होने की स्थिति में 11 जून को नाम वापसी की समय खत्म हो जाने के बाद निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा कर दी जाएगी. दस से अधिक नामांकन की स्थिति में 18 जून को मतदान कराया जाएगा. विधानसभा कोटे की इन दस सीटों के लिए 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक वोट डाला जाएगा. शाम चार बजे के बाद मतों की गिनती होगी और परिणाम जारी होगा. इनके कार्यकाल हो रहे खत्म डॉ. कुमुद वर्मा, प्रो. गुलाम गौस, मो. फारूख, भीषम साहनी, श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, संजय प्रकाश, समीकर कुमार सिंह, सम्राट चौधरी और सुनीरल कुमार सिंह का कार्यकाल 28 जून को खत्म हो रहा है. इन पदों पर द्विवार्षिक चुनाव कराए जायेंगे. पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की खाली सीट को भरे जाने के लिए भी उप चुनाव कराने की घोषणा की गई है उनके कार्यकाल खत्म होने के बाद परिषद में कांग्रेस के सिर्फ दो सदस्य ही बचेंगे. इसी प्रकार राजद को भी एक सीट का नुकसान उठाना पड़ेगा. उसके दो सदस्य रिटायर हो रहे है. जबकि विधानसभा में संख्या बल के आधार पर पार्टी मात्र एक सदस्य को ही विधान परिषद भेज सकेगी. चुनाव में सबसे अधिक जदयू कोटे की पांच सीटें विधान परिषद की जिन 10 सीटों का कार्यकाल जून में समाप्त हो रहा है, उनमें सबसे अधिक पांच सीटें जदयू कोटे की हैं. भाजपा और राजद के दो-दो सदस्य रिटायर हो रहे हैं. राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि एनडीए कोटे से दो मंत्रियों का विधान परिषद पहुंचना लगभग तय माना जा रहा है. इनमें स्वास्थ्य मंत्री निशांत और पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश का नाम है. भाजपा कोटे से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और संजय प्रकाश की सीटों का कार्यकाल भी 28 जून को समाप्त हो रहा है. लेकिन भाजपा अभी यह तय नहीं कर पाई है कि इन सीटों पर किन चेहरों को मौका दिया जाएगा. जदयू की जिन सीटों पर चुनाव होना है, उनमें कुमुद वर्मा, गुलाम गौस, भीष्म सहनी और श्रीभगवान सिंह कुशवाहा के इस्तीफे से रिक्त सीटें शामिल हैं. इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे से खाली हुई सीट पर भी उपचुनाव कराया जाना है.

पटना में देर रात बदला मौसम का मिजाज, आज 26 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, IMD की एडवाइजरी

पटना (एजेंसी) बिहार में इन दिनों दो तरह का मौसम देखने के लिए मिल रहा है. सीमांचल के कई जिलों में आंधी-बारिश का दौर जारी है. जबकि दक्षिण बिहार के जिलों में हीट वेव जैसी स्थिति बनी हुई है. इस बीच मौसम विभाग ने आज 26 जिलों में अलर्ट जारी किया है. राजधानी पटना समेत कई जिलों में देर रात मौसम का मिजाज बदला. पटना में तेज हवा चलने के साथ कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई. इसके साथ ही खगड़िया में भी बारिश दर्ज की गई. जबकि बेगूसराय और भागलपुर जिले में तेज आंधी आई. इस बीच आज भी मौसम विभाग ने आंधी-बारिश को लेकर चेतावनी जारी किया है. बिहार के इन जिलों में अलर्ट जारी मौसम विभाग की माने तो, 26 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश और ठनका गिर सकता है. इस जिलों में पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, सीवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, बांका और जमुई शामिल है. इसके साथ ही मौसम विभाग की ओर से 7 जिलों में हीट वेव को लेकर चेतावनी भी जारी किया गया है. इन जिलों में बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, सुपौल, अररिया और किशनगंज शामिल है. इस तरह से आज भी बिहार में दो तरह का मौसम बना रह सकता है. उत्तर बिहार और सीमांचल के जिलों में आंधी-बारिश जबकि दक्षिण बिहार के जिलों में हीट वेव जैसी स्थिति रह सकती है. पटना में मौसम का हाल राजधानी में गर्म और शुष्क हवा की वजह से लू जैसे हालात हैं, जबकि उत्तर बिहार में बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी युक्त हवा के कारण बादल छाये रहने के साथ कुछ जगहों पर बादल गरजने के साथ आंधी-पानी भी हो सकती है. मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के अनुसार अगले 24 घंटे में पटना सहित दक्षिण बिहार में मौसम गर्म और शुष्क बना रह सकता है. साथ ही उत्तर बिहार के ज्यादातर जिलों में आंशिक रूप से बादल छाये रहने और बादल गरजने के साथ आंधी-पानी को लेकर चेतावनी जारी की गई है. सोमवार को पटना का अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. राजधानी में गर्म दिन जैसे हालात बने रहे. पुरवा और पछुआ हवा के प्रभाव से सुबह में उमस वाली गर्मी और दोपहर में तपिश से लोग परेशान रहे. बिहार में दो तरह के मौसम की वजह बिहार में मौसम बदलने की वजह विभाग की ओर से बताया गया

अंधेरे में डूबा महात्मा गांधी सेतु, खराब ट्रक से लगा लंबा जाम, डर के साये में सफर करते रहे लोग

पटना (एजेंसी) अंधेरे में डूबा महात्मा गांधी सेतु, खराब ट्रक से लगा लंबा जाम, डर के साये में सफर करते रहे लोग. महात्मा गांधी सेतु पर स्ट्रीट लाइट बंद रहने से सोमवार रात पूरा पुल अंधेरे में डूबा रहा. वाहनों की हेडलाइट के सहारे लोग सफर करते रहे, जिससे हादसे की आशंका के बीच वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. उत्तर बिहार की लाइफ लाइन माने जाने वाले महात्मा गांधी सेतु पर सोमवार रात अव्यवस्था का गंभीर नजारा देखने को मिला. सेतु पर स्ट्रीट लाइट बंद रहने के कारण पूरा पुल अंधेरे में डूबा रहा. स्थिति ऐसी थी कि पुल से गुजरने वाले वाहनों की हेडलाइट ही रोशनी का एकमात्र सहारा बनी हुई थी. अंधेरे के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा और हादसे की आशंका लगातार बनी रही. खराब ट्रक से लगा लंबा जाम, घंटों रेंगते रहे वाहन इसी दौरान पाया संख्या 30 के समीप एक ट्रक खराब हो जाने से हाजीपुर से पटना जाने वाली पूर्वी लेन में लंबा जाम लग गया. रात करीब 10 बजे से 12 बजे तक वाहन रेंगते रहे. जाम के कारण यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा. खासकर छोटे वाहनों और दोपहिया चालकों में दुर्घटना का डर बना रहा. बिजली संकट से और बढ़ी परेशानी स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण भी महात्मा गांधी सेतु अंधेरे में डूबा रहा. इधर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है. मेंटेनेंस और ओवरलोड की वजह से लंबे समय तक बिजली कटौती हो रही है, जिससे लोग गर्मी में बेहाल हैं. यात्रियों ने सुरक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल यात्रियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि सेतु पर पर्याप्त रोशनी नहीं रहने से दुर्घटना की संभावना काफी बढ़ जाती है. खासकर रात के समय दोपहिया और छोटे वाहनों के लिए यह स्थिति बेहद खतरनाक साबित हो सकती है.

बिहार के 10 लाख घरों में लगेगी सोलर यूनिट, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिया बड़ा निर्देश

पटना (एजेंसी) आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज के नाम पर करीब 45 लाख रुपये के गबन का मामला सामने आया है. जांच के बाद संस्थान प्रशासन ने आउटसोर्सिंग कंपनी के चार कर्मचारियों के खिलाफ शास्त्रीनगर थाना में केस दर्ज कराया है. बिहार सरकार राज्य के 10 लाख कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं के घरों में सोलर यूनिट लगाने की तैयारी में जुट गई है. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को 01 अणे मार्ग स्थित ह्यसंकल्पह्ण में ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को इस योजना में तेजी लाने का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को प्रतिमाह 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध करा रही है और अब सौर ऊर्जा को बढ़ावा देकर लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है. घरों में सोलर प्लेट लगाने के लिए सरकार करेगी प्रोत्साहित बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार उपभोक्ताओं को अपने घरों पर सोलर प्लेट लगाने के लिए प्रोत्साहित कर रही . इससे लोगों की पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम होगी और हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा.उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां-जहां सोलर पैनल लगाए गए हैं, उनकी नियमित मॉनिटरिंग और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए. ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर ऊर्जा के प्रचार पर जोर मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में जीविका दीदियों को सोलर संयंत्र लगाने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया. साथ ही गांवों में सौर ऊर्जा की कार्यप्रणाली और इसके लाभों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा.उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सोलर ऊर्जा अपनाने के लिए जागरूक करना जरूरी है. कृषि क्षेत्र में भी बढ़ेगा सोलर ऊर्जा का इस्तेमाल मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर तेजी से काम करने का निर्देश देते हुए कहा कि अधिक से अधिक घरों को इस योजना से जोड़ा जाए. इसके अलावा कृषि फीडरों के सोलराइजेशन को बढ़ावा देने और खेती-किसानी में सौर ऊर्जा के अधिक उपयोग पर भी जोर दिया गया. ऊर्जा विभाग ने योजनाओं की दी जानकारी बैठक में ऊर्जा विभाग के सचिव अजय यादव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना, बीपीएल उपभोक्ताओं के सोलराइजेशन प्लान और जीविका दीदियों के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी मुख्यमंत्री को दी. बैठक में ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार भी मौजूद रहे.

छह दिन से लापता युवक की हत्या की आशंका, गंगा में शव फेंके जाने का शक, दो हिरासत में

पटना (एजेंसी) पटना सिटी के मालसलामी थाना क्षेत्र में छह दिनों से लापता युवक के मामले में परिवार ने हत्या कर शव गंगा में फेंके जाने की आशंका जताई है. पुलिस ने मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. (अमिताभ श्रीवास्तव) पटना सिटी के मालसलामी थाना क्षेत्र में छह दिनों से लापता युवक के मामले ने नया मोड़ ले लिया है. परिवार ने युवक की हत्या कर शव को गंगा नदी में फेंके जाने की आशंका जताई है. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. काम पर जाने की बात कहकर घर से निकला था युवक जानकारी के अनुसार चौक थाना क्षेत्र के चौकशिकारपुर स्थित जीतू लाल लेन निवासी मनोज कुमार की पत्नी शोभा देवी ने मालसलामी थाना में अपने 20 वर्षीय पुत्र राजा कुमार के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत में बताया गया कि राजा कुमार 20 मई को घर से काम पर जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटा. काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला. बहन के घर पहुंचा था युवक, फिर दोस्त के साथ निकला परिजनों ने पुलिस को बताया कि पूछताछ के दौरान मालसलामी थाना क्षेत्र में रहने वाली युवक की बहन ने जानकारी दी कि राजा उसके घर आया था. वहां करीब एक घंटे रुकने के बाद वह अपने एक दोस्त के साथ चला गया. इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल सका. पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया परिवार द्वारा हत्या की आशंका जताए जाने के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है. पुलिस टीम ने दो आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है. मालसलामी थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस लापता युवक के मामले में हर पहलू पर जांच कर रही है. फिलहाल पूछताछ और छानबीन जारी है. उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने से पहले कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी. पुलिस सुलझाने में जुटी है गुत्थी पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी और मानवीय दोनों स्तरों पर जांच की जा रही है। वहीं परिवार के लोग बेटे की तलाश को लेकर लगातार पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं.

दो साल बाद टीबी मरीजों को बड़ी राहत, अब 30 दिन की मुफ्त दवा एक साथ मिलेगी

पटना (एजेंसी) दो साल बाद टीबी मरीजों को बड़ी राहत, अब 30 दिन की मुफ्त दवा एक साथ मिलेगी. बिहार में टीबी मरीजों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है. करीब दो साल बाद पटना समेत पूरे राज्य के सरकारी अस्पतालों में टीबी की निःशुल्क दवाओं की पूरी सप्लाई शुरू हो गई है. (आनंद तिवारी) बिहार में टीबी मरीजों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है. करीब दो साल बाद पटना समेत पूरे राज्य के सरकारी अस्पतालों में टीबी की निःशुल्क दवाओं की पूरी सप्लाई शुरू हो गई है. अब मरीजों को सात दिन नहीं बल्कि पूरे 30 दिन की दवा एक साथ दी जाएगी. इससे हजारों मरीजों को बड़ी राहत मिलने वाली है. दवा संकट खत्म, अस्पतालों में पहुंची पूरी सप्लाई स्वास्थ्य विभाग को केंद्र सरकार की ओर से टीबी की दवाओं की नई खेप मिल चुकी है. सरकारी गोदामों में दवाओं की आपूर्ति के बाद अब पीएचसी, सीएचसी और अनुमंडलीय अस्पतालों तक तेजी से सप्लाई की जा रही है. लंबे समय से दवाओं की कमी के कारण मरीजों को सीमित खुराक दी जा रही थी. पहले सिर्फ 5 से 7 दिन की मिलती थी दवा दवाओं की भारी कमी के चलते डॉक्टर मरीजों को सिर्फ पांच या अधिकतम सात दिन की दवा ही लिख रहे थे. मरीजों को बार-बार अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते थे. अब नई सप्लाई आने के बाद एक महीने की पूरी खुराक एक साथ उपलब्ध कराई जाएगी. कोविड काल बना दवा संकट की बड़ी वजह दरअसल कोविड महामारी के दौरान टीबी दवाओं का पुराना स्टॉक बड़ी मात्रा में बच गया था. इसके कारण नई दवाओं के उत्पादन पर रोक लग गई थी. कोविड खत्म होने के बाद अचानक दवाओं की मांग बढ़ी और पुरानी दवाएं एक्सपायर होने लगीं. इसी वजह से बिहार में दवाओं की भारी किल्लत हो गई थी. इन जरूरी दवाओं की थी सबसे ज्यादा कमी टीबी मरीजों के लिए फर्स्ट लाइन दवाओं की कमी सबसे ज्यादा महसूस की जा रही थी. इनमें डीएसटीबी आईवी और डीएसटीबी सीपी जैसी दवाएं शामिल हैं. इन दवाओं में आइसोनियाजिड, रिफाम्पिसिन, पायराजिनामाइड और इथाम्बुटॉल जैसी जरूरी दवाओं का मिश्रण होता है. सरकारी अस्पतालों में यह दवाएं कॉम्बिनेशन के रूप में मुफ्त दी जाती हैं, जबकि बाजार में इन्हें अलग-अलग खरीदना काफी महंगा पड़ता है. स्वास्थ्य विभाग का दावा अब नहीं होगी परेशानी बिहार स्वास्थ्य विभाग के स्टेट टीबी ऑफिसर डॉ. बीके मिश्रा ने कहा कि कोविड के कारण दवाओं की सप्लाई प्रभावित हुई थी, लेकिन अब स्थिति सामान्य हो चुकी है. जिन अस्पतालों में दवाएं खत्म हो गई थीं, वहां तेजी से नई सप्लाई भेजी जा रही है ताकि मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो.

दानापुर नगर परिषद में सफाई व्यवस्था की खुली पोल, करोड़ों खर्च के बाद भी सड़कों पर गंदगी का अंबार

पटना (एजेंसी) दानापुर नगर परिषद में सफाई व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं. हर महीने सवा करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद कई वार्डों में सड़कों पर कचरे का अंबार लगा हुआ है. स्थानीय लोग सफाई व्यवस्था को लेकर नाराजगी जता रहे हैं. दानापुर नगर परिषद क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है. हर महीने करीब सवा करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद शहर के कई वार्डों में सड़क किनारे कचरे का ढेर लगा हुआ है. लोगों का आरोप है कि केवल झाड़ू लगाकर सफाई का दिखावा किया जा रहा है, जबकि गंदगी जस की तस बनी हुई है. चार साल से एक्सटेंशन पर चल रही सफाई एजेंसी नगर परिषद के 40 वार्डों में सफाई और अन्य कार्यों के लिए एडम एजेंसी के साथ अनुबंध किया गया था. यह अनुबंध अप्रैल 2020 से अप्रैल 2022 तक के लिए था, लेकिन कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी एजेंसी को लगातार एक्सटेंशन दिया जाता रहा. यहां तक कि 1 फरवरी 2026 को एक्सटेंशन खत्म होने के बाद भी उसी एजेंसी से काम कराया जा रहा है. नियमों को ताक पर रखकर नहीं निकाली गई नई निविदा जानकारी के मुताबिक नगर परिषद के नियमों के अनुसार हर दो साल में सफाई कार्य के लिए नई निविदा निकाली जानी चाहिए. बावजूद इसके पिछले चार वर्षों से कोई नया टेंडर जारी नहीं किया गया. परिषद की सशक्त स्थायी समिति और बोर्ड ने पुरानी एजेंसी को हर साल सेवा विस्तार देकर सफाई व्यवस्था का जिम्मा सौंप दिया. 900 मजदूरों के नाम पर भुगतान जमीन पर दिखे सिर्फ 7-8 कर्मी सूत्रों के अनुसार एडम सफाई एजेंसी हर महीने 900 दैनिक मजदूरों के नाम पर नगर परिषद से मानदेय लेती रही. जबकि हकीकत में अधिकांश वार्डों में सिर्फ 7 से 8 सफाईकर्मी ही काम करते नजर आए. आरोप है कि बाकी मजदूरों के नाम पर कागजों में फर्जी भुगतान उठाया जाता रहा. विभाग ने लगाई थी रोक फिर भी जारी रहा काम परिषद से जुड़े जानकारों का कहना है कि विभाग ने एक समय एजेंसी पर दो महीने तक काम करने पर रोक भी लगाई थी. इसके बावजूद बाद में फिर उसी एजेंसी को एक्सटेंशन देकर सफाई कार्य सौंप दिया गया. इससे नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं. अब 45 वार्डों के लिए नए टेंडर की तैयारी परिसीमन के बाद अब नगर परिषद में 45 वार्ड बनाए गए हैं. इन्हीं वार्डों में सफाई व्यवस्था के लिए नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई है. हालांकि टेंडर फाइल को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि इसकी जिम्मेदारी स्वच्छता पदाधिकारी की जगह नगर प्रबंधक को सौंप दी गई है. नई एजेंसी आने तक पुरानी एजेंसी करेगी सफाई नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि 45 वार्डों में सफाई व्यवस्था के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. जब तक नई एजेंसी का चयन नहीं हो जाता, तब तक पुरानी एजेंसी को ही सफाई कार्य की जिम्मेदारी दी गई है. उन्होंने माना कि पुरानी एजेंसी का कार्यकाल समाप्त हो चुका है.

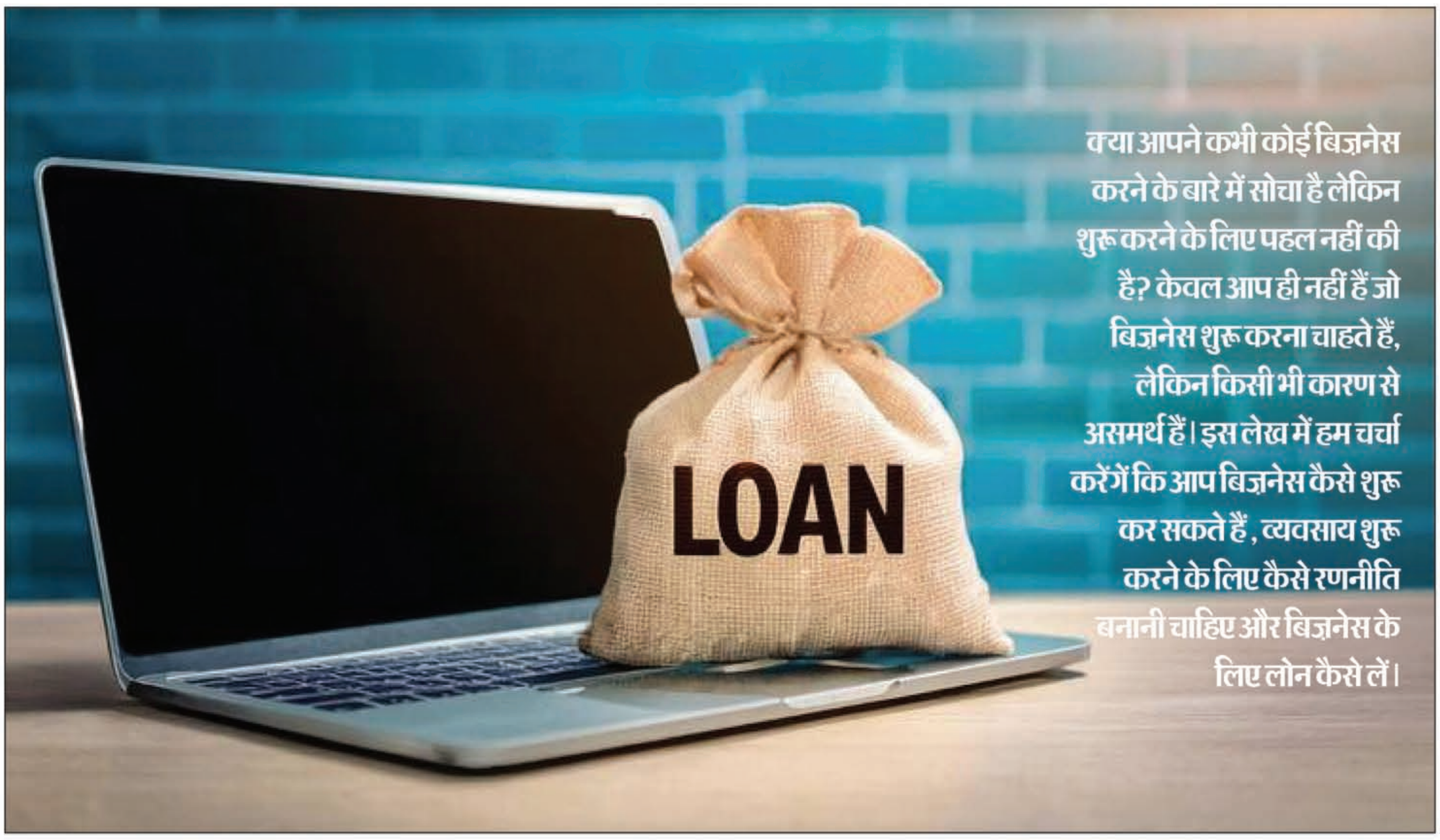

बिज़नेस कैसे शुरू करें? ऐसे मिलेगा बिज़नेस शुरू करने के लिए लोन

व्यवसायी बनने का विचार/आइडिया

वर्किंग टाइम, वर्क प्रोफाइल, लाइफस्टाइल, पब्लिक डीलिंग, निवेश का समय आदि से जुड़ें नौकरीपेशा कर्मचारी और व्यवसाय करने वाले के बीच बहुत बड़ा अंतर है। व्यवसायिक बनने से पहले दो बार सोचें। जिस प्रकार का व्यवसाय आप शुरू करना चाहते हैं, बाज़ार में इसकी मांग, व्यवसाय का आकार, निवेश की आवश्यकता और वार्षिक बजट कुछ ऐसे कारक हैं, जिन पर आपको अवश्य विचार करना चाहिए। यदि आप इन सभी सवालों के जवाब के साथ तैयार हैं, तो आप अपना खुद का बिजनेस शुरू करने के लिए तैयार हैं।

अपने कौशल (स्किल) के अनुसार बिज़नेस चुनें

एक नया बिज़नेस शुरू करने के लिए कौशल/स्किल तैयार करने की आवश्यकता होती है जो किसी बिज़नेस की आवश्यकताओं से मिलता हो। लोगों को उस व्यवसाय को शुरू या उसमें निवेश करना चाहिए जो कहीं न कहीं उनके कौशल से जुड़ा है। हर कोई किसी न किसी काम में अच्छा होता है ; बस ज़रूरत है प्रतिभा को ढूढ़ने और उसे बेहतर बनाने की। बिज़नेसमैन बनने की योजना बनाने से पहले अपने आप को बेहतर तरीके से जानें, अपनी खूबियों और खामियों का विश्लेषण करें। एक नए क्षेत्र को पूरी तरह से चुनना जोखिमभरा है।

बिज़नेस और बाज़ार का विश्लेषण

सबसे महत्वपूर्ण कारक जो किसी व्यवसाय को सफल या असफल बनाता है। वह है बिज़नेस पर रिसर्च और मार्केट विश्लेषण। सुनिश्चित करें कि आप जो बिज़नेस शुरू करने वाले हैं, उसकी मार्केट में मांग है और ज़्यादा व्यापारियों द्वारा इस बिज़नेस को न किया जा रहा हो।अपने बिज़नेस के कॉम्पिटिटर्स को ढूंढें और बिज़नेस करने के उनके स्टाइल का पता लगाएं। अपने बिज़नेस से जुड़े प्रोडक्ट, कच्चे माल, मशीनरी, उपकरण, आदि की मांग को पूरा करने के लिए सप्लायर का पता लगाएं। बाज़ार में पहले से ही बेचे गए प्रॉडक्ट के खर्च और कीमतों को ट्रैक करें और देखें कि लोगों को अंत में लाभ कितना हो रहा है।

खर्च जानें

आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि बिज़नेस शुरू करने में आपका कितना खर्च आएगा । अगला सवाल आपको खुद से पूछने की ज़रूरत है कि 'क्या आपके पास अपना बिज़नेस शुरू करने के लिए उचित फंड है या आपको बैंक से लोन लेने की आवश्यकता होगी?' यदि आपको और अधिक पैसों की आवश्यकता है तो आपके लिए बिज़नेस लोन के लिए आवेदन करना सबसे सुरक्षित विकल्प है। यह कदम पहले से उठाया जाना चाहिए क्योंकि अधिकांश स्टार्टअप स्थापित होने में विफल होते हैं क्योंकि वे अपने बिज़नेस की स्थापना के शुरुआती चरणों में पैसों की मांग को पूरा नहीं कर पाते हैं।

बिज़नेस प्लान बनाना

बिज़नेस प्लान में आपके व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारी शामिल होनी चाहिए। यह मूल रूप से आपके बिज़नेस और इसकी ग्रोथ में मदद करने के लिए एक रोड मैप है। बिज़नेस प्लान आपके लाभ का परीक्षण करने और आपकी आर्थिक आवश्यकताओं को समझने में मदद करती है। इसके अलावा, यदि आप व्यवसाय बढ़ाने के उद्देश्यों के लिए बिज़नेस लोन लेना चाहते हैं, तो अच्छी तरह से बिज़नेस प्लान को लोन संस्थानों में जमा करें, जिसमें बैंक और एनबीएफसी शामिल हैं।

स्थान तय करें

बिज़नेस के लिए लोकेशन सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक है जो एक एंटरप्रेन्योर लेता है, क्योंकि यह व्यवसाय का भविष्य तय करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने बिज़नेस की भौतिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए, दो बातों पर विचार करना चाहिए।पहला ग्राहकों के उद्देश्य के लिए उनकी आवश्यकता और दूसरा मार्केट / शॉपिंग मॉल। यह नेटवर्किंग के अवसरों और ग्राहक आधार को बढ़ाता है।

अपने बिज़नेस को सेट करना

एक बार लोकेशन फाइनल हो जाने के बाद और रेंट एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया जाता है (यदि लागू हो), तो अगली बड़ी बात आपके बिज़नेस को नीचे दी गई बातों के पर भी ध्यान देना चाहिए-

अपने बिज़नेस का नाम

अपने बिज़नेस को रजिस्टर्ड करना

कंपनी के नाम के तहत एक करंट अकाउंट खोलना

एक टिन, पैन और जीएसटी नंबर प्राप्त करना

अकाउंट सिस्टम चुनना

एक वेबसाइट बनाना

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट खोलना

ये कदम आपके बिज़नेस को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने में आपकी मदद करेंगे और व्यवसाय की ग्रोथ को बढ़ाएँगे।

स्टाफ को काम पर रखना शुरू करें

शुरूआत में बिज़नेस चलाने के लिए आपको कितने स्टाफ की ज़रूरत है, उसकी चयन करें।साथ ही, बेहतर कौशलता, प्रॉडक्टिविटी और लाभ के लिए अनुभवी और कुशल लोगों को काम पर रखें। बिज़नेस के आकार के आधार पर आप संबंधित व्यवसाय टाइप के अनुसार, अधिकारियों, ग्राहकों की देखभाल के प्रतिनिधियों, मार्केटिंग एक्सपर्ट, अकाउंटेंट, ङ्खश्च पेशेवरों, ।ञ्र कर्मियों और अन्य पेशेवरों को काम पर रख सकते हैं।

अपने बिज़नेस का ब्रान्ड और विज्ञापन करें

अपने बिज़नेस का एक लोगो बनाएं जिससे ग्राहक आपके बिज़नेस का आसानी से पहचान सकें। लोगों को अपने व्यवसाय के बारे में बताएं ताकि आपके पास सामान या सेवाएं खरीदने के लिए आ सकें। अपने बिज़नेस के विस्तार के लिए अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अकाउंट बनाएं। एक मार्केट प्लान बनाएं, इसलिए व्यवसाय के शुरुआती छह महीनों में उसका विज्ञापन करने के लिए एक निश्चित बजट होना चाहिए।

बिल्डिंग एसोसिएशन

मार्केट में बने रहने और लाभ कमाने के लिए, आपको प्रभावशाली ब्लॉगर्स और फ्री/ सैंपल गिफ्ट या प्रोडक्ट के एक्सचेंज के लिए प्रमोशन करना होगा। अपनी पहचान बनाने के लिए चैरिटी संगठनों के साथ जुड़ें और कुछ प्रोडक्ट के साथ वॉलेंटियर करें। बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं के लिए उद्योग में मौजूदा बड़े ब्रॉन्ड के साथ कोलैबोरेशन करें।

धैर्य रखें और आगे बढ़ते रहें

एक स्टार्टअप व्यवसाय के शुरूआती चरणों में, लाभ मार्जिन या ब्रेकवेन के बजाय बिक्री पर अधिक ध्यान दें।अधिकांश उद्यमियों ने धैर्य और फोकस की कमी के कारण बिज़नेस बीच में ही छोड़ दिया।व्यापार के शुरुआती चरणों के दौरान लगातार बने रहना मुश्किल काम है, इसमें निरंतरता टूटती है और ध्यान भंग होता है जिससे नुकसान होता है। इसलिए, हमेशा यह सुझाव दिया जाता है कि धैर्य रखें और कड़ी मेहनत करते रहें और सही समय आने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे।

गाइड बनकर भी कर सकते हैं लाखों की कमाई, ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

शॉर्ट टर्म कोर्स कर बना सकते हैं करियरकरियर बनाने के लिए जरूरी नहीं कि कोई बड़ा कोर्स या फिर डिग्री ली जाए. अगर आपके पास हुनर है तो आप किसी भी फील्ड में अपना शानदार करियर बना सकते हैं. आपने कई टूरिस्ट गाइडों को देखा होगा, जो सिर्फ अपने तजुर्बे और इतिहास का ज्ञान रखकर हजारों टूरिस्ट्स को घुमाते हैं और काफी अच्छा पैसा भी कमा लेते हैं. एक गाइड बनने के लिए जरूरी नहीं है कि आपके पास कोई डिग्री हो. कुछ महीनों के डिप्लोमा के साथ इसके लिए बस आपको अपने आस-पास के शहरों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए. हम आपको यहां बता रहे हैं कि गाइड बनकर कैसे आप अपने करियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं और घूमते फिरते कमाई कर सकते हैं.

संस्कृति और इतिहास का ज्ञान -एक गाइड बनने से पहले यह जरूर सोच लें कि क्या आपको अपने शहर की संस्कृति या फिर उसके इतिहास का पूरा ज्ञान है. अगर ऐसा नहीं है तो आप एक अच्छे गाइड नहीं बन सकते हैं. कोई भी टूरिस्ट आपसे कुछ भी प्रश्न कर सकता है और गलत उत्तर से आप उनका भरोसा खो देंगे. इसीलिए इतिहास की हर छोटी और रोमांचक जानकारियां अपने पास रखें.

हाजिर जवाब होना भी जरूरी - किसी भी गाइड को हाजिर जवाब होना जरूरी होता है. इससे पता चलता है कि आप कितने अनुभवी हैं और आपको चीजों की कितनी समझ है. बातों को रोमांचक तरीके से लोगों को बताना एक कला है, जो एक गाइड के तौर पर सीखना बहुत जरूरी है. आपके साथ मौजूद टूरिस्ट्स को जानकारी के साथ-साथ आपकी बातों से मजा भी आना चाहिए.

लोगों की जेब का रखें खयाल -अगर आप एक गाइड हैं तो आपको लोगों की यानि जिन्हें आप घुमा रहें हैं उनकी जेब का खयाल रखना जरूरी है. ऐसे में लोगों को किसी रीजनेबल होटल, रेस्तरां आदि में खाना खिलाना, किसी अच्छे होटल में ठहराना और टैक्सी आदि की सुविधा मुहैया करवाने जैसी सुविधाएं शामिल हैं.

कुछ महीनों का डिप्लोमा कोर्स - गाइड के कोर्स के लिए देशभर में कई इंस्टीट्यूट 3 या 6 महीना का डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं. ऐसे कोर्स करके आप आधिकारिक तौर पर एक गाइड के रूप में काम कर सकते हैं. इस कोर्स में आपको टूरिस्ट्स के साथ बात करने के जरूरी टिप्स भी बताए जाते हैं.

मौके भी कम नहीं - अगर आपने किसी अच्छे संस्थान से टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट का कोर्स किया है तो आपके पास मौकों की कोई भी कमी नहीं होगी. कई ऐजेंसियां इसके लिए वेकेन्सी निकालती हैं और एक अच्छे पैकेज पर गाइड हायर करती हैं.

ये हैं एयरफोर्स में करियर बनाने के छह आसान रास्ते

आपके कौन सा सही रहेगा

भारतीय वायुसेना में करियर बनाना कई युवाओं का सपना होता है।अगर आप भी एयरफोर्स में शामिल होने का विचार कर रहे हैं, तो जानिए वो छह आसान तरीके जिनसे आप इस गौरवपूर्ण करियर का हिस्सा बन सकते हैं।

भारतीय वायुसेना देश की ताकतवर और सम्मानित सेनाओं में से एक है।यहां नौकरी करना सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं, बल्कि देशसेवा और गर्व की बात मानी जाती है।हर साल हजारों युवा एयरफोर्स का हिस्सा बनने का सपना देखते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि इस फोर्स में भर्ती होने के कई रास्ते हैं। 12वीं के बाद से लेकर ग्रेजुएशन और डिप्लोमा तक, हर स्तर पर एंट्री पॉसिबल है।

अगर आप भी आसमान में उड़ना चाहते हैं और वर्दी पहनना आपका सपना है, तो जानिए कौन-कौन से एग्जाम और एंट्री स्कीम्स हैं, जिनसे आप भारतीय वायुसेना का हिस्सा बन सकते हैं।

12वीं के बाद एयरफोर्स में ऑफिसर बनने का मौका (एनडीए)

एनडीए एग्जाम यूपीएससी द्वारा साल में दो बार आयोजित किया जाता है।इसमें 12वीं (फिजिक्स + मैथ्स) पास लड़के हिस्सा ले सकते हैं।सेलेक्शन के बाद कैंडिडेट्स एनडीए पुणे में ट्रेनिंग पाते हैं और फिर एयरफोर्स अकादमी में भेजे जाते हैं।यहां से पासआउट होकर वे फ्लाइंग ब्रांच या टेक्निकल/नॉन-टेक्निकल ब्रांच में ऑफिसर बनते हैं।

ग्रेजुएशन के बाद ऑफिसर की सीधी एंट्री

सीडीएस एग्जाम भी यूपीएससी द्वारा लिया जाता है और ग्रेजुएट कैंडिडेट्स इसके जरिए एयरफोर्स एकेडमी (ड्ढ्र, हैदराबाद) में दाखिला पा सकते हैं।यह परीक्षा साल में दो बार होती है और सफल कैंडिडेट्स को फ्लाइंग ऑफिसर की ट्रेनिंग दी जाती है।

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट है, जिसके जरिए फ्लाइंग, ग्राउंड ड्यूटी (टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल) ब्रांच में भर्ती होती है।यह पुरुष और महिला दोनों के लिए खुला होता है और इसमें ग्रेजुएट्स आवेदन कर सकते हैं।हर साल दो बार यह परीक्षा होती है और इसे सबसे सुगम तरीका माना जाता है।

12वीं या डिप्लोमा के बाद एयरमैन भर्ती

भारतीय वायुसेना हर साल ग्रुप एक्स और ग्रुप वाय ट्रेड्स में भर्ती आयोजित करती है।ग्रुप एक्स में टेक्निकल ट्रेड्स आते हैं जैसे- मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि।वहीं ग्रुप वाय में नॉन-टेक्निकल पोस्ट होती हैं, जैसे- क्लर्क, मेडिकल असिस्टेंट और अन्य सपोर्ट स्टाफ। अगर आपने 12वीं (साइंस स्ट्रीम) या तकनीकी डिप्लोमा किया है, तो आप भारतीय वायुसेना में एयरमैन पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बिना लिखित परीक्षा के सीधा इंटरव्यू

यदि आपने एनसीस एयर विंग से सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया है, तो आप एयरफोर्स में फ्लाइंग ब्रांच के लिए बिना कोई लिखित परीक्षा दिए आवेदन कर सकते हैं।इस एंट्री स्कीम के तहत एएफसीएटी या सीडीएस जैसी परीक्षाएं देने की आवश्यकता नहीं होती।इसमें केवल एसएसबी इंटरव्यू होता है और यह रास्ता ज्यादा कॉम्पिटीशन वाले लोगों के लिए बेहतरीन माना जाता है।

अग्निवीर वायू

सरकार की नई योजना 'अग्निपथ' के तहत एयरफोर्स में भी अग्निवीर वायू की भर्ती शुरू हुई है।इसमें 17.5 से 21 साल के युवा आवेदन कर सकते हैं और चार साल की सर्विस के बाद कुछ प्रतिशत को परमानेंट नियुक्ति मिलती है।यह स्कीम युवाओं को फौज में आने का नया अवसर देती है।

श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

मुम्बई ।

आईपीएल से पंजाब किंग्स के बाहर होने के बाद से ही टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर की बहन श्रेष्ठा अय्यर सोशल मीडिया पर ट्रोल होने लगी। श्रेष्ठा को उनके एक पुराने वीडियो के लिए ट्रोल किया जा रहा था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब श्रेष्ठा ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पंजाब किंग्स का मैच बारिश के कारण धुल जाने के बाद एक वीडियो बनाया था। उस वीडियो में उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा था, जा एक अंक दित्ता (चलिए आपको एक अंक दिया), क्योंकि बारिश के कारण मैच रद्द होने पर दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला था, और उस समय पंजाब किंग्स की स्थिति काफी मजबूत थी। पंजाब किंग्स ने टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए नंबर वन की पोजीशन हासिल की थी, लेकिन इसके बाद टीम लगातार छह मैच हार गई। इसके बाद से ही श्रेष्ठा निशाने पर आ गयीं।

सनराइजर्स और रॉयल्स के बीच आज होगी एलिमिनेटर मुकाबले में टक्कर

शाम 7.30 बजे से शुरु होगा मैच

मुल्लांपुर । सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। सनराइजर्स की ताकत उसकी आक्रामक बल्लेबाजी है उसके पास अभिषेक शर्मा , ट्रेविस हेड और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। अभिषेक ने 563 रन, हेड ने 393 रन और ईशान किशन ने 569 रन बनाये है। इसके अलावा क्लासेन ने 606 रन बनाये हैं।

इन बल्लेबाजों को हालांकि रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और स्पिनर रवि बिश्नोई से सावधान रहना होगा। सनराइजर्स ने लीग स्तर में खराब शुरुआत के बाद भी वापसी करते हुए दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन कर यहां तक का सफर तय किया है जिसके उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के आने से टीम की गेंदबाजी की परेशान भी दूर हुई है। कमिंस शुरुआती मैचों से बाहर थे पर उनके आने के बाद टीम ने अंतिम सात मैचों में से पांच में जीत हासिल की। सनराइजर्स ने लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स को दो बार हराया था जिससे उसे इस मुकाबले के लिए मानसिक रुप से बढ़त मिल गयी है। वहीं रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स का प्रदर्शन लीग स्तर में उतार-चढ़ाव से भरा रहा है हालांकि टीम ने किया प्रकार से यहां तक क सफर तय कर लिया है। ऐसें में अब वह कोई गलती नहीं करना चाहेंगे। टीम के पास वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल जैसे शानदार बल्लेबाज हैं। वैभव ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए रन बनाये हैं। वहीं यशस्वी ने 397 रन बनाये हैं। ध्रुव जुरेल ने भी 458 रनों की पारी खेली है।

सनराइजर्स के आक्रामक रुख को देखते हुए रॉयल्स की टीम इस मैच में नई रणनीति से उतरेगी। टीम के कोच कुमार संगकारा का कहना है कि इस मैच में पूरी ताकत से उतरेंगी। टीम को उम्मीद रहेगी कि

आर्चर मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करें। इसके अलावानांद्रे बर्गर और बृजेश शर्मा से भी गेंदबाजी में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं राजस्थान के बल्लेबाजों विशेषकर वैभव पर अंकुश लगाने का प्रयास सनराइजर्स के कमिंस, ईशान मलिंगा करेंगे।

आईपीएल के अगले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स सहित ये पांच टीमें उतर सकती हैं नये कप्तानों के साथ

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसके बाद जहां शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं। वहीं अन्य टीमें बाहर हो गयी है। इन बाहर होने वाली टीमों में पांच टीमें ऐसी हैं जिनके कप्तानों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और माना जा रहा है कि अगले सत्र में उन्हें टीम की कप्तानी नहीं मिलेगी। ये टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस। इन टीमों के साथ ही इनके कप्तानों का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी अच्छा नही रहा है। ऐसे में ये कप्तान टीम मालिकों के निशाने पर हैं। इससे साफ है कि अगले सत्र में ये टीमें नये कप्तानों के साथ नजर आयेंगी। अक्षर पटेल- अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। है। ऐसे में टीम को एक ऐसे कप्तान की जरुरत है जो आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करें। अक्षर में वह क्षमता नजर नहीं आती। टीम को एक ऐसे कप्तान की आवश्यकता है जो दबाव में भी शांत रहे और सही फैसले ले सके। बतौर कप्तान उनके निजी प्रदर्शन में भी गिरावट आई है। टीम अगले सत्र मे राहुल जैसे खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। रुतुराज गायकवाड़- चेन्नई सुपर किंग्स भी पिछले तीन सीजन से प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है, और आईपीएल 2026 भी इसका अपवाद नहीं था। रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में टीम ने औसत प्रदर्शन किया। शुरुआती झटकों के बाद टीम ने वापसी तो की, लेकिन अंततः प्लेऑफ का टिकट नहीं मिला। पूरे सीजन कप्तानी के दबाव का असर गायकवाड़ की बल्लेबाजी पर स्पष्ट रूप से दिखा, जहाँ उनका स्ट्राइक रेट 125 से भी कम रहा। टीम के पास संजू सैमसन जैसा अनुभवी कप्तान विकल्प मौजूद है, जो आईपीएल में पहले भी कप्तानी कर चुके हैं। ऐसें में अगले सत्र में वह कप्तान हो सकते हैं।

पांड्या के बचाव में उतरे कोच पोलार्ड

नई दिल्ली । मुंबई इंडियंस टीम के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में खराब प्रदर्शन के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। पोलार्ड ने हालांकि अगले सत्र में बदलावों से इंकार नहीं किया है। मुम्बई का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा और वह नौवें स्थान पर रही। इससे पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। मुंबई इंडियंस इस सत्र में खिताब की प्रबल दावेदारों के तौर पर उतरी थी पर मैदान पर पूरी तरह से विफल रही। टीम का प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं खराब रहा। पांड्या की कप्तानी में पिछले तीन सत्र में से दो बार टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर रही है। 2024 में पहली बार हार्दिक के नेतृत्व में टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई थी। 2025 में टीम ने शीर्ष चार में जगह बनाई थी, लेकिन क्वालीफायर 2 में हार का सामना करना पड़ा। और अब, आईपीएल 2026 में टीम नौवें स्थान पर रह गई है। मुंबई के लिए हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसके एक मजबूत कोर ग्रुप था। इसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव, हरफनमौला हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा जैसे सितारे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, पूर्व कप्तान और अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा भी टीम का अभिन्न हिस्सा थे। इन स्टार खिलाड़ियों के बाद भी टीम गेंद और बल्ले दोनों से संघर्ष करती नजर आई, जिससे हार्दिक पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर गहन चर्चा छिड़ गई।

आईपीए 2026 ऑरेंज कैप की रेस में छाये भारतीय, पर्पल में विदेशी

मुम्बई । आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की रेस में जहां भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। वहीं पर्पल कैप की रेस में विदेश खिलाड़ी छाये हुए हैं। कैप का फैसला फाइनल मुकाबले के बाद आयेगा। वहीं कई खिलाड़ी जिनकी टीमें बाहर हो चुकी हैं, वे इस दौड़ से बाहर हो गए हैं पर जो खिलाड़ी अभी भी मैदान में हैं, उनके पास इतिहास रचने का मौका है।

ऑरेंज कैप की बात करें तो शीर्ष पांच बल्लेबाजों में से चार भारतीय हैं। इस सूची में सबसे ऊपर साई सुदर्शन हैं, जिन्होंने 638 रन बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है। उनके ठीक पीछे शुभमन गिल हैं, जिनके खाते में 616 रन दर्ज हैं, और वे भी इस रेस में प्रबल दावेदार बने हुए हैं। वहीं विदेशी बल्लेबाजों में एकमात्र खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। चौथे स्थान पर केएल राहुल 593 रनों के साथ स दौड़ से बाहर हो गए हैं, क्योंकि उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है।

वहीं, पांचवें पायदान पर मौजूद वैभव सूर्यवंशी ने भी 583 रन बनाए हैं और वे भी अपनी टीम के लिए इस कैप को जीतने की कोशिश करेंगे। इन शीर्ष पांच के अलावा, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और विराट कोहली जैसे भारतीय धुरंधर भी शीर्ष 10 में शामिल हैं, जो दिखाते हैं कि ऑरेंज कैप पर भारतीय खिलाड़ी का ही कब्जा होना तय है।

वहीं पर्पल कैप की दौड़ में अंशुल कंबोज 21 विकेट लेकर चौथे स्थान पर थे, लेकिन उनकी टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के बाहर होने के कारण वे अब आगे नहीं जा पाएंगे। गेंदबाजों की सूची में भुवनेश्वर कुमार 24 विकेटों के साथ शीर्ष पर कायम हैं। उनके साथ ही कगिसो रबाडा भी 24 विकेट लेकर संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जो यह दर्शाता है कि फाइनल मुकाबले तक यह दौड़ कितनी रोमांचक रहने वाली है। जोफ्रा आर्चर 21 विकेटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, और अपनी तेज गेंदबाजी से विरोधी टीमों के लिए खतरा बने हुए हैं। पांचवें स्थान पर राशिद खान हैं।, जिन्होंने 19 विकेट लिए हैं और अपनी फिरकी गेंदबाजी से कभी भी मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने बाद भी बाहर है पंजाब

एक दिन शीर्ष पर रही गुजरात खेल रही प्लेऑफ

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में पंजाब किंग्स टीम बदकिस्मत रही और 22 दिनों तक शीर्ष पर रहने के बाद भी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं एक दिन ही नंबर एक पर रही गुजरात टाइटंस न केवल प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही बल्कि क्वालीफायर 1 में पहुंची। इससे अंदाज होता है कि खेल में कुछ भी तय नहीं होता आंकड़ों पर गौर करें तो, टूर्नामेंट की शुरुआत से ही पंजाब ने शानदार प्रदर्शन किया था, पहले 7 में से 6 मैच जीतकर उसने रिकार्ड बनाया था। तब ऐसा लग रहा था कि वे प्लेऑफ में सबसे पहले पहुंचे पर ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद अगले 6 मैचों में टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा जिससे वह केवल 15 अंकों तक ही पहुंच पायी। वहीं राजस्थान रॉयल्स ने अपने अंतिम मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर 16 अंक हासिल कर लिए, जिससे पंजाब किंग्स प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। वहीं दूसरे ओर गुजरात टाइटन्स के प्रदर्शन में उतार चढ़ाव बना रहा। वह केवल एक दिन के लिए ही अंकतालिका में नंबर एक पर पहुंची। वहीं अन्य टीमों की बात करें तो, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसी) भी 18 दिनों तक लगाकार नंबर एक पर रही और वह सबसे पहले प्लेऑफ में पहुंची। र एक पर रही और उन्होंने भी प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया। अंतिम समय में प्लेऑफ में जगह बनाने वाली राजस्थान रॉयल्स कुल 13 दिन अंक तालिका में शीर्ष पर रही। वहीं, 14 में से 9 मैच जीतने के बावजूद एलिमिनेटर में पहुंचने वाली सनराइजर्स हैदराबाद भी 4 दिन नंबर एक पर रही। प्लेऑ के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटन्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने क्वालीफाई किया है।यह आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि आईपीएल की अंक तालिका कितनी अप्रत्याशित हो सकती है। यहां शुरुआती बढ़त या लंबे समय तक शीर्ष पर रहना भी सफलता की गारंटी नहीं होता।

एकदिवसीय में अर्धशतक और पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में तीन भारतीय भी शामिल

मुम्बई।

एकदिवसीय क्रिकेट में कई रोमांचक और अनौखे रिकार्ड बने हैं। एक ऐसा ही रिकार्ड है एकदिवसीय में अर्धशतक के साथ ही मैच में पांच विकेट लेने का। ये रिकार्ड अब तक केवल 25 खिलाड़ियों के नाम है जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी और एक पाकिस्तानी खिलाड़ी भी शामिल हैं। सबसे पहले ये रिकार्ड साल 1987 में वेस्टइंडीज के वि रिचर्ड ने बनाया था। वहीं भारत की ओर से ये उपलब्धि सबसे पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज और वैकल्पिक स्पिनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने नाम की थी। श्रेकांत ने 10 दिसंबर 1988 को विशाखापत्तनम में न्यूजीलैंड के खिलाफ, उन्होंने पहले केवल 27 रन देकर 5 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। इसके बाद, उन्होंने बल्लेबाजी में भी जौहर दिखाते हुए 70 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे भारत को जीत मिली। वहीं दूसरे भारतीय हैं सौरव गांगुली। गांगुल ने अपनी कप्तानी के दौर में यह कारनामा किया। 11 दिसंबर 2000 को कानपुर में जिम्बाब्वे के खिलाफ, गांगुली ने 34 रन देकर 5 विकेट झटके।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए कुशल मेंडिस को बनाया कप्तान

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए अपनी एकदिवसीय और टी20 टीम घोषित कर दी है। दोनो ही प्रारुपों के लिए टीम की कप्तानी कुशल मेंडिस को दी गयी है। नये चयन पैनल ने कहा है कि टीम को बेहतर बनाने के लिए ये बदलाव लाया गया है। मेंडिस ने पहले भी 17 एकदिवसीय मैचों में देश की कप्तानी की है पर अब उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय की भी कप्तानी दी गयी है। वहीं पहले चरित असलंका और दासुन शनाका कप्तान थे हालांकि टेस्ट टीम की कप्तानी धनंजय डिसिल्वा के पास ही रहेगी। जबकि बाएं हाथ के मध्यक्रम के बल्लेबाज कमिंदु मेंडिस को तीनों ही प्रारुपों में उपकप्तान बनाया गया है।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए घोषित टीम में कुछ नए चेहरों को भी शामिल किया गया है। इसमें बल्लेबाज पासिंदु सूरियाबंदरा और दाएं हाथ के तेज गेंदबाज इसिथा विजेसुंदरा को टेस्ट टीम में शामिल किय गया है। ये दोनो ही इस दौरे से डेब्यू करेंगे। सीमित ओवरों की टीम में बल्लेबाज लसिथ क्रूसपुले को भी शामिल किया गया है। है, लसिथ ने पिछले माह न्यूजीलैंड ए टीम के खिलाफ शानदार शतक लगाया था। शनाका को इस बार केवल टी20 टीम में ही शामिल किया गया है। वहीं असलंका को केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज नुवान तुषारा की टी20 टीम में वापसी हुई है। श्रीलंकाई टीम मंगलवार 26 मई को वेस्टइंडीज के दौरे पर रवाना होगी, जहां उसे दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

टीमें इस प्रकार हैं

टेस्ट टीम पथुम निसांका, लाहिरू उदारा, निशान मदुशंका, दिनेश चांदीमल, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंदु मेंडिस (उपकप्तान), सोनल दिनुशा, कुसल मेंडिस, धनंजय डिसिल्वा (कप्तान), मिलन रथनायके, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, असिथा फर्नांडो, विश्व फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, इसिथा विजेसुंदरा, कसुन राजिथा।

अनुभवी लेग-स्पिनर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास लिया

चेन्नई।

तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले 35 वर्षीय अनुभवी क्रिकेटर मुरुगन अश्विन ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। अश्विन ने छह टीमों की ओर से आईपीएल में भी खेला है। अब इस लेग स्पिनर ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल से भी संन्यास ले लिया है। मुरुगन ने सोशल मीडिया पर एक बयान साझा करते हुए अपनी क्रिकेट यात्रा, तमिलनाडु क्रिकेट में अपने उभार और आईपीएल में अपने अनुभवों के बारे में भी बताया है। अश्विन ने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷जब से मैंने 6 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया, तभी से मुझे इस खेल से गहरा प्यार रहा है। इसने मुझे बहुत कुछ दिया है और मुझे वह इंसान बनाया, जो मैं आज हूं। इसने मुझे मैदान पर अपने को पूरी तरह से व्यक्त करने का मौका दिया है। अब तक का यह सफर अविश्वसनीय रहा है। मैं यह घोषणा करना चाहता हूं कि मैंने अपने घरेलू क्रिकेट करियर और आईपीएल में अपनी यात्रा को समाप्त करने का फैसला किया है। हालांकि, मैं नई चुनौतियों और अवसरों की तलाश करूंगा और इस खेल को हमेशा की तरह पूरी प्रतिस्पर्धा के साथ खेलना जारी रखने के लिए उत्साहित हूं।÷ गौरतब है कि अपने आईपीएल करियर के दौरान मुरुगन ने राइजिंग पुणे सुपरजायंट, दिल्ली डेयरडेविल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स (किंग्स इलेवन पंजाब), मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स जैसी छह प्रमुख फ्रेंचाइजियों से खेला है। उन्होंने इस अवसर पर सभी टीमों को धन्यवाद देते हुए लिखा, ÷मैं उन सभी छह टीमों के प्रति अभारी हूं जिनका मैंने अपने आईपीएल करियर के दौरान प्रतिनिधित्व किया था।÷ अश्विन ने भारतीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और दिग्गजों की कप्तानी में खेलने के अपने अनुभवी को भी विशेष बताया। उन्होंने कहा, ÷आईपीएल में मेरे एक दशक लंबे अनुभव ने मुझे इस खेल के कुछ महान खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर दिया है। मैंने महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज क्रिकेटरों की कप्तानी में खेला है। इन अनुभवों से मुझे एक एक बेहतर क्रिकेटर बनने में सहायता मिली।

आरसीबी को लेकर भावुक हुए यश दयाल , टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे

मुम्बई ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से पिछले सत्र में शानदार गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल इस बार निजी कारणों से टीम में नहीं है। यश का कहना है कि वह अपनी टीम को टीवी पर ही खेलते देखे रहे हैं। उन्हें इस बार लीग में नहीं खेल पाने का दुख भी है। इस दौरान इस तेज गेंदबाज ने कई भावुक बातें कही हैं जिससे साफ पता चलता है कि वे टीम के साथ नहीं होने की कमी महसूस कर रहे हैं। यश ने आरसीबी के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें आज भी टीम की कमी खलती है। उन्होंने बताया, जब आप बाहर बैठे हो और टीवी पर मैच देखते हो, तो कभी-कभी मैं बीच में ही खड़ा हो जाता हूं। ये याद करके कि अपनी टीम है।

त्रिशा जॉली पिता ने पहचानी प्रतिभा, बैडमिंटन की खातिर छोड़ा शहर, कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को दिलाया पदक

नई दिल्ली, ।

बड़ी पुरानी कहावत है, 'जहां चाह, वहां राह।' बैडमिंटन की दुनिया में सफलता के नए आयाम छूने की ऐसी ही चाहत भारत की स्टार खिलाड़ी त्रिशा जॉली की भी थी। बैडमिंटन के खेल से इस कदर लगाव हुआ कि ट्रेनिंग के लिए अपना शहर छोड़कर हैदराबाद शिफ्ट हो गईं। कड़ी मेहनत, लगन और दमदार प्रदर्शन के बूते त्रिशा आज इस खेल में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं।

त्रिशा का जन्म 27 मई, 2003 को केरल में हुआ। बचपन से ही त्रिशा को बैडमिंटन में खास रुचि थी। उनके पिता स्कूल में शारीरिक शिक्षक (पीटी टीचर) थे। त्रिशा की प्रतिभा और इस खेल के प्रति उनके लगाव को पिता ने ही पहचाना। पिता की देखरेख में त्रिशा इस खेल की बारीकियां सीखने लगीं।

हालांकि, **केरल में बैडमिंटन** के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इसी वजह से त्रिशा ने हैदराबाद शिफ्ट होने का फैसला किया और यहां आकर उन्होंने गोपीचंद एकेडमी में दाखिला लिया। इसके बाद त्रिशा इस खेल में रमती गईं और उन्होंने धीरे-धीरे नाम कमाना शुरू कर दिया। जूनियर स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते त्रिशा ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचना शुरू कर दिया।

हालांकि, त्रिशा को सबसे बड़ी कामयाबी साल 2022 में हाथ लगी। बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में त्रिशा ने गायत्री गोपीचंद के साथ मिलकर महिला युगल में कांस्य पदक अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में त्रिशा के खेल ने उन्हें इंटरनेशनल स्टेज पर पहचान दिलाई। इसी साल ऑल इंग्लैंड ओपन में भी गायत्री संग मिलकर त्रिशा ने शानदार प्रदर्शन किया।

त्रिशा और गायत्री की जोड़ी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी। इसके बाद साल 2024 में हुए एशिया टीम चैंपियनशिप में त्रिशा कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहीं और उन्होंने यादगार प्रदर्शन किया। उन्होंने सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट का डबल्स खिताब अपने नाम किया।

यह उनका पहला सुपर सीरीज 300 खिताब भी रहा। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते त्रिशा महिला युगल में विश्व रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचीं। त्रिशा से आने वाले वर्षों में देश को और पदक की उम्मीद है। कॉमनवेल्थ गेम्स में वह एक बार फिर दमदार प्रदर्शन से छाप जरूर छोड़ना चाहेंगी।

पद्म पुरस्कार समारोह में इस कारण नहीं पहुंचे रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा गत दिवस यहां हुए पद्म पुरस्कार समारोह में नहीं पहुंचे। जिससे उनके प्रशंसक हैरान रह गये। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि वह पद्म श्री सम्मान ग्रहण करने यहां पहुंचेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। इससे उनके प्रशंसकों में निराशा छा गयी। रोहित को इस साल की शुरुआत में ही देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई थी। ऐसे में उम्मीद है कि अब वह राष्ट्रपति भवन में बाद में होने वाले एक समारोह के दौरान यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करेंगे। रोहित को ये सम्मान भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान, उनके कुशल नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय मंच पर टीम को मिली सफलताओं को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने प्रदान करने का निर्णय लिया है। रोहित की अनुपस्थिति को लेकर जहां पहले कहा गया था कि व्यस्त कार्यक्रम के कारण व समारोह में शामिल नहीं हुए। वहीं बाद में कहा गया कि इसके पीछे पद्म पुरस्कारों के वितरण की एक विशिष्ट प्रणाली है। पद्म पुरस्कारों का वितरण एक ही दिन में नहीं किया जाता, बल्कि पारंपरिक रूप से राष्ट्रपति भवन में कई हफ्तों के दौरान विभिन्न समारोहों में किया जाता है। इसमें पुरस्कार विजेताओं को अलग-अलग बैचों में रखा जाता है जिससे सभी को सम्मान मिली और सभी कुछ व्यवस्थित हो। इसी कारण 25 मई को आवंटित समारोह के लिए रोहित इस बैच में शामिल नहीं थे। ऐसे में अब रोहित इस साल के अंत में होने वाले एक दूसरे समारोह के दौरान आधिकारिक तौर पर अपना प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्राप्त करेंगे। यह प्रक्रिया काफी सामान्य है और कई पुरस्कार विजेता अपने व्यक्तिगत शेड्यूल तथा सरकारी आवंटन के आधार पर बाद के चरणों में अपना सम्मान ग्रहण करते हैं।

ट्रेलर में घुसी इनोवा, कैंची धाम जा रहे 4 श्रद्धालुओं की मौत, 3 गंभीर

-बाराबंकी में सुल्तानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा

बाराबंकी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां सुल्तानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार इनोवा कार आगे चल रहे ट्रेलर में पीछे से जा घुसी। इस भीषण टक्कर में कार सवार चार श्रद्धालुओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा हैदरगढ़ थाना क्षेत्र के भिखरा गांव के पास देर रात करीब दो बजे हुआ। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग भीतर ही बुरी तरह फंस गए। आधी रात को हुए इस हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, जिसे सुनकर दौड़े राहगीरों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी सात लोग उत्तराखंड स्थित प्रसिद्ध बाबा नीम करौली के कैंची धाम दर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार हैदरगढ़ क्षेत्र में पहुंची, सुल्तानपुर से लखनऊ की ओर जा रहे एक ट्रेलर से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद कार को काटकर घायलों और शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ पहुंचाया, जहां से उनकी नाजुक हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ के केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। हादसे की खबर जैसे ही मृतकों के परिजनों को मिली, उनके घरों में कोहराम मच गया। इस सड़क हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं की पहचान राहुल कुमार (पुत्र संजय कुमार, निवासी मुगलसराय, जनपद चंदौली), राहुल सिंह (पुत्र अजय प्रताप, निवासी गैबीपुर, जनपद गाजीपुर), सत्यम सिंह (पुत्र स्वर्गीय तेज प्रताप सिंह, निवासी रामपुर रसड़ा, जनपद बलिया) और सूरज मिश्रा (निवासी निकसपुर, थाना सुल्तानपुर) के रूप में हुई है। वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए यात्रियों में पंकज (पुत्र रमेश सिंह, निवासी चुनार, जनपद मिर्जापुर), प्रशांत (पुत्र अवध बिहारी, निवासी बेला, जनपद बलिया) और चंदन सिंह (पुत्र दशरथ सिंह, निवासी चुनार, जनपद मिर्जापुर) शामिल हैं, जिनका लखनऊ में इलाज चल रहा है। पुलिस ने चारों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और रात के समय चालक को झपकी आने को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है, फिलहाल पुलिस मामले की सघन जांच में जुटी है।

बेटे की शादी में 3500 ग्रामीणों को दिया दुर्घटना बीमा का तोहफा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के बहादरपुरा गांव में एक शादी सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल बनी है। जहां आमतौर पर शादी समारोहों में लाखों रुपये भव्य सजावट और आतिशबाजी पर खर्च होते हैं, वहीं पेठकर परिवार ने अपने बेटे सिद्धेश्वर पेठकर के विवाह को यादगार बनाकर समाज सेवा से जोड़ दिया। उन्होंने पूरे गांव के करीब 3500 लोगों का दुर्घटना बीमा कराकर एक ऐसी पहल की है, जिसकी हर ओर चर्चा हो रही है। पेठकर परिवार का मानना है कि विवाह केवल व्यक्तिगत खुशी का मौका नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का माध्यम भी होना चाहिए। इसी सोच के साथ, सिद्धेश्वर और मंजुषा के विवाह समारोह के अवसर पर, परिवार ने गांव के लोगों को भविष्य में किसी भी दुर्घटना या अप्रिय घटना की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया। इस कदम का उद्देश्य आकस्मिक परिस्थितियों में परिवारों को आर्थिक संकट से बचाना है। जैसे ही पहल की जानकारी गांव में सामने आई, ग्रामीणों में खुशी और गर्व का माहौल छा गया। गांव के बुजुर्गों और अन्य लोगों ने कदम की जमकर प्रशंसा की। उनका कहना है कि उन्होंने पहली बार किसी शादी में ऐसा प्रेरणादायक सामाजिक संदेश देखा है, और यह आने वाले समय में अन्य परिवारों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। पेठकर परिवार के इस अनूठे कार्य की इलाके में व्यापक चर्चा हो रही है। सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भी पहल की सराहना कर कहा है कि यदि समाज के सक्षम लोग अपने निजी आयोजनों को सामाजिक हित से जोड़ें, तब कई जरूरतमंदों की मदद की जा सकती है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं। बहादरपुरा गांव में अब यह शादी केवल एक पारिवारिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक बन गई है, जिसने खुशियों के अवसर पर समाज के बारे में सोचने की एक नई शुरुआत की है।

आज दिल्ली आ रहे सीएम विजय, पीएम मोदी से होनी हैं मुलाकात

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय बुधवार को पदभार संभालने के बाद अपनी पहली दिल्ली यात्रा पर आ रहे हैं। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय बुधवार सुबह चेन्नई से दिल्ली के लिए रवाना होने वाले है। राज्य के गृह सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण यात्रा की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ विजय की बातचीत के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, जो दोनों नेताओं के बीच पहली औपचारिक मुलाकात होगी। मुख्यमंत्री विजय के दौरे के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सोनिया और राहुल गांधी से भी मिलने की संभावना है। अपनी दिल्ली यात्रा के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, विजय जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में तमिलनाडु सरकार द्वारा स्थापित तमिल कवि-संत तिरुवल्लुवर की प्रतिमा का उद्घाटन भी करने वाले है। यह दौरा विजय के तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में 10 मई को शपथ लेने के कुछ ही सप्ताह बाद हो रहा है। उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके), ने विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल की थी, जिसने राज्य की राजनीति में दशकों से चले आ रहे डीएमके और एआईएडीएमके के वर्चस्व को समाप्त कर दिया।

राम मंदिर में 'पास' की अनिवार्यता खत्म, पूरे परिसर का दर्शन अब होगा संभव

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर परिसर के भीतर स्थित सभी प्रमुख और पूरक मंदिरों में दर्शन करने के लिए 'पास' की अनिवार्य बाध्यता को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। अब श्रद्धालु अपनी इच्छानुसार न केवल रामलला दर्शन कर सकेंगे बल्कि राम दरबार परकोटे के छह देवी देवताओं के मंदिरों और सप्त ऋषियों-मुनियों के मंदिरों में भी बिना किसी रोक-टोक के सुगमता से दर्शन-पूजन कर पाएंगे। हालांकि ट्रस्ट ने साफ किया है कि यह खुली छूट और व्यवस्था अधिक दिनों तक स्थायी नहीं रहने वाली है। जैसे ही राम मंदिर में आने वाले दर्शनार्थियों की दैनिक संख्या एक लाख से अधिक होने लगेगी, वैसे ही ट्रस्ट अपनी पुरानी पास व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से दोबारा कड़ाई से लागू कर देगा।

यूसीसी पर ओवैसी का पलटवार: मुसलमानों पर थोपा जा रहा हिंदू कानून

- नितिन गडकरी ने पेश की स्वदेशी तकनीक

हैदराबाद (एजेंसी)। असम विधानसभा में हिमंत बिस्वा सरमा सरकार द्वारा यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) विधेयक पेश होने के बाद एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने यूसीसी कानून को मुसलमानों पर बैकडोर से हिंदू कानून थोपने का प्रयास बताया। असम, गुजरात, गोवा और उत्तराखंड के बाद चौथा भाजपा शासित राज्य बन गया है, जहां समान नागरिक संहिता अपनाने की प्रक्रिया शुरू की है।

एआईएमआईएम सांसद ओवैसी ने आरोप लगाया कि यह विधेयक मुस्लिम पर्सनल कानूनों पर सीधा हमला और उनके संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण करता है। उन्होंने लिखा कि उत्तराधिकार, विरासत और तलाक जैसे महत्वपूर्ण मामलों में हिंदू सिद्धांतों को जबरन थोपा जा रहा है, जिसका उद्देश्य सिर्फ हिंदू संस्कृति को संरक्षित करना है, जबकि मुसलमानों को इन कथित समान कानूनों को मानने के लिए मजबूर किया।

हैदराबाद के सांसद ने असम के यूसीसी को असमान बताकर इसकी आलोचना की, क्योंकि इसमें आदिवासी समुदाय को इसके दायरे से पूरी तरह बाहर किया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि जब संविधान का अनुच्छेद 29 सभी समुदायों को अपनी संस्कृति की रक्षा का अधिकार देता है, तब केवल आदिवासियों की स्वायत्तता ही क्यों बचाया जा रहा है? ओवैसी के अनुसार, यह ऐसा कानून थोपने की कोशिश है जिसकी किसी को जरूरत नहीं, और संविधान सभा ने भी यूसीसी की अनिवार्यता को जरूरी नहीं समझा था। उन्होंने इस्लाम में विरासत के सिद्धांतों (कोई वारिस वंचित नहीं हो सकता, बेटियों को उचित हिस्सा मिलना) का जिक्र कर कहा कि यह यूसीसी बेटियों को वसीयत के जरिए उनके वाजिब हक से वंचित करने की इजाजत देता है, और इसका लैंगिक न्याय से कोई संबंध नहीं है।

असम सरकार के विधेयक के कानून बनने पर, बहुविवाह और दो विवाह सभी धर्मों के लिए गैर-कानूनी हो जाएंगे। इसमें महिलाओं को विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप के मामलों में समान अधिकार और कानूनी सुरक्षा मिलेगी। यह राज्य में विभिन्न धर्मों के व्यक्तिगत कानूनों की जगह लेगा, हालांकि अनुसूचित जनजातियों को इससे छूट दी गई है। विधेयक लड़कों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 21 और लड़कियों के लिए 18 साल निर्धारित करता है। सभी शादियों और तलाक का 60 दिनों के भीतर पंजीकरण अनिवार्य होगा।

इसके पहले असम विधानसभा में महत्वपूर्ण बहस के बीच, मुख्यमंत्री सरमा ने प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक का जोरदार बचाव किया। उन्होंने यूसीसी को अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को अधिकतम सुरक्षा और न्याय देने वाला प्रगतिशील कदम बताया, विपक्ष पर मुद्दे पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। सीएम सरमा ने स्पष्ट किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दे रही है, और यह विधेयक धार्मिक अल्पसंख्यक महिलाओं के विवाह, उत्तराधिकार और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित अधिकारों को मजबूत करेगा। इस विधेयक को सोमवार को संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री की ओर से पेश किया था और इस पर 27 मई को चर्चा तथा पारित होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री सरमा ने राज्य की आर्थिक प्रगति पर भी प्रकाश डाला, यह घोषणा करते हुए कि असम 2028 तक 10 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। उन्होंने बताया कि राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2021-22 में 4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में अनुमानित 8.72 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो 13 से 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। इस अभूतपूर्व गति के साथ, असम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विजन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वित्त मंत्रालय ने भी इस बात की पुष्टि की है कि असम को 2014 से 2026 तक कर हस्तांतरण और केंद्रीय अनुदान के रूप में 5.61 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, टिकाऊ अवसंरचना के विकास के लिए पूंजीगत व्यय हेतु 17,000 करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज-मुक्त ऋण भी प्रदान किया गया है।

'द केरला स्टोरी 2' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 28 मई को जी सिनेमा पर

मुंबई : "अब कहानी सिर्फ सुनाई नहीं जाएगी... महसूस भी होगी" एक ऐसी फिल्म जिसने पूरे देश में चर्चा छेड़ दी और अपनी इंटेंस कहानी से दर्शकों को आखिर तक बांधे रखा, 'द केरला स्टोरी 2' अब अपने वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के साथ जी सिनेमा पर आने के लिए तैयार है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म समाज के एक संवेदनशील मुद्दे को बेहद दमदार और बेबाक अंदाज में सामने लाती है। दर्शक इस गंभीर और सोचने पर मजबूर कर देने वाली कहानी को इस गुरुवार 28 मई, रात 8 बजे सिर्फ जी सिनेमा पर देख सकेंगे। कामाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म में उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा, अदिति भाटिया, सुमित गहलावत, अर्जन सिंह औजला, युक्तम खोसला और अलका अमीन अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कलाकारों की दमदार परफॉर्मेंस और फिल्म की असरदार कहानी ने इसे हाल के समय की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में शामिल कर दिया है। 'द केरला स्टोरी 2' यह दिखाने की कोशिश करती है कि कैसे प्यार का इस्तेमाल आजादी छीनने के लिए किया जा सकता है। साथ ही फिल्म परिवारों के लिए भी एक बड़ा चेतावनी भरा संदेश देती है। कहानी तीन अलग-अलग राज्यों की युवा लड़कियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सच्चे प्यार की तलाश में अपने परिवारों के खिलाफ जाकर फैसले लेती हैं। लेकिन जल्द ही वे धोखे, साजिश और अत्याचार के ऐसे जाल में फंस जाती हैं, जहां से निकलना आसान नहीं होता। क्या वे इस डरावने सच से बाहर निकल पाएंगी, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। देखना ना भूलें 'द केरला स्टोरी 2' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर गुरुवार रात 8 बजे, सिर्फ जी सिनेमा पर।

केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने एनआईएलडी कोलकाता में नई सुविधाओं का किया उद्घाटन

एजेंसी

कोलकाता : केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार, डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने सोमवार को राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान कोलकाता का दौरा किया। राजीव शर्मा, संयुक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग , सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार एवं अध्यक्ष, एनआईएलडी-कार्यकारी परिषद तथा डॉ. ललित नारायण, निदेशक, राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता ने मंत्री का स्वागत किया। अपने दौरे के दौरान, मंत्री ने संस्थान की गतिविधियों की समीक्षा की और दिव्यांगजनों हेतु प्रदान की जा रहीं सेवाओं की सराहना की। माननीय केन्द्रीय मंत्री जी ने संस्थान में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित कियें एवं निम्नलिखित नई सुविधाओं का उद्घाटन किया। ड्राइविंग सिम्युलेटर, दो एम्बुलेंस कार्यालय वाहन, सोलर पैनल सिस्टम, लो विजन असेसमेंट क्लिनिक, कॉम्बिनेशन थेरेपी यूनिट, एनआईईपीआईडी, सिकंदराबाद द्वारा विकसित आई-अम्मा ऐप, AYJNSHID-RC, कोलकाता में स्पीच और लैंग्वेज थेरेपी यूनिट। ये पहल संस्थान की दिव्यांगजनों को व्यापक पुनर्वास एवं सहायता सेवाएँ प्रदान करने की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करेंगी।

फ्लाइट ने लॉन्च किया 'स्टाइल का नया अंदाज' कैंपेन

एजेंसी

नयी दिल्ली : रिलैक्सो फुटवियर्स लिमिटेड के प्रमुख फैमिली फैशन फुटवियर ब्रांड, फ्लाइट ने अपना नया कैंपेन 'स्टाइल का नया अंदाज' लॉन्च किया है। इसके साथ ही कंपनी ने अपनी नई बकल रेंज भी पेश की है, जिसे रोज पहनने वाले ओपन फुटवियर में आराम और मॉडर्न स्टाइल का बेहतरीन मेल देने के लिए डिजाइन किया गया है।

आज के समय में फुटवियर सिर्फ जरूरत नहीं रहा, बल्कि यह लोगों की पर्सनल स्टाइल का हिस्सा बन चुका है। 'स्टाइल का नया अंदाज' कैंपेन के जरिए फ्लाइट इस बदलाव को सेलिब्रेट कर रहा है और लोगों को ऐसे लुक्स अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है, जो आसान, ट्रेंडी और कॉन्फिडेंट दिखें। इस नई रेंज में सिंगल स्ट्रैप और डुअल स्ट्रैप स्टाइल्स शामिल हैं, जिनमें एडजस्टेबल बकल दिया गया है, जो आराम, फ्लेक्सिबिलिटी और स्टाइल तीनों का बेहतरीन संतुलन देता है। सिंपल डिजाइन और न्यूट्रल, अर्थी टोन व सॉफ्ट पेस्टल जैसे रंगों के साथ यह कलेक्शन इस तरह तैयार किया गया है कि यह डेली फुटवियर के मामले में आसानी से फिट हो सके।

फ्लाइट की पहचान हमेशा से आराम को प्राथमिकता देने की रही है और इसी को आगे बढ़ाते हुए नई बकल रेंज में सॉफ्ट कुशन फुटबेड, लाइटवेट बनावट और टेक्सचर्ड आउटसोल दिया गया है, जो पहनने पर पूरे दिन आराम देते हैं।

इस प्रकार, हर पेयर स्टाइलिश होने के साथ ही साथ भरोसेमंद भी है। कंपनी के को-चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और होल टाइम डायरेक्टर गौरव कुमार दुआ ने कहा, "आज के समय में लोग फुटवियर को एक अलग नजरिए से देख रहे हैं, क्योंकि यह उनकी पर्सनल स्टाइल का हिस्सा बन गया है। 'स्टाइल का नया अंदाज' कैंपेन के जरिए हम लोगों को कुछ नया ट्राय करने और खुद को ज्यादा कॉन्फिडेंस के साथ एक्सप्रेस करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। नई बकल रेंज इसी बदलाव को प्रदर्शित करती है, जहाँ आराम के साथ स्टाइल पर भी खास ध्यान तौर पर ध्यान दिया गया है, जो कि आज के ग्राहकों को पसंद आता है।

इस कैंपेन के साथ फ्लाइट ओपन फुटवियर कैटेगरी में अपनी पहचान को और मजबूत कर रहा है, जहां स्टाइल और आराम को एक साथ लाया जा रहा है। नई बकल रेंज अब देशभर में फ्लाइट के बड़े रिटेल नेटवर्क, एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है, जिससे 'स्टाइल का नया अंदाज' अब हर ग्राहक के और करीब पहुंच रहा है। हर दिन पहनने से लेकर अपने व्यक्तित्व को हर दिन स्टाइलिश बनाने तक, फ्लाइट की बकल रेंज इस तरह तैयार की गई है कि आराम भी फैशनेबल नजर आए।

राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दायर, पीएम मोदी और अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी का आरोप

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ यहां अपर सिविल जज की अदालत में परिवाद दायर किया गया है। अधिवक्ता शकील अहमद खान ने सोमवार को गांधी के खिलाफ यह परिवाद दायर किया। खान ने परिवाद में कहा है कि राहुल गांधी ने गत 20 मई को अपने रायबरेली दौरे के दौरान डीह के लोधवारी गांव में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र शब्दों का प्रयोग किया जिससे उन्हें आघात लगा है। उन्होंने बताया कि अदालत से अनुरोध किया गया है कि न्याय हित में प्रार्थी व उसके गवाहों के साक्ष्य दर्ज कर राहुल गांधी को जिन धाराओं में दोषी पाया जाए उनमें तलब कर दंडित किया जाए। मालूम हो कि राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली के साथ-साथ अमेठी के दो दिवसीय दौरे के दौरान अपने भाषणों में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए उन्हें 'गद्दार' कहा था।

मंत्री के बेटे पर पॉक्सो का आरोप: आरएसएस ने भाजपा से किनारा किया

हैदराबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे साई भागीरथ को हैदराबाद में एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह मामला 31 दिसंबर, 2025 की रात नए साल की पार्टी से जुड़ा है, जहां भागीरथ पर नाबालिग को शराब पिलाने और छेड़छाड़ करने का आरोप है।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, 17 वर्षीय पीड़िता और भागीरथ के बीच सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई थी। आरोप है कि भागीरथ ने नाबालिग को बालिग होने पर शादी करने का झूठा वादा कर अपने जाल में फंसाया। पीड़िता की मां ने बताया कि भागीरथ मेरी बेटी को भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल करता था और पढ़ाई-लिखाई तथा करियर से जुड़े फैसलों पर भी रोक लगाता था। आरोप है कि इस दौरान भागीरथ बेटी को कई बार निजी अपार्टमेंट और फार्म हाउस में ले जाकर यौन उत्पीड़न करता था, जिसमें 31 दिसंबर, 2025 की रात मोइनाबाद के फार्महाउस पर हुई घटना प्रमुख है, जब बेटी को जबरदस्ती शराब पिलाकर उसका यौन उत्पीड़न किया गया।

साई भागीरथ

लेकिन शुरुआती दबाव के कारण परिवार ने शिकायत दर्ज कराने में देरी की। आखिरकार, करीब चार महीने बाद 8 मई को मां की शिकायत पर भागीरथ के खिलाफ पॉक्सो (पॉक्सो) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। तेलंगाना पुलिस ने भागीरथ को 16 मई को गिरफ्तार किया। कुकटपल्ली की डिप्टी कमिश्नर आईपीएस रितिराज ने स्पष्ट किया कि भागीरथ ने आत्मसमर्पण नहीं किया था बल्कि मंत्री के बेटे को पुलिस ने पकड़ा है। इस मामले ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, खासकर आरएसएस और भाजपा के बीच दरार पैदा हुई है। लोकसभा चुनाव में भाजपा की रिकॉर्ड 8 सीटों पर जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेलंगाना आरएसएस ने इस विवाद से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया है। तेलंगाना के प्रांत प्रचारक कट्टा राजगोपाल ने कहा है कि यह भाजपा का आंतरिक मामला है और अगर कोई उनके पदाधिकारियों को इसमें घसीटकर संघ की छवि खराब करने की कोशिश करेगा, तब कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वेबसाइट बंद, सुप्रीम कोर्ट में याचिका ; अब क्या करेगी 'कॉकरोच जनता पार्टी', खुद दिया बड़ा संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद चर्चा में आई 'कॉकरोच जनता पार्टी' अब खुद को केवल सोशल मीडिया अभियान तक सीमित नहीं रखना चाहती। पार्टी से जुड़े लोगों ने संकेत दिया है कि आने वाले समय में इसे युवाओं के बड़े जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इंस्टाग्राम पर करोड़ों युवाओं को जोड़ने वाली इस मुहिम ने हाल ही में अपना रोडमैप जारी करते हुए कहा कि यह केवल शुरुआत है और आगे देशभर में कई स्तरों पर अभियान चलाए जाएंगे। हालांकि इस अभियान को लेकर विवाद भी लगातार बढ़ता जा रहा है। पार्टी की वेबसाइट पर कार्रवाई होने और सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर किए जाने के बाद मामला और ज्यादा चर्चा में आ गया है।

सोशल मीडिया पर जारी एक लंबे संदेश में 'कॉकरोच जनता पार्टी' ने खुद की तुलना उन जीवों से की जो कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहते हैं। पोस्ट में कहा गया कि देश का युवा वर्ग भी आज संघर्ष, बेरोजगारी और असुरक्षा जैसी परिस्थितियों से जूझ रहा है, लेकिन वह हार नहीं मानेगा। पार्टी ने दावा किया कि उसकी विचारधारा भारतीय संविधान से प्रेरित है और वह लोकतंत्र, सामाजिक न्याय तथा धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के लिए संघर्ष करेगी। संगठन ने महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, भगत सिंह और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे नेताओं का उल्लेख करते हुए युवाओं से देश में बदलाव के लिए सुझाव भी मांगे हैं। पार्टी का कहना है कि बेरोजगारी, पेपर लीक, पर्यावरण और संस्थागत पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर जल्द बड़े अभियान शुरू किए जाएंगे। इस बीच अभियान शुरू करने वाले अभिजीत दिपके को लगातार धमकियां मिलने की बात भी सामने आई है। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित उनके घर के बाहर सुरक्षा के तौर पर पुलिस तैनात की गई है। अभिजीत फिलहाल अमेरिका के बोस्टन में हैं, जबकि उनके परिवार ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। दूसरी ओर, सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि न्यायालय की टिप्पणियों का उपयोग प्रचार के लिए किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद यह पूरा विवाद शुरू हुआ था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर यह मुहिम तेजी से फैल गई।

ब्रह्मोस मिसाइल की बढ़ी वैश्विक मांग, कई अरब देशों ने दिखाई दिलचस्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में निर्मित ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल प्रणाली की वैश्विक मांग लगातार बढ़ती जा रही है। सूत्रों के अनुसार पश्चिम एशिया के कई अरब देशों ने भारत से इन मिसाइलों की खरीद में रुचि दिखाई है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं ने रक्षा तैयारियों को और तेज कर दिया है। बताया जा रहा है कि संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कतर जैसे देशों ने भारत से रक्षा खरीद को लेकर संपर्क किया है। हालांकि सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन रक्षा और विदेश मंत्रालय स्तर पर बातचीत जारी होने की जानकारी सामने आई है।

भारत और रूस के संयुक्त उपक्रम के तहत तैयार की जाने वाली ब्रह्मोस मिसाइल को दुनिया की सबसे आधुनिक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिना जाता है। इसकी मारक क्षमता लगभग 300 किलोमीटर तक बताई जाती है। वहीं आकाश मिसाइल प्रणाली मध्यम दूरी तक दुश्मन के विमानों और ड्रोन हमलों को नष्ट करने में सक्षम मानी जाती है। हाल के वर्षों में भारतीय रक्षा तकनीक को लेकर दुनिया के कई देशों की रुचि बढ़ी है और भारत भी रक्षा निर्यात को नई रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में आगे बढ़ा रहा है। सूत्रों का कहना है कि फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति के बाद अब कई अन्य देश भी इस रक्षा प्रणाली को खरीदने के इच्छुक हैं। पहले से करीब आधा दर्जन देश ब्रह्मोस के लिए कतार में बताए जा रहे थे और अब अरब देशों की दिलचस्पी ने इसकी मांग को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की मिसाइल तकनीक कम लागत और उच्च क्षमता के कारण वैश्विक रक्षा बाजार में तेजी से मजबूत स्थिति बना रही है।

इस बीच सऊदी अरब की ओर से अभी तक भारत से किसी औपचारिक रक्षा खरीद प्रस्ताव की जानकारी नहीं मिली है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान के साथ रणनीतिक संबंधों के कारण सऊदी अरब फिलहाल संतुलित रुख अपनाए हुए है। हालांकि क्षेत्रीय हालात तेजी से बदल रहे हैं और ऐसे में रक्षा साझेदारियों के नए समीकरण बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। भारत के लिए यह अवसर रक्षा निर्यात बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक रणनीतिक प्रभाव मजबूत करने के रूप में भी देखा जा रहा है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वर पब्लिकेशंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902